जबलपुर शनिवार 25 अप्रैल 2026 > शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल पक्ष नवमीं विक्रम संवत 2083

वर्ष 31 अंक 298 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

वंशिका और सीजल ने जूनियर महिला एयर पिस्टल ▸▸ 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 42.0°C
न्यूनतम तापमान 23.2°C
सूर्योदय - 5.41 | सूर्यास्त - 6.35

भीषण गर्मी के चलते जिले में बड़ा फैसला! ▸▸ 2

मंडला में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान ▸▸ 5

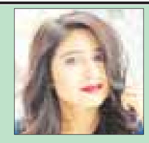

2026 ऐसा लग रहा है जैसे मैं एक साथ कई सपने जी ▸▸ 7

28 अप्रैल: मप्र को मिलेगी 2 नई अमृत भारत की सौगात

भोपाल-इटारसी-जबलपुर-हरदा-खंडवा के लोगों को मिलेगा विशेष लाभ

भोपाल

मध्यप्रदेश के रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत एक्सप्रेस की दो ट्रेनों की सौगात देंगे। ये ट्रेनें अयोध्या और बनारस से संचालित होंगी। दोनों ट्रेनें मध्यप्रदेश के कई महत्वपूर्ण शहरों से होकर गुजरेंगी। इससे भोपाल, इटारसी, जबलपुर, हरदा और खंडवा के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। मध्यप्रदेश के लोगों की उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। पीएम मोदी 28 अप्रैल को हरी झंडी दिखाकर दोनों ट्रेनों को रवाना करेंगे। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश की अत्याधुनिक और किफायती 'अमृत भारत एक्सप्रेस' की दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें से एक ट्रेन बनारस से और दूसरी अयोध्या कैंट से संचालित होगी, जो मध्य प्रदेश के कई महत्वपूर्ण औद्योगिक और धार्मिक शहरों को सीधे उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से जोड़ेंगी। पहला रूट अयोध्या कैंट से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच है, जो जबलपुर और इटारसी होकर गुजरेगा। यात्रा के दौरान प्रयागराज से चलकर यह ट्रेन मानिकपुर, सतना, जबलपुर और इटारसी जंक्शन पहुंचेगी। इसके बाद भुसावल, जलगांव और नासिक होते हुए मुंबई तक जाएगी। इस ट्रेन के शुरू होने से जबलपुर और सतना के यात्रियों को अयोध्या और मुंबई के लिए एक तेज विकल्प मिलेगा। अमृत भारत

की ट्रेनें नॉन एसी और काफी किफायती हैं। लेकिन पूरी तरह नॉन एसी होने के बावजूद यह ट्रेन आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें यात्रियों को स्नैक टेबल, कुशन वाली सीट, मोबाइल होल्डर के साथ ही कई ऐसी सुविधाएं मिलती हैं, जिन्हें पाने के लिए यात्रियों को दूसरी ट्रेनों के महंगे टिकट खरीदने पड़ते हैं। अब यूपी से एमपी होते हुए दोनों ट्रेनें किफायती दरों पर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। दूसरा रूट बनारस से हडपसर (पुणे) के बीच है। बनारस से शुरू होने वाली यह अमृत भारत एक्सप्रेस मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और इटारसी को सीधा कनेक्टिविटी देगी। बनारस और प्रयागराज के रास्ते यह ट्रेन बीना, रानी कमलापति (भोपाल), नर्मदापुरम और इटारसी पहुंचेगी। इसके बाद यह हरदा, खंडवा और भुसावल होते हुए पुणे के हडपसर स्टेशन तक जाएगी। यह ट्रेन खासतौर पर भोपाल और नर्मदापुरम के उन यात्रियों के लिए वरदान साबित होगी जो पुणे या बनारस की यात्रा करते हैं।

हडपसर-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस

हडपसर-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस रोजाना चलेगी। इस ट्रेन में स्लीपर, जनरल सेकंड क्लास समेत कुल 22 कोच होंगे। बनारस और हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस के कुल चार रेक तैनात किए जाएंगे। ट्रेन संख्या 22589 बनारस-हडपसर अमृत भारत ट्रेन वाराणसी से शाम 6.15 बजे प्रस्थान करेगी और हडपसर रात 12.10 बजे पहुंचेगी। रिटर्निंग में ट्रेन नंबर 22590 हडपसर से सुबह 7.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 2:30 बजे बनारस पहुंचेगी।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

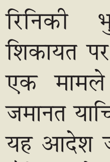

गुवाहाटी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को शुक्रवार को गुवाहाटी हाई कोर्ट से एक और झटका लगा। कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह आदेश जस्टिस पार्थिवज्योति सैकिया ने दिया, जिन्होंने इस मंगलवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आंगनवाड़ी सुपरवाइजर रिश्वत लेते पकड़ाई

खंडवा। खंडवा जिले के खालवा क्षेत्र में लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए महिला बाल विकास विभाग की एक पर्यवेक्षक को 4 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। लोकायुक्त पुलिस के अनुसार, आरोपी संतोष कोचले, जो खालवा के लखनपुर बंदी सेक्टर में पदस्थ हैं, द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किरन वाड़िबा से नियुक्ति के एवज में 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द

मुंबई (वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक ने नियमों के उल्लंघन के मामले में पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 24 अप्रैल 2026 को कारोबार की समाप्ति से लाइसेंस रद्द करने का उसका आदेश प्रभावी हो गया है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 11 मार्च 2022 से पेटीएम पेमेंट्स बैंक के नये ग्राहक बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद उसके कुछ कारोबारों को प्रतिबंधित कर दिया गया था।

राघव को भाया भगवा

आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों ने छोड़ी पार्टी

नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करके आम आदमी पार्टी से अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। राघव ने भारी मन से कहा कि आम आदमी पार्टी अपने उन आदर्शों और बुनियादी मूल्यों से पूरी तरह भटक गई है, जिनके लिए इसे बनाया गया था। उन्होंने अपनी स्थिति तय करते हुए कहा, मैं आम आदमी पार्टी से दूर जा रहा हूं और जनता की ओर बढ़ रहा हूं। राघव चड्ढा ने एक बेहद चुटीली और सीधी टिप्पणी करते हुए खुद को 'गलत पार्टी में सही आदमी' बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर अब वे घुटन महसूस कर रहे थे क्योंकि पार्टी का मौजूदा स्वरूप उसके शुरुआती सिद्धांतों से मेल नहीं खाता। राघव चड्ढा ने बताया कि हमारे साथ दो तिहाई से ज्यादा आप के राज्यसभा सांसद हमारे साथ हैं। उन्होंने साइन भी कर दिया है। इसमें हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी और अशोक मित्तल सहित कई नेताओं राघव चड्ढा के साथ शामिल हैं। राज्यसभा में आप के 10 सांसदों में अब सिर्फ तीन सांसद बचे हैं। इनमें पंजाब से जल कार्यकर्ता बलबीर सिंह सिच्चेवाल, दिल्ली से संजय सिंह और एनडी गुप्ता हैं। वहीं,

बलवीर सिंह सीचेवाल ने अपने एक्स हैंडल के बायो से आम आदमी पार्टी का नाम हटा लिया है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के सामने दिल्ली में भी विधायकों बड़ी टूट का खतरा मंडराने लगा है। राघव चड्ढा ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी पर यह कहकर बम फोड़ दिया कि उनके साथ दो-तिहाई सांसद न सिर्फ पार्टी छोड़ रहे हैं, बल्कि इसका बीजेपी में विलय कर रहे हैं। राघव चड्ढा के साथ ऐसा करने वाले 6 अन्य सांसदों का भी नाम सामने आया है। लेकिन, बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि असल में यह संख्या 8 होना है, जिनमें से एक 'आप' सांसद का अभी विलय पत्र पर हस्ताक्षर बाकी रह गया है।

बीजेपी ने फिर से...

आम आदमी पार्टी के प्रमुख नेता राघव चड्ढा के पार्टी छोड़ने के फैसले के बाद राजनीतिक माहौल अचानक गर्म हो गया है। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर सीधा निशाना साधा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए केजरीवाल ने ज्यादा कुछ नहीं लिखा। सिर्फ एक लाइन में अपनी बात कह दी। उन्होंने लिखा, बीजेपी ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धक्का।

15 एमएलए भी संपर्क में

राघव चड्ढा के बीजेपी में विलय की घोषणा करने संबंधी प्रेस कांफ्रेंस के बाद अब दिल्ली बीजेपी के एक पदाधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया है कि अभी दिल्ली विधानसभा में खेल होना तो बाकी ही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के 15 विधायक भी बीजेपी के साथ संपर्क में हैं।

बीजेपी के टारगेट में 16 विधायक

दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा में आम आदमी पार्टी के 22 विधायक हैं। इनमें से 16 एमएलए बीजेपी के टारगेट पर हैं। मतलब, अगर राघव चड्ढा का गुट एक इतने विधायकों को भी साथ लेने में सफल हो गया, तो अरविंद केजरीवाल के हाथ से दिल्ली में भी पार्टी का झाड़ू छिटक सकता है।

बिहार के सम्राट फ्लोर टेस्ट में पास

पटना। बिहार की सियासत में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट पास कर लिया है। भारी बहुमत और ध्वनि मत के आधार पर सरकार ने सदन का विश्वास हासिल किया। एनडीए के पक्ष में 201 विधायकों का समर्थन होने के कारण बहुमत की राह आसान रही, जबकि विपक्षी दलों ने भी परिस्थितियों को देखते हुए कड़ा प्रतिरोध नहीं किया। नेता प्रतिपक्ष ने तंज भरे लहजे में ही सही, लेकिन सरकार के समर्थन की औपचारिकता निभाई। सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और ठीक नौ दिन बाद उन्होंने सदन में अपना बहुमत साबित कर दिया। विश्वासमत पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आक्रामक तेवर में नजर आए। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के शासनकाल का जिक्र करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर सीधा हमला बोला। उन्होंने भावनात्मक कार्ड खेलते हुए कहा कि यदि उन पर अतीत में अत्याचार नहीं हुआ होता, तो शायद वे आज इस मुकाम तक नहीं पहुंचते। सबसे तीखा हमला उन्होंने पारिवारिक सम्मान को लेकर किया। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए सम्राट ने कहा, जो व्यक्ति अपने घर में अपनी बहन का सम्मान नहीं कर सकता, वह समाज की दूसरी महिलाओं का सम्मान क्या करेगा? इस बयान ने सदन में गरमागरम बहस की स्थिति पैदा कर दी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार नीतीश कुमार के विजन और सिद्धांतों पर आधारित विकसित बिहार के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकताओं को गिनाते हुए सम्राट चौधरी ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार '3सी' से कोई समझौता नहीं करेगी। यहां 3सी का अर्थ क्राइम, कम्युनलिज्म और करप्शन से है।

वे झालमुड़ी का वादा कर रहे, मैं उनको भेलपुरी खिलाऊंगी

ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा हमला

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बौबाजार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'वे झालमुड़ी का वादा कर रहे हैं, लेकिन मैं आपको भेलपुरी खिलाऊंगी।' उन्होंने आरोप लगाया कि झारग्राम में प्रधानमंत्री के झालमुड़ी खाने का कार्यक्रम पहले से तैयार किया गया था। ममता बनर्जी ने दावा किया कि दुकान पर पहले से सीसीटीवी और टीवी कैमरे लगाए गए थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, सुरक्षा के नाम पर झालमुड़ी घर से बनाकर लाई गई थी और दुकानदार को सिर्फ 10 रुपये दिए गए। भारतीय जनता पार्टी पर

हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि जीतने पर झालमुड़ी खाएंगे, लेकिन मैं कहती हूं कि दिल्ली से आपको भेलपुरी खिलाऊंगी। चुनाव जीतने के लिए झालमुड़ी दिखा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, हम तीखी झालमुड़ी के आदी हैं, लेकिन क्या आपने कभी मछली और चिकन करी खाई है? मैं आपका ढोकला खाती हूं, डोसा खाती हूं, लिट्टी, ठेकुआ और सत्तू भी खाती हूं। ईद पर सेवइयां और हलवा भी खाती हूं, मुझे धर्म मत सिखाइए। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कृष्णानगर में रैली के दौरान तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा कि उनकी झालमुड़ी ने सत्तारूढ़ पार्टी को जोरदार झटका दिया है। टीएमसी पर घुसपैठ को संरक्षण देने और जंगलराज को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने मातुआ और नामशूद्र समुदायों को शरण देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा।

मणिपुर के उखरुल में फायरिंग से 3 की मौत

मिलिटेंट्स ने कई घर जलाए, अप्रैल में अब तक 10 मौतें

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार सुबह दो अलग-अलग फायरिंग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। मुल्लम गांव के पास सुरक्षाबलों ने करीब 11.25 बजे दो शव बरामद किए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों आर्मी प्रिंट कपड़ों में थे। उनके शरीर पर गोली के निशान मिले हैं। दूसरी घटना सिनाकेइथेई गांव की है, जहां 29 साल के एच. जमांग नाम के युवक को हमलावरों ने घात लगाकर मार डाला। अधिकारियों ने शव बरामद कर लिया है। कुकी संगठनों ने आरोप लगाया कि नगा मिलिटेंट्स ने सुबह करीब 5.30 बजे उनके गांवों पर हमला किया। इसमें गांव के वॉलंटियर्स मारे गए और महिलाओं-बच्चों सहित कई लोग घायल हुए। हमलावरों ने फायरिंग के साथ कई घरों में आग भी लगा दी। हालांकि नगा संगठनों ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। दोनों समुदायों के बीच तनाव का माहौल है। बीते दिनों हुये बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद से ममिपुर में जगह-जगह विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। 18 अप्रैल से राज्य में पूर्ण बंद लागू है। आम-जनजीवन ठप है। इसी बीच मेइरा पाइबी समूह की महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। हजारों महिलाओं का यह समूह शांति-व्यवस्था के लिए न केवल सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है, बल्कि सामाजिक स्तर पर लोगों को भी जोड़ रहा है। ये महिलाएं दिन में रास्ते रोक रही हैं, धरना दे रही हैं। वहां से न पुलिस निकल सकती है, न कोई और। वहीं, रात में मशाल रैलियों से इलाकों की पहरेदारी भी कर रही हैं।

बंगाल का वोटर टर्नआउट देखकर बहुत खुश हूं: सीजेआई

कोर्ट ने बंगाल चुनाव ड्यूटी में लोगों की याचिका सुनने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग की तारीफ की। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की बेंच ने राज्य में चुनावी हिंसा न होने पर संतोष जताया। सीजेआई ने कहा- भारत के नागरिक के रूप में, मुझे मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुशी हुई। जब लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, कि वे लोग समाधान के लिए कोर्ट की तरफ से नियुक्त 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों से संपर्क करें। कोर्ट बंगाल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव से पहले इस प्रक्रिया को रोकने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों से कहा कि वे उन लोगों को पहले

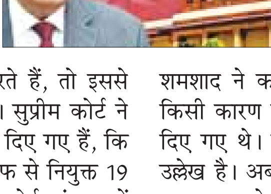

सुनवाई का मौका दें, जो वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए अर्जेंट सुनवाई की गुहार लगाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को उन विभिन्न लोगों की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिनके नाम पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए थे, इनमें लगभग 65 चुनाव ड्यूटी अधिकारी भी शामिल थे। याचिकाकर्ता के वकील एमआर शमशाद ने कहा कि कई अधिकारियों के नाम बिना किसी कारण के मनमाने ढंग से मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। उनके ड्यूटी ऑर्डर में एपिक नंबरों का उल्लेख है। अब उन नंबरों को हटा दिया गया है। अब चुनाव कराने वाले लोग वोट नहीं दे सकते। यह मनमाना है। कई मामलों में कारण भी नहीं बताए गए हैं। इस पर जस्टिस बागची ने कहा, इस चुनाव में शायद वे वोट नहीं दे पाएंगे। में उनका नाम बनाए रखने का महत्वपूर्ण अधिकार सुरक्षित रखा जाएगा।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग

विपक्ष के 73 सांसदों ने दिया नोटिस

नई दिल्ली

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 73 विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में महाभियोग चलाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए राष्ट्रपति को एक नोटिस सौंपा है। कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सांसदों ने राष्ट्रपति को संबोधित एक पत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की मांग की है। सांसदों द्वारा सौंपे गए नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त पर 'सिद्ध कदाचार' का आरोप लगाया गया है। यह कदाचार 15 मार्च 2026 को या उसके बाद किए गए कार्यों और चूक से संबंधित है। इस आरोप को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 (5) के साथ-साथ अनुच्छेद 124 (4) के तहत, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11 (2) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत वर्णित किया गया है। जयराम रमेश के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप हैं, जिन्हें विस्तृत रूप से प्रलेखित किया गया है और जिन्हें नकारा या छिपाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त का पद पर बने रहना संविधान पर हमला है

और यह अत्यंत शर्मनाक है कि वह प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इशारों पर काम कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने चुनाव आयोग पर भाजपा के एक विभाग की तरह काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री के खिलाफ उनकी टिप्पणियों पर तुरंत नोटिस जारी कर दिया, जबकि नरेंद्र मोदी के हालिया सार्वजनिक भाषण पर कोई कार्रवाई नहीं की। वेणुगोपाल ने दावा किया कि संसद में महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े बिलों के पास न होने के बाद प्रधानमंत्री का हालिया सार्वजनिक भाषण चुनाव नियमों और आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन था। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सहित विपक्षी दलों की शिकायतों के बावजूद चुनाव आयोग ने इस मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की।

संवैधानिक प्रावधान और प्रक्रिया

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर ही राष्ट्रपति के आदेश से हटाया जा सकता है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों, यानी लोकसभा और राज्यसभा, द्वारा एक ही सत्र में उस प्रस्ताव का समर्थन करना आवश्यक है, जिसमें कुल सदस्यों के बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई बहुमत का समर्थन हो। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968, इस प्रक्रिया के लिए विस्तृत नियम और प्रक्रियाएं निर्धारित करते हैं। इन प्रक्रियाओं में आरोपों की जांच, गवाहों के बयान और बचाव का अवसर शामिल होता है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया का बुढ़ार कोयलांचल क्षेत्र में कांग्रेसजनों ने किया स्वागत

बुढार (स्वतंत्रमत)

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ कद्दावर नेता एवं पूर्व म.प्र. विधानसभा नेता प्रतिपक्ष तथा चुरहट विधानसभा के विधायक अजय सिंह श्राहुल भैयाश् के बुढार कोयलांचल क्षेत्र में प्रवास के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भव्य आगवानी करते हुये पूरे उत्साह के साथ अपने प्रिय नेता जोरदार आत्मीय स्वागत किया। कांग्रेस पार्टी के प्रांतीय कद्दावर नेता अजय सिंह (राहुल भैया) का एक दिवसीय अल्प प्रवास का मुख्य उद्देश्य यह माना जा रहा है, कि कांग्रेस पार्टी के संगठन को निचले स्तर तक मजबूत करना और वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकर्ताओं ने पार्टी के प्रति नयें जोश का संचार करना रहा है। राहुल भैया के बुढार पदार्पण पर बुढार नगर के हृदय स्थल अमलाई चौक में कांग्रेस जनों ने पूरे उत्साह के साथ स्वागत किया, इसके उपरांत राहुल भैया जिला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, हनुमान खंडेलवाल एवं कांग्रेस नेता बलमीत सिंह खनूजा के निज निवास पर पहुँचे, जहाँ बड़ी संख्या में उपस्थित कांग्रेस जनों ने पूरे उल्लास के साथ नारे बाजी करते हुये आत्मीय स्वागत किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं कोतमा विधानसभा प्रभारी बलमीत सिंह खनूजा ने पत्रकारों से कांग्रेस पार्टी की संगठनात्मक चर्चा करते हुए कहा कि विंध्य के लाडले सपूत, अजय सिंह (राहुल भैया) ने पूरे जोश के साथ नगर एवं शहडोल संभाग के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार किया है। कोयलांचल क्षेत्र के इस सौहार्दपूर्ण वातावरण में सभी का आत्मीय स्वागत और कार्यकर्ताओं को स्नेह देने पहुँचे हैं। कांग्रेस पार्टी का हमारा लक्ष्य स्पष्ट है सबके सहयोग से इस बार कांग्रेस को सत्ता में वापस लाना है। राहुल भैया के प्रवास के दौरान क्षेत्र के कई प्रमुख कांग्रेसी नेता भी साथ रहे, जिनमें मुख्य रूप से महेंद्र सिंह चौहान, विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को साथ में रहें। स्वागत कार्यक्रम में पार्टी जनों का उमड़ा सैलाब स्वागत के दौरान कांग्रेस संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान राहुल भैया जिंदाबादष् और कांग्रेस पार्टी जिंदाबादष् के नारों से कोयलांचल क्षेत्र गूंज उठा। कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस दौरे से आगामी चुनावों के लिए संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। राहुल भैया के प्रवास अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव प्रदीप सिंह, जिला उपाध्यक्ष सुजीत सिंह चंदेल, राजेश चमड़ियां, भानू दीक्षित, प्रवीण सिंह, अंकित सिंह, आनंद मोहन जायसवाल, अनिरूद्ध सिंह, रामसजीवन शर्मा, संतोष सिंह सेंगर, पूर्व पार्षद मनोज जैन, अजय सिंह, मन्नू सिंह, ओंकार सिंह, विमल सिंह पोर्चे, सनाउल्ला, शैलजा द्विवेदी प्रदेश महामंत्री महिला कांग्रेस, यशोदा सिंह, अरविंद नायक, ओम सिंघानिया, जुल्फकार अली, लीला राम जगवानी, सौरभ जैन, विक्रम सिंह सहित कांग्रेस जनों की भारी उपस्थिति रही।

नाबालिग बालिका के अपहरण एवं दुष्कर्म के तीन आरोपी गिरफ्तार, 1 फरार

शहडोल (स्वतंत्रमत)

थाना सोहागपुर पुलिस ने एक नाबालिग बालिका के साथ हुए जघन्य अपराध में तत्परता दिखाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। 17 अप्रैल को फरियादिया अपने परिजनों के साथ ग्राम धुरवार में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। रात्रि करीब 11.00 बजे जब वह घर के बाहर खड़ी थी, तभी आरोपी अमन बैगा अपने साथियों मोहित बैगा और तरुण बैगा के साथ इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी से वहां पहुंचा। आरोपियों ने नाबालिग को जबरन स्कूटी पर बैठाया और करियाधार मेले के पास सुनसान इलाके में ले गए। वहां मुख्य आरोपी अमन बैगा ने बालिका के साथ जबरदस्ती बलात्कार की घटना को अंजाम दिया। विरोध करने और भागने का प्रयास करने पर आरोपी ने बालिका के साथ मारपीट की और रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी भी दी।घटना के बाद फरियादिया द्वारा परिजनों को जानकारी देने के उपरांत 22 अप्रैल थाना सोहागपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा एवं पॉक्सो एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। पुलिस टीम ने त्वरित दबिश देकर 23 अप्रैल को घटना में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके नाम निम्न प्रकार है अमन बैगा पिता जियावन बैगा, उम्र 22 साल (निवासी कंचनपुर) थाना सोहागपुर मोहित बैगा पिता लल्लू बैगा, उम्र 19 साल (निवासी कंचनपुर) थाना सोहागपुर विकाश बैगा पिता बीरू बैगा, उम्र 23 साल (निवासी धुरवार) थाना सोहागपुर प्रकरण का एक अन्य आरोपी तरुण बैगा (निवासी कंचनपुर) घटना के बाद से ही फरार है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

दोषी करार, फिर भी कार्रवाई अधर में, पंचायत भ्रष्टाचार मामले में प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत क्षेत्र की एक ग्राम पंचायत कंचनपुर का सामने आए भ्रष्टाचार के मामले ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। जांच में स्पष्ट रूप से दोषी पाए जाने के बावजूद संबंधितों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है, जिससे स्थानीय स्तर पर नाराजगी बढ़ती जा रही है। दरअसल मामले की शुरुआत उपसरपंच द्वारा की गई शिकायत से हुई, जिसमें निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर 9 बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज कराई गई थी। शिकायत के बाद तत्कालीन कलेक्टर ने जांच समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट में सरपंच, सचिव और उपयंत्री को दोषी ठहराते हुए 2 दिसंबर 2025 को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इसके बाद 5 फरवरी 2026 को संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, लेकिन इसके बाद कार्रवाई की प्रक्रिया ठहर सी गई है। चार माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद जिम्मेदारों पर कोई निर्णायक कदम नहीं उठाया गया है। यह भी सामने आया है कि इससे पूर्व भी निर्माण कार्यों में अनियमितताओं को लेकर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। उस प्रकरण में 5 लाख 65 हजार रुपये की रिकवरी के आदेश जारी हुए थे। हालांकि, उच्च न्यायालय से आंशिक राहत मिलने के बाद भी राशि जमा करने की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि शासन की राशि का सही उपयोग नहीं किया गया और नियमों को दरकिनार कर वित्तीय लेन-देन में गड़बड़ी की गई। उनका कहना है कि यदि समय पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो यह प्रवृत्ति आगे और बढ़ सकती है।

उपसरपंच सहित ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि दोष तय होने के बावजूद देरी से कार्रवाई होना न केवल प्रशासनिक निष्क्रियता को दर्शाता है, बल्कि इससे आमजन का भरोसा भी कमजोर होता है। मामले को लेकर प्रशासन की चुप्पी अब चर्चा का विषय बन चुकी है और लोग जल्द निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

कमिश्नर ने एमएलबी स्कूल में चल रहे जनगणना प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

ईमानदारी, लगन और कर्तव्य निष्ठा के साथ जनगणना कार्य को बनाएं सफल - कमिश्नर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय में जनगणना 2026-27 के तहत चल रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि जनगणना कार्य में संलग्न अधिकारी, कर्मचारी जनगणना कार्य को पूरी ईमानदारी, लगन एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारी को ध्यान पूर्वक सुने, समझे और उसे जनगणना कार्य में उपयोग करें। कमिश्नर ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान मन में कोई भी जिज्ञासा हो तो उसे निःसंकोच मास्टर ट्रेनर्सों से प्रश्न करें। कमिश्नर ने कहा कि जनगणना 2026-26 अंतर्गत प्रथम चरण 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्व गणना का कार्य किया जा रहा है, इसके लिए प्रगणक आमजन को स्व-गणना करने हेतु उन्हें सटीक और सही जानकारी धैर्य और समझदारी के साथ दें जिससे जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो सकें। कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने जनगणना कार्य हेतु दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्य का अवलोकन कर मास्टर ट्रेनर्सो एवं प्रगणको को अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही कमिश्नर ने मास्टर ट्रेनर्स से स्व गणना के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नो के बारे में भी जानकारी ली। प्रशिक्षण के दौरान परिवार ऑकड़ा, लोकेशन मैपिंग, एसई जनरेट, फील्ड की पूर्व तैयारी, मोबाइल ऐप, फील्ड विजिट, भौतिक सत्यापन, एडिट प्रोटोकाल और सिस्टम टैगिंग, विशेष क्षेत्र और क्षेत्र सीमाएं, हेंडसेक, भाषा की बारीकियां, सत्यापन तर्क सहित जनगणना कार्य हेतु अन्य जानकारियो से भी अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी सरोधन सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्षरत भाजपा अधिनियम पारित कराने के लिए प्रतिबद्ध : लता एलकर

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित हुई प्रेसवार्ता

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित प्रस्ताव वोटिंग के दौरान खारिज होने के बाद शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय डिण्डौरी में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष लता एलकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों के रवैये पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

लता एलकर ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में जो घटनाक्रम हुआ, वह केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के अधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला विरोधी गठबंधन ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रभावी बनाने वाले 131वें संविधान संशोधन विधेयक को रोककर अपनी मानसिकता उजागर कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, समाजवादी पार्टी और उनके सहयोगियों ने न केवल एक महत्वपूर्ण विधेयक को रोका, बल्कि करोड़ों महिलाओं के अधिकारों और उनके भविष्य के साथ भी खिलवाड़ किया है। इस पर विपक्ष द्वारा जश्न मनाना हर महिला का अपमान है। एलकर ने कहा कि यह विधेयक महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था, जिसे राजनीतिक स्वार्थों के चलते बाधित किया गया। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा महिला हितों के मुद्दों पर विरोध का रास्ता अपनाया है, चाहे वह शाहबानो प्रकरण हो, तीन तलाक का मुद्दा हो या कश्मीरी महिलाओं के अधिकार। प्रियंका गांधी द्वारा महिलाओं के संदर्भ में इस्तेमाल की गई भाषा पर भी उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह भारत की सांस्कृतिक भावना के विपरीत है, जहां नारी को देवी स्वरूप माना जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। तीन तलाक से मुक्ति, शौचालय निर्माण, बैंक खातों की सुविधा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार इसके उदाहरण हैं। एलकर ने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि परिसीमन के दौरान किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा और संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं इस पूरे घटनाक्रम को समझ रही हैं और आने वाले समय में इसका जवाब देंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी महिला सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह केवल शब्दों तक सीमित नहीं, बल्कि कार्यों में भी दिखाई देता है। प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष चमरूसिंह नेताम, जिला उपाध्यक्ष इन्द्रावती धुर्वे, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नरवदिया मरकाम, जिला मंत्री सपना जैन, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, पूर्व जिला मंत्री कीर्ति गुप्ता, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश छावड़ा, नगर परिषद उपाध्यक्ष सारिका नायक, मंडल मंत्री दीपिका भारद्वाज, पार्षद स्मिता बर्मन, राजेन्द्र परमार, भागीरथ उरैती, नीलू जैन, मिथलेश मिश्रा, पार्वती बरमैया, कान्हा शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्रमत)। थाना सिंहपुर पुलिस ने शादी का झूठा वादा कर महिला का शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। 20 जुलाई को महिला सुरक्षा थाना शहडोल से प्राप्त जीरो एफआईआर के आधार पर थाना सिंहपुर में अपराध धारा बी.एन.एस. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया फरियादिया (उम्र 27 वर्ष) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी दीपेश पटेल (25 वर्ष) ने उसे अपने पति को छोड़ने और शादी करने का प्रलोभन देकर विश्वास में लिया। आरोपी ने सर्वप्रथम 06 सितम्बर 2025 को महिला के घर जाकर शादी का झांसा देते हुए शारीरिक संबंध बनाए। इसके पश्चात आरोपी लगातार शादी का वादा कर महिला का शोषण करता रहा। अंतिम बार 17 अप्रैल को आरोपी ने पुनः महिला के साथ दुष्कृत्य किया और बाद में शादी करने के वादे से मुकर गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सिंहपुर पुलिस द्वारा आरोपी का नामः दीपेश पटेल पिता ललन पटेल उम्र 25 वर्ष निवासीः ग्राम बोडरी को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

भीषण गर्मी के चलते जिले में बड़ा फैसला! कक्षा 1 से 5 तक अवकाश स्कूल समय में भी किया गया बदलाव

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिले में लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने विद्यार्थियों के

स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए अहम आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत जिले के सभी शासकीय, अशासकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के लिए नई समय-सारणी लागू कर दी गई है। जारी निर्देशों के अनुसार, कक्षा 1 से 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 21 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक अवकाश घोषित किया गया है। प्रशासन ने यह निर्णय अत्यधिक गर्मी के कारण छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए लिया है। वहीं कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय संचालन का समय सुबह 07:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि छात्र तेज धूप और लू से बच सकें। इसके साथ ही शिक्षकों को दोपहर 01:30 बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहकर आवश्यक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और सभी स्कूलों को इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा। यह कदम विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

मॉयल ने वित्तीय वर्ष 2026 में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर,19.07 टन का उत्पादन, भरवेली का 3.40 लाख टन का योगदान

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली , जिसकी मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र में कुल 9 खदानें संचालित हैं, ने बीते वित्तीय वर्ष में उत्पादन और बिक्री के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। कंपनी की यह उपलब्धि न केवल उसकी कार्यक्षमता को दर्शाती है, बल्कि भारत के इस्पात क्षेत्र में उसकी मजबूत भूमिका को भी प्रमाणित करती है।

हमें यह साझा करते हुए गर्व हो रहा है कि कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025 में 18.02 लाख मीट्रिक टन (रूझ) के उत्पादन से आगे बढ़ते हुए वित्तीय वर्ष 2026 में 19.07 लाख मीट्रिक टन (रूझ) का उल्लेखनीय आंकड़ा हासिल किया है। यह केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि निरंतरता, समर्पण और उन सभी हितधारकों के विश्वास का प्रतीक है, जिन्होंने इस विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस उत्पादन में भरवेली खदान का योगदान 3.40लाख टन का रहा।जिसका श्रेय स्थानीय प्रबंधन ने कामगार, कर्मचारी, अधिकारी वर्ग के टीम वर्क को दिया है।ये रिकार्ड उत्पादन हाल ही के वर्षों की सबसे बड़ी उपलब्धि हैं। यह उपलब्धि समर्पण, निरंतरता और भारत के इस्पात क्षेत्र की मजबूती को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वित्तीय वर्ष 2026 में कंपनी का रिकॉर्ड बिक्री प्रदर्शन परिचालन उत्कृष्टता का प्रमाण है और राष्ट्र के विकास को गति देने की उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसी भावना के साथ आगे बढ़ते हुए, कंपनी एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस सफलता के पीछे कंपनी की टीम की कड़ी मेहनत, दूरदर्शी रणनीति और गुणवत्ता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का अहम योगदान है। प्रत्येक कर्मचारी ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किया, जिससे उत्पादन और बिक्री में यह सकारात्मक वृद्धि संभव हो सकी। साथ ही, ग्राहकों और सहयोगी संस्थाओं का विश्वास भी इस उपलब्धि की मजबूत नींव रहा है। वर्तमान प्रतिस्पर्धी वातावरण में निरंतर प्रगति करना चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन कंपनी ने इसे अवसर में बदलते हुए नवीन तकनीकों को अपनाया और कार्यप्रणालियों में सुधार किया। दक्षता बढ़ाने के इन प्रयासों ने कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह उपलब्धि न केवल संगठन के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे खनन और इस्पात क्षेत्र के लिए प्रेरणा भी है। आने वाले समय में भी कंपनी इसी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए अग्रसर रहेगी।

प्रदेश में खनिज के अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए 40 ई-गेट शुरू

बालाघाट। मध्यप्रदेश में खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा प्रदेशभर में 40 ई-चेक गेट शुरू किए गए हैं। इसी कड़ी में बालाघाट जिले के कंजई में भी ई-गेट का संचालन 16 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो गया है। इन ई-गेटों के माध्यम से रेत सहित अन्य खनिजों के परिवहन की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 में आवश्यक संशोधन किए जाने के बाद इन ई-चेक गेटों को संचालित किया गया है। यह पूरी तरह मानव-रहित प्रणाली है, जिससे खनिज परिवहन में लगी गाड़ियों की सतत निगरानी संभव हो सकेगी। उन्होंने बताया कि अब खनिज परिवहन में लगे सभी वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (ऋत्नढ्ढ) टैग लगाना अनिवार्य होगा। यह टैग गाड़ी की फ्रंट विंडशील्ड पर लगाया जाएगा, जिससे ई-गेट से गुजरते ही वाहन की पूरी जानकारी स्वतः सिस्टम में दर्ज हो जाएगी। इससे ओवरलोडिंग, नंबर प्लेट छिपाने या अन्य प्रकार की गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी।

आवासीय स्कूल, कॉलेज, हास्टल सामुदायिक किचन एवं आंगनवाड़ी किचन में पीएनजी गैस कनेक्शन लेने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के आवासीय स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, कम्युनिटी किचन एवं आंगनवाड़ी किचनों में पीएनजी गैस कनेक्शन स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जहां पाइपलाइन अधोसंरचना उपलब्ध है वहां आगामी 5 दिनों के भीतर पीएनजी गैस कनेक्शन स्थापित कराना सुनिश्चित करें। जारी निर्देश में कहा गया है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए प्राकृतिक गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा पीएनजी नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों में कमर्शियल एलपीजी की जगह पीएनजी गैस आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि जिले में संचालित समस्त आवासीय विद्यालय, कॉलेज, छात्रावास मेस, निजी हॉस्टल, कम्युनिटी किचन एवं आंगनवाड़ी किचनों में प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी गैस कनेक्शन स्थापित किए जाएं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिले में बीपीसीएल कंपनी द्वारा सीजीडी योजना के अंतर्गत पीएनजी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है तथा कनेक्शन हेतु संबंधित एजेंसी से संपर्क किया जा सकता है। गैस कनेक्शन लिए जाने हेतु वीपीसीएल के मो. न. 9424738607 पर सम्पर्क किया जा सकता है। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना, गैस आपूर्ति को सुरक्षित एवं सुगम बनाना तथा संस्थानों में आधुनिक गैस अधोसंरचना का विस्तार करना है।

अग्नि सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने जिनसार में हुई पोस्टर प्रतियोगिताएं

विद्यार्थियों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग, उत्कृष्ट को मिला पुरस्कार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। फायर सर्विस वीक 2026 के अंतर्गत 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा जागरूक समाज अग्नि रोकथाम के लिए एकजुट विषय के अंतर्गत मनाया गया। इस अवसर पर गृह मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक संस्थानों को अग्नि रोकथाम एवं अग्नि सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसी पहल के अंतर्गत, जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) के बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर एवं बीएससी नर्सिंग अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में जिनसार ऑडिटोरियम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह कार्यक्रम प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य, नर्सिंग के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

जनमानस को किया जागरूक

कार्यक्रम के समन्वयक शिक्षक सुश्री म्यूरियल क्रिस्टोफर एवं सुश्री अन्नू गुप्ता थीं, जिन्होंने विद्यार्थियों को पूरी तैयारी प्रक्रिया के दौरान मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्रदान की। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. डॉ. अनुप तिवारी, प्रो. आराधना धन्यवाद एवं सुश्री ऋषिका कोठारी द्वारा किया गया, जिनके निष्पक्ष एवं प्रेरणादायक मूल्यांकन ने प्रतिभागियों को उचित सम्मान प्रदान किया।

विद्यार्थियों ने अग्नि सुरक्षा के महत्व, अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम, अस्पतालों में सुरक्षा उपायों तथा जनसामान्य में जागरूकता से संबंधित रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक पोस्टर तैयार किए। प्रतियोगिता का आयोजन दो श्रेणियों–जूनियर श्रेणी एवं सीनियर श्रेणी–में किया गया। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति ने संस्थान को गौरवान्वित किया। सीनियर श्रेणी (बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष) से तीन पोस्टर तथा जूनियर श्रेणी (बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर) से तीन पोस्टरों को उनकी रचनात्मकता, संदेश की स्पष्टता एवं विषय की प्रासंगिकता के आधार पर पुरस्कृत किया गया।

यह उपलब्धि विद्यार्थियों की जागरूकता, समर्पण एवं अग्नि सुरक्षा तथा रोकथाम उपायों के प्रति उनकी समझ को दर्शाती है। साथ ही, इसने उन्हें एक सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

जिनसार के प्रबंधन एवं संकाय सदस्यों ने सभी प्रतिभागियों एवं पुरस्कार विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी तथा संस्थान का गौरव बढ़ाने हेतु उनके प्रयासों की सराहना की।

इन विद्यार्थियों को मिले पुरस्कार

सीनियर श्रेणी–बी.एससी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष

- –सुश्री उर्वशी
- –सुश्री सिमरन अंसारी
- –सुश्री दीपशिखा पटेल

जूनियर श्रेणी–बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर

- –सुश्री मानशिखा पटेल
- –सुश्री बसुंधरा सनोडिया
- –सुश्री जिया मेहरा

बरगी नहर में डूबी तीसरी किशोरी का शव चौबीस घंटे बाद मिला

शादी समारोह में गई किशोरियां रील बनाते समय बह गई थी नहर में

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी के ग्राम सालीवाड़ा में आयोजित एक शादी समारोह के रिसेप्शन में गई चार किशोरियां नहाने के दौरान रील बनाते समय गहरे पानी में बह गई थी। जिनमें से एक तैर कर बाहर आ गई थी तो तीन पानी में बह गई थी। जिसके बाद एसडीआरएफ व गोताखोरों की टीम ने रेस्क्यू आपरेशन चलाते हुए दो किशोरियों के शव गत् दिवस बरामद कर लिये थे। वहीं तीसरी किशोरी सृष्टि पटेल उर्फ तन्नू उम्र 17 वर्ष निवासी सहजपुरी बरगीका शव घटना स्थल से पांच सौ मीटर की दूरी पर पानी में उतराते हुए मिला।

पुलिस ने बताया कि 22 अप्रैल को दीपक पटेल के यहां शादी का रिसेप्शन था। जिसके दूसरे दिन 23 अप्रैल की सुबह करीब दस बजे उनके परिवार की बच्चियां शीतल पटेल, सानिया उर्फ सन्नो पटेल और सृष्टि उर्फ तनु पटेल अन्य लोगो के साथ नहर में नहाने गई थीं। बताया जा रहा है कि नहाने के दौरान ही किशोरियों ने मोबाईल से फोटो व रील बनाना शुरु कर दिया। इसी दौरान सानिया का पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में चली गई। जिसे बचाने के प्रयासा में शीतल भी पानी में चली गई, जिसके बाद सृष्टि उर्फ तनु ने बचाने का प्रयास किया तो वह भी पानी में चली गई। वहीं एक अन्य तैरकर बाहर आ गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा एसडीआरएफ की सहायता से किशोरियों की तलाश करायी गयी। जिसके बाद गत् दिवस गुरुवार दोपहर को कु. शीतल पटेल उम्र 24 वर्ष निवासी शास्त्री नगर तिलवारा व सानिया पटेल उर्फ सन्नो उम्र 10 वर्ष निवासी कटियाघाट गौर का शव बरामद किया गया था। वहीं सृष्टि उर्फ तनू की तलाश जारी थी। जिसका शव शुक्रवार सुबह घटना स्थल से पांच सौ मीटर की दूरी पर बरामद किया गया। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में गूंजे जबलपुर के इंजी. असाधु के विचार

सांसद कमलजीत सेहरावत ने किया सम्मानित

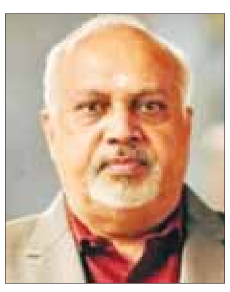

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में जबलपुर का नाम राष्ट्रीय पटल पर गौरवान्वित हुआ। नारी सशक्तिकरण – विकसित भारत विषय पर आयोजित इस एक दिवसीय संगोष्ठी में रामायण केंद्र जबलपुर इकाई के संयोजक एवं मध्य प्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के अधीक्षण अभियंता इंजी. संतोष कुमार मिश्र असाधु ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

89 शोध पत्रों के बीच विशेष चर्चा–देशभर से प्राप्त 89 शोध पत्रों के बीच श्री मिश्र का रामायण काल में सशक्त नारी विषय पर शोध पत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। अपने संबोधन में उन्होंने स्पष्ट किया कि रामायण काल में संस्कार-दात्री नारी की वास्तविक शक्ति उनका नारीत्व, धैर्य, क्षमा और त्याग था। उन्होंने वर्तमान में पाश्चात्य सभ्यता के अंधानुकरण और सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय संस्कृति को कमजोर करने के प्रयासों पर गहरी चिंता व्यक्त की।

मानस के गूढ़ रहस्यों का उल्लेख–श्री मिश्र ने गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस के उदाहरण देते हुए बताया कि ग्रंथ में जहाँ कहीं भी नारी की निंदा प्रतीत होती है, वह वास्तव में ईश्वर की माया रूपी प्रकृति का संकेत है। उनके अनुसार, आध्यात्मिक दृष्टि से इस ब्रह्मांड की समस्त संरचनाएं नारी वर्ग के अंतर्गत आती हैं। उन्होंने शोध पत्र में दर्शाया कि रामायण काल में नारियों का मानसिक संकल्प अत्यंत दृढ़ था और उन्हें समाज में पुरुषों से भी अधिक सम्मान प्राप्त था। अनूठे और ज्ञानवर्धक शोध पत्र की सराहना करते हुए पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सेहरावत ने इंजी. संतोष कुमार मिश्र को सम्मानित किया।

जय भीम नगर में शिव महापुराण कथा का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पोलीपाथर क्षेत्र स्थित जय भीम नगर कालोनी में विगत 20 अप्रैल से श्री श्री 1008 दंडी स्वामी अखिलेश आश्रम महाराज के सानिध्य मे एवं श्रीधाम वृन्दावन, उत्तर प्रदेश से पधारे कथा वाचक श्री रामजी तिवारी के मुखारबिंद से शिव महापुराण कथा एवं रुद्राभिषेक का सफल आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन आगामी 28 अप्रैल दिन मंगलवार को पूर्ण आहूति एवं भंडारे के साथ समापन होगा। आयोजक पंडित राज कुमार तिवारी ने इस संबंध में बताया कि इस महापर्व मे प्रतिदिन बड़ी संख्या में कालोनी एवं कालोनी के आसपास की महिलाएं एवं पुरुष पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है। इस आयोजन को सफल बनाने मे कालोनी के उपाध्यक्ष मनीष मित्तल, नरेश कुमार चंदेल, गोविंद सिंह ठाकुर, विनायक राव वानखेड़े, रमेश श्रीवास्तव, शिवलाल मरावी, महेंद्र रावते, ओमप्रकाश, अंबिका विश्वकर्मा, रोजी धावड़े, एमी रोमिला, अविनाश वाणी, रामाधार प्रजापति, नर्मद रघुवंशी, गणेश श्रीवास्तव, श्री गुप्ता, श्री शुक्ला, श्री पटले एवं श्री राजपूत सहित अन्य लोगों का विशेष योगदान मिल रहा है।

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में नवीन पाठ्यक्रमों की सौगात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुविषयक दृष्टिकोण को सुदृढ करते हुए शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में सत्र 2026-27 से स्नातकोतर (पीजी) स्तर पर हिंदी एवं सैन्य विज्ञान विषयों के नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। यह पहल महाविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार के साथ-साथ गुणवतापूर्ण समावेशी एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।प्रवेश प्रभारी डॉ. मनीष शर्मा के अनुसार इन पाठ्यक्रमों के प्रारंभ होने से महाविद्यालय में संचालित सभी प्रमुख विषयों में स्नातकोतर स्तर की शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी जिससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। हिंदी विषय वि?द्यार्थियों को भारतीय भाषा साहित्य एवं सांस्कृतिक चेतना से जोडने में सहायक होगा जबकि सैन्य विज्ञान विषय राष्ट्रीय सुरक्षा सामरिक अध्ययन नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शिखा सक्सेना ने बताया कि महाविद्यालय भविष्य में डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने की और अग्रसर है साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य शिक्षा को अधिक लचीला समग्र एवं बहुविषयक बनाना है। उन्होंने बताया कि इन पाठ्यक्रमों के सफल संचालन हेतु महाविद्यालय में योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापक उपलब्ध है।

जनसमस्याओं को लेकर फूटा जनता का गुस्सा

रांझी में प्रदर्शन, जल्द समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लाला लाजपत राय वार्ड में व्याप्त पेयजल संकट, बदहाल सफाई व्यवस्था और जर्जर सामुदायिक भवन जैसी मूलभूत समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर आज नगर निगम जोन कार्यालय रांझी का घेराव किया गया। प्रदर्शन मंडलम वार्ड अध्यक्ष राजू कनौजिया के नेतृत्व एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रांझी-खमरिया के संयोजन में आयोजित हुआ, जिसमें भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों और महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रदर्शन के दौरान नागरिकों ने वार्ड की जर्जर सड़कों, नालियों की सफाई न होने और नियमित कचरा उठाव न होने पर गहरा रोष व्यक्त किया। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने विशेष रूप से भीषण गर्मी के बीच गहराते जल संकट का मुद्दा उठाया और अपनी दैनिक परेशानियों को अधिकारियों के समक्ष रखा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सामुदायिक भवन की हालत इतनी खराब है कि उसका उपयोग करना भी अब संभव नहीं रह गया है।

प्रशासन को चेतावनी

जिला महासचिव रविन्द्र कुशवाहा ने प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कई बार लिखित और मौखिक शिकायतों के बावजूद नगर निगम द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं किया गया, तो आने वाले समय में आंदोलन को और भी उग्र रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नटी शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष आशुतोष वत्स, पूर्व पार्षद राजेश यादव, रविंद्र कुशवाहा, नेम सिंह, संजू ठाकुर, निर्मल जैन, जग्गू विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्लासिक पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में अव्वल आई मंजू इंगले

जबलपुर । सीनियर सिटीजन मास्टर श्रेणी में 74 कि.ग्रा. भार में नगर की बेटी मंजू इंगले ने फुल पॉवर लिफ्टिंग में प्रथम स्थान पाकर गोल्ड मैडल जीता। यह प्रतियोगिता आगरा के राजा बलवंत सिंह (आर.बी.एस.) कॉलेज प्रांगण में देश भर के लगभग 2000 लिफ्टर की उपस्थिति में हजारों अधिक दर्शकों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर आगरा के जीएसटी कमिश्नर की धर्मपत्नि श्रीमती मंजू ने हर्ष ध्वनि के बीच मंजु इंगले को गोल्ड मैडल पहनाकर सम्मानित किया। मंजु इंगले की इस उपलब्धि पर सेम सीनियर सिटीजन क्लब, शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने उन्हें बधाइयां दी। ज्ञात रहे कि श्रीमती मंजु इंगले ने अनेक वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड जीते एवं देश व अपने शहर को गौरान्वित किया।

निगम सदन में एकता की मिसाल

बिना विवाद के पारित हुए विकास और नामकरण के प्रस्ताव, स्वच्छता और स्वास्थ्य पर 97 करोड़ का निवेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के चहुंमुखी विकास और स्वच्छता व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने की दिशा में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू की अध्यक्षता में नगर निगम की साधारण सम्मिलन की बैठक संपन्न हुई। बैठक में पार्षदों के साझा विजन और सकारात्मक तालमेल की अनूठी मिसाल देखने को मिली, जहाँ सदन में रखे गए 19 में से 18 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए महापौर ने 97 करोड़ रुपये की लागत वाले स्वास्थ्य विभाग के टेंडर को शीघ्र जारी करने की घोषणा की। इस भारी निवेश से शहर में स्वच्छता के नए उपकरण और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे जबलपुर

को स्वच्छता की नई पहचान मिलेगी। लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर देते हुए महापौर ने कहा कि शहर के विकास में पार्षदों की भूमिका सर्वोपरि है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर वार्ड की प्रगति और हर प्रस्ताव के क्रियान्वयन में प्रत्येक पार्षद का सुझाव और निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन प्रस्ताव की पुष्टि भी सदन में बहुमत के साथ की गई। बैठक में शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को सहेजते हुए कई प्रमुख स्थानों और मार्गों के नामकरण प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई।

इन प्रमुख मार्गों के बदले नाम

अटल बिहारी बाजपेयी मार्ग : बिरसा मुण्डा तिराहे से महाराजपुर तक की सड़क।

मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी मार्ग : पुरानी श्याम टॉकीज से शहीद स्मारक मुख्य द्वार तक।

फोटो ग्राफर युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थानातंर्गत महाराजपुर व्हीकल मोड़ पर बीती देररात तीन बदमाशों ने फोटो ग्राफर युवक पर पुरानी रंजिश को लेकर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे युवक के पैर की जांघ में गंभीर चोट आई है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि वेलकम कालोनी निवासी 26 वर्षीय अभिषेक पांडे फोटो ग्राफी करता है। बीती रात करीब सवा ग्यारह बजे वह महाराजपुर व्हीकल मोड़ शराब दुकान के पास स्थित किराना दुकान में सामान ले रहा था। जहां पर उसका दोस्त मिल गया, जिससे खड़े होकर वह बाते करने लगा। उसी दौरान शुभम मिश्रा अपने दो साथियों के साथ पहुंचा और अभिषेक को देखकर गालीगलौज करने लगा।

पदस्थ न्यायाधीश की विदाई और नवागत न्यायाधीश का हुआ सम्मान

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । सिविल न्यायालय सिहोरा मे पदस्थ न्यायाधीश सुधांशु सिन्हा एवं न्यायाधीश उर्वशी यादव का सिहोरा न्यायालय से स्थानांतरण हो जाने के कारण उनका विदाई समारोह एवं सिहोरा न्यायालय मे स्थानांतरण होकर आये नवागत न्यायाधीश संतोष कोल , न्यायाधीश विशाल रिछारिया ,न्यायाधीश रुपा मिश्रा एवं न्यायाधीश हिमांशी भारद्वाज का अधिवक्ता संघ अध्यक्ष रविदीप सिंह बैस उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा, सचिव आनंद मणि त्रिपाठी, आशीष ब्योहार, आलोक बयौहार, सुनील पटेल, आनंद पटेल,अभय नारायण मिश्रा,उत्तम सोनी,साकेत पिडिहा और रविशंकर पटेल ने सभी न्यायाधीशगण का पुष्पहार से स्वागत कर सम्मान पत्र प्रदान किया और बैंच की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम मे सभी एडीपीओ.और बडी संख्या अधिवक्तागण मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन कला एवं सांस्कृतिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मई से

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 31 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कला एवं सांस्कृतिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मई से रामपुर स्थित मशाल परिसर में किया गया है। इस शिविर में विद्युत कंपनियों के कार्मिकों के बच्चों के अलावा उनके आश्रित बच्चे भी भाग ले सकेंगे। शिविर में छह विधाओं में प्रशिक्षण दिया जाएगा। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव एफके मेश्राम ने जानकारी दी है कि नगर के सबसे बड़े ग्रीष्मकालीन कला एवं सांस्कृतिक प्रशिक्षण शिविर के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने वाले इस शिविर में 16 वर्ष आयु तक के बालक-बालिकाओं के लिए ड्राइंग-पेंटिंग, कैलीग्राफी, मेंहदी, क्राफ्ट, गायन-वादन और 16 वर्ष आयु तक की बालिकाओं के लिए नृत्यकला का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नारी शक्ति के योगदान से सशक्त हो रही बिजली

शक्ति भवन में नारी शक्ति वंदन समारोह संपन्न, महिला कर्मचारियों का हुआ सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के मुख्यालय शक्ति भवन में शुक्रवार को 'नारी शक्ति वंदन समारोह' का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कंपनी की प्रगति में कंधे से कंधा मिलाकर चल रही महिला कर्मचारियों के योगदान को सम्मानित करना और उन्हें प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में मुख्यालय की 100 से अधिक महिला कार्मिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने कामकाजी महिलाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। डॉ. रीना जैन ने कहा कि तनाव से बचने के लिए उसके मूल कारण को समझना जरूरी है। शांत मन

और सकारात्मक वातावरण से मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखा जा सकता है। मनीषा लुम्बा (संयुक्त संचालक, महिला एवं बाल विकास ने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच स्पष्ट सीमाएं तय करने तथा योग व ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाने पर बल दिया।

स्वास्थ्य जागरूकता और जांच–प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीना श्रीवास्तव ने महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की सलाह दी।

उन्होंने विशेष रूप से कॉर्टिसोल हार्मोन के संतुलन पर चर्चा की और बताया कि कैसे छोटी लापरवाहियां बड़ी बीमारी बन सकती हैं। इस अवसर पर उपस्थित महिला कर्मचारियों के लिए नि: शुल्क कॉर्टिसोल परीक्षण की सुविधा भी दी गई।

कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि महिला कर्मचारी न केवल कुशल हैं, बल्कि जिम्मेदारियों को निभाने में हमेशा अग्रणी रहती हैं। उन्होंने सुरक्षित कार्य संस्कृति के निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। कार्यपालक निदेशक दीपक कश्यप ने महिला कार्मिकों को कंपनी की अमूल्य धरोहर बताया। इस अवसर पर डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम, डायरेक्टर कमर्शियल मिलिंद भांदक्कर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जंगल में वाद्य यंत्र लेकर लोग तोड़ेंगे तेंदूपत्ता

वन विभाग ने वन्य प्राणी मानव द्वंद्व रोकने अपनाया नया तरीका

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

बालाघाट जिले के जंगलों में आगामी मई माह से तेंदूपत्ता तुड़ाई का कार्य प्रारंभ होने वाला हैं। तेंदूपत्ता तुड़ाई से अधिकांश लोग अच्छी आय अर्जित कर करीब एक वर्ष तक के लिए राशन सामग्री की व्यवस्था बना लेते हैं। इस बार वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी सामान्य अंतर्गत आने वाले 30 गांवों के लोगों को वन विभाग ने सख्त निर्देश दिए है कि जंगल में तेंदूपत्ता तुड़ाई करने जाने पर अपने साथ में मोबाइल, रेडियो (वाद्य यंत्र) लेकर जाएंगे। ऐसा करने से हिंसक वन्य प्राणी आवाज सुनकर भाग जाएगा और वन्य प्राणी-मानव द्वंद्व होने से रूकेगा। वन विभाग की इस पहल से बड़ी घटना होने भी टल जाएगी। इसके साथ ही लोग तेंदूपत्ता की तुड़ाई आसानी से कर सकेंगे।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की सीमा से वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी सामान्य के तहत आने वाले गांवों के जंगल लगे हैं। इन जंगलों में तेंदूपत्ता बड़ी मात्रा में पाया जाता हैं। हर वर्ष जंगल के अंदर बसे गांव के लोग मई माह के प्रथम सप्ताह से तेंदूपत्ता तुड़ाई करने के लिए जंगल में जाते है, लेकिन कई बार हिंसक वन्य प्राणी से तेंदूपत्ता तोड़ने वाले का आमना-सामना हो जाने की वजह से वन्य प्राणी हमला कर देते है और तेंदूपत्ता तोड़ने वाले व्यक्ति को घायल होने तक की नौबत आती है। इसको रोकने इस बार वन विभाग ने एक नई पहल शुरू करने जा रहा है कि तेंदूपत्ता तोड़ने वाले लोग अपने साथ में वाद्य यंत्र के रूप में मोबाइल, रेडियो लेकर जाए, उन्हें बजाते हुए तेंदूपत्ता तोड़ते रहे। ऐसे में यदि वन्य प्राणी आसपास रहता है तो वह आवाज सुनकर आगे निकल जाएगा। इस परिक्षेत्र में इस बार तीन तेंदूपत्ता समितियां 30 फड की देखरेख करेंगी।

यह हैं सख्त निर्देश

तेंदूपत्ता तोड़ने वालों को जंगल में समूह बनाकर है जाने के निर्देश। सूर्योदय होने पर ही तेंदूपत्ता तोड़ने घर से जंगल में जाए। जंगल में वाद्य यंत्र के तौर पर मोबाइल, रेडियो को हमेशा बजाते रहे, ताकि कोई वन्य प्राणी सामने न आए। वन विभाग की टीम चौपाल लेकर गांवों में लोगों को कर रही जागरूक। जंगल में कही पर भी आग न लगाए, आग वनों व वन्य प्राणी दोनों के लिए नुकसानदायक होती है।

इनका कहना है

तेंदूपत्ता तुड़ाई का कार्य आगामी मई माह के प्रथम सप्ताह में प्रारंभ होगा। हमारे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार तेंदूपत्ता तोड़ने जाने वाले लोगों को गांव-गांव में चौपाल के माध्यम से सख्त निर्देश दिए जा रहे है कि जंगल में समूह बनाकर जाए। वे अपने साथ में वाद्य यंत्र के रूप में मोबाइल, रेडियो लेकर जाए, ताकि वन्य प्राणी आवाज सुनकर भाग जाए। ऐसा करने से वन्य प्राणी-मानव द्वंद्व रूकेगा। इसके साथ ही लोगों को वनों में आग नहीं लगाने की सलाह है।

सपन ताम्रकार, वन परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम लांजी

एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर बंद, अंधेरे में जी रहे बिजाटोला के ग्रामीण, सड़क जाम कर किया उग्र प्रदर्शन

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

बालाघाट तहसील अंतर्गत जरेरा पंचायत के ग्राम बिजाटोला (अगरवाड़ा) में पिछले एक सप्ताह से विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण ग्रामीण अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं। लगातार शिकायतों के बावजूद जब समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार 24 अप्रैल को दोपहर 3 बजे सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

जानकारी अनुसार, अगरवाड़ा से बिजाटोला के बीच स्थित खराब ट्रांसफार्मर के सामने ग्रामीणों ने जमकर प्रदर्शन किया और मार्ग को जाम कर दिया। इस दौरान प्रशासन और विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। प्रदर्शन में शामिल रामप्रसाद उईके, ओमकार माड़वी, छगनलाल ठाकरे, शिवलाल उईके सहित दर्जनों ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि जब तक नया ट्रांसफार्मर नहीं लगाया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

ग्रामीणों का कहना है कि भीषण गर्मी में बिजली न होने से दैनिक जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। पीने के पानी से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक हर काम ठप पड़ा है। ग्रामीणों की मांग है कि खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि उन्हें इस परेशानी से राहत मिल सके।

हर घर जल से बदली तस्वीर, मझगांव में नल जल योजना बनी खुशहाली की नई पहचान

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जिले के विकासखंड बिरसा अंतर्गत ग्राम मझगांव में जल जीवन मिशन के तहत लागू नल-जल योजना ने ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई इबारत लिख दी है। जिला मुख्यालय से लगभग 105 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में कभी स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती थी। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को रोजाना पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे समय और श्रम दोनों की भारी बर्बादी होती थी। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। नल-जल योजना के सफल क्रियान्वयन से गांव के प्रत्येक घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। हर घर जल का सपना यहां साकार हो गया है। इस बदलाव का सबसे अधिक लाभ महिलाओं और बच्चों को मिला है। महिलाओं को अब पानी भरने की कठिन दिनचर्या से मुक्ति मिल गई है, वहीं बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य और पढ़ाई के लिए अधिक समय मिल रहा है। स्वच्छ जल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों में कमी आई है और गांव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

ग्रामवासियों का कहना है कि पहले पानी के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, जिससे दिन का बड़ा हिस्सा इसी काम में निकल जाता था। अब घर पर ही नल से पानी मिलने से दैनिक जीवन आसान हो गया है और लोगों के जीवन में सुख-शांति आई है। हर घर जल के संकल्प को साकार करते हुए यह योजना न केवल एक बुनियादी सुविधा प्रदान कर रही है, बल्कि ग्रामीण विकास की मजबूत नींव भी रख रही है। मझगांव आज इस बात का उदाहरण बन गया है कि सही योजना और प्रभावी क्रियान्वयन से गांवों की तस्वीर बदली जा सकती है।

बिना अनुमति बोरिंग कराने पर कार्रवाई मशीन जब्त

बालाघाट। जिले में भू-जल स्तर को सुरक्षित रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की गई है। बालाघाट एसडीएम श्री गोपाल सोनी के निर्देशन में तहसील क्षेत्र के ग्राम तिलपेवाड़ा में बिना अनुमति बोरिंग कराए जाने पर संबंधित बोरिंग मशीन को जब्त कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तिलपेवाड़ा निवासी वल्लभ पिता नारुलाल दमाहे द्वारा बिना प्रशासनिक अनुमति के बोरिंग कराई जा रही थी। सूचना मिलने पर राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए बोरिंग मशीन को जब्त किया और उसे हट्टा थाने में खड़ा कराया गया है। उल्लेखनीय है कि ग्रीष्मकाल में भू-जल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बिना अनुमति ट्यूबवेल एवं बोर खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, 900 जनजातीय घरों में पहुंची बिजली, जीवन में आया उजाला

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय क्षेत्रों के विकास की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी अभियान का शुभारंभ 2 अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य जनजातीय बहुल गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है।

इसी कड़ी में जिले में कुल 1022 जनजातीय परिवारों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रशासन द्वारा अब तक 900 घरों में सफलतापूर्वक बिजली कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं, जिससे सैकड़ों परिवारों के घर रोशनी से जगमगा उठे हैं।

बिजली पहुंचने से जनजातीय परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बच्चों की पढ़ाई अब बेहतर तरीके से हो पा रही है, घरेलू कार्यों में सुविधा बढ़ी है और सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ हुई है।

प्रशासन का कहना है कि शेष बचे घरों को भी जल्द ही योजना का लाभ पहुंचाकर 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाएगा। यह पहल न केवल जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई किरण लेकर आई है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

निर्धारित मापदंड से नहीं कराया जा रहा सड़क का निर्माण कार्य

उमरिया। करकेली विकासखंड के ग्राम भरौला निवासी अमृतलाल यादव, आशीश यादव, देवेंद्र प्रजापति, समय लाल यादव सहित अन्य जनों ने कलेक्टर उमरिया से मुलाकात करते हुए ग्राम भरौला में ग्राम पंचायत व्दारा बनाई जा रही गुणवत्ताविहीन सडक के संबधं में शिकायत दर्ज कराई । उन्होने बताया कि वर्तमान में सडक निर्माण कराया जा रहा है, जो उचित मापदंड के अनुरूप है। सडक की मोटाई कुल 2 से 3 इंच बनाई जा रही है जो अधिक समय तक नही चल पाएगी। उन्होने कहा है कि उक्त सडक का अवलोकन करते हुए निर्धारित मापदंड मे सडक निर्माण कराए जाने की मांग की है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर कलेक्टर सभागार में कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

पंचायती राज व्यवस्था देश के लोकतंत्र की मजबूत नींव है, जो ग्रामीण स्तर पर विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाकर ही आत्मनिर्भर और विकसित गांवों का निर्माण संभव है। इसके लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उक्त आशय के विचार शुक्रवार 24 अप्रैल को कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कलेक्टर सभागार में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर कलेक्टर सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि महिलाएं समूह से जुड़कर समाज मे बेहतर काम कर रही है तथा स्वयं कार्य करते हुए दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करा रही है, जिससे महिलाओं के जीवन में स्वमेव ही बदलाव देखा जा सकता है। उन्होंने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आप सभी इसी तरह मेहनत करते हुए अपने अपने कार्य को अंजाम दें और बेहतर ढंग से अपने परिवार का संचालन करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंच रहा है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायत एवं विभिन्न विभाग के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। पीएआई 2.0 डाटा प्रविष्टि पर उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ग्राम पंचायत पठारी, ग्राम पंचायत दुब्बार, ग्राम पंचायत लोढ़ा,ग्राम पंचायत अमरपुर, ग्राम पंचायत खालौंधा,ग्राम पंचायत बड़खेरा, ग्राम पंचायत कोहका, ग्राम पंचायत रकसा, ग्राम पंचायत छापरौड़, महिला एवं बाल विकास उत्कृष्ट कार्यकर्ता सुनीता महतो, राधा तिवारी, सीमा गुप्ता, कांता बर्मन, प्रेमलता श्रीवास्तव, स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में प्रेम शुक्ला, गोविन्द गौतम, गेंदा बाई, मनोहर सिंह, सुमित्रा चम्मू कोल तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला सशक्तिकरण व स्वरोजगार के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली लखपति दीदी को प्रमाण देकर सम्मानित किया गया।

विश्व मलेरिया दिवस की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। वर्ष 2026 में विश्व मलेरिया दिवस की थीम मलेरिया समाप्ति के लिए संकल्पित: अब हम कर सकते है, अब हमें करना ही होगा। जनसमुदाय को मलेरिया रोग की रोकथाम के प्रति जागरूक करने हेतु जिला स्तर/विकासखण्ड स्तरीय/ग्राम स्तरी बैठक/प्रशिक्षण/रैली, नारे लेखन, इत्यादि के माध्यम से प्रचार-प्रसार की व्यापक गतिविधियां किया जा रहा है। शुक्रवार 24 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यशाला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विश्व मंगल सिंह चंदेल की अध्यक्षता में समस्त एम.पी.एस./एल.एच.व्ही., एम.टी.एस., एम.आई. एवं समस्त लैब टेक्नीशियन का प्रशिक्षण एवं सपथ ग्रहण जिला चिकित्सालय सभागार कक्ष में किया गया है एवं ब्लाक स्तर पर बैठक एवं रैली का आयोजन किया।

प्रदेश के बाद देश में भी उमरिया के ऋषि केवट का बजा डंका

उमरिया (स्वतंत्रमत)

यह उमरिया और पूरे मध्य प्रदेश के लिए बहुत ही गर्व की बात है! तीसरी कक्षा के नन्हे ऋषि साहू ने मुंबई में आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अंग्रेजी ओलम्पियाड में देश भर में 5वां स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी उपलब्धि हासिल करना उनकी कड़ी मेहनत और उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

अभी हाल ही में ग्वालियर में आयोजित अंग्रेजी ओलम्पियाड प्रतियोगिता में शासकीय प्राथमिक शाला खैरभार टोला जिला उमरिया में तीसरी का नन्हा विद्यार्थी ऋषि केवल ने पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर उमरिया जिले को गौरवान्वित किया था और फिर से मुंबई में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरे देश मे पांचवा स्थान प्राप्त कर उमरिया की पहचान पूरे देश मे किया। शिक्षक विमलेश सोनी और अपनी माता के साथ मुंबई पहुंचे ऋषि केवट मध्यप्रदेश से कक्षा 2,,4 और 5 के विद्यार्थियों को पीछे छोड़ टॉप कर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। कक्षा 3 का विद्यार्थी ऋषि केवल की उम्र भले ही अभी 8 साल हैं लेकिन उसका आत्मविश्वास बड़ो बड़ो पर भारी पड़ रहा है।एक गांव का छोटा सा बालक मुंबई जैसे चकाचौंध की दुनिया मे न केवल पूरे देश मे पांचवा स्थान प्राप्त किया बल्कि इस उपलब्धि के कई मायने भी है जिसमे अब एक गांव जा विद्यार्थी अपनी हुनर से कई छात्रों का रोलमॉडल भी बन गया है।इस उपलब्धि पर जिले की कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, जिला पंचायत सीईओ,डीपीसी केके डहेरिया, जिला शिक्षा अधिकारी सहित अनेक लोगों ने ऋषि केवट को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है और उमरिया आने पर सम्मानित भी किया जायेगा। ऋषि की इस सफलता पर उनके परिवार और स्कूल को ढेर सारी बधाई ऋषी के इस अपार उपलब्धि मे जिला शिक्षा केंद्र उमरिया के एपीसी अकादमिक के. जी .भट्ट की भूमिका भी सराहनी रही है जिनके कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन ने ऋषि को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया।

कांग्रेस गठबंधन ने करोड़ों महिलाओं के अधिकारों और भविष्य के साथ किया खिलवाड़ : डॉ वाणी अहलुवालिया

उमरिया (स्वतंत्रमत)

नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संशोधन प्रस्ताव के संसद में पारित नहीं होने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी उमरिया द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में शुक्रवार 24 अप्रैल को प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को मध्यप्रदेश कि भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलूवालिया ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल एसटी मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सुश्री ज्ञानवती सिंह. उपाध्यक्ष सुमित गौतम और महिला मोर्चा की जिला महामंत्री नम्रता यादव उपस्थित रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर वाणी अहलूवालिया ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की आधी आबादी के सम्मान,अधिकार और राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के द्वारा संसद में इस बिल को लेकर जो विरोध किया गया वह सिर्फ विरोध ही नहीं बल्कि देशभर की महिलाओं की आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है। महिला विरोधी विपक्षी गठबंधन ने इस ऐतिहासिक अवसर को बाधित कर अपनी वास्तविक मानसिकता उजागर कर दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देने का जो संकल्प लिया है वह किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में उज्ज्वला योजना, जन-धन खाते, मातृत्व सुरक्षा योजनाएं और तीन तलाक जैसे फैसलों ने महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया है, जबकि विपक्ष केवल बयानबाजी तक सीमित रहा है। आज की नारी केवल मतदाता नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बन चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश और देश में महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में जो कार्य हुए हैं, वे भाजपा की नीतियों का परिणाम हैं। डॉ वाणी ने कहा कि 2001 की जनगणना के बाद श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में यह निर्णय लिया गया कि 2026 के बाद पहली जनगणना तक परिसीमन स्थगित रहेगा, ताकि दक्षिणी राज्यों को संभावित नुकसान से बचाया जा सके। इसके बावजूद विपक्ष भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। कांग्रेस, डीएमके और उनके सहयोगियों के इस महिला-विरोधी गठबंधन ने न केवल एक विधेयक को रोका, बल्कि करोड़ों महिलाओं के अधिकारों और भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। और विडंबना देखिए-इस पर विपक्ष जश्न मनाता रहा। विपक्ष का जश्न, हर महिला का अपमान है।उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में यह मुद्दा जन-जन तक जाएगा और महिलाएं स्वयं तय करेंगी कि उनके सशक्तिकरण के साथ कौन खड़ा है।उन्होंने ने स्पष्ट किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का मुद्दा अब जन-आंदोलन का रूप लेगा। देश की महिलाएं इस घटनाक्रम को समझ रही हैं और भविष्य में इसका असर चुनावों में भी दिखाई देगा।

महिलाओं ने निकाली महिला जन आक्रोश यात्रा- प्रेस वार्ता के बाद जिला मुख्यालय के रानी दुर्गावती भवन में नारी शक्ति बंदन अधिनियम को लेकर महिला जन आक्रोश का कार्यक्रम रखा गया था जहां प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर वाणी अहलूवालिया और अन्य महिला नेत्रियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके पश्चात महिलाओं ने रानी दुर्गावती भवन से मुख्य मार्ग होते हुए स्थानीय गांधी चौक तक महिला जन आक्रोश यात्रा निकाल कर विपक्षी दलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

मंडला में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मंत्री सम्पतिया उइके बोलीं- संघर्ष से ही मिलता है शिखर

जिले के विद्यार्थियों ने बनाई प्रदेश में पहचान

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिला योजना भवन में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में सम्पतिया उइके ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की प्रदेश प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प से ही जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है मंत्री उइके ने कहा कि एक समय जिला शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा माना जाता था, लेकिन आज यहां के विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग से प्रदेश स्तर पर पहचान बनाई है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई शिक्षा नीति और मोहन यादव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों का उल्लेख किया समारोह में मंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश मेरिट सूची में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को 11-11 हजार रुपये तथा जिला मेरिट सूची के विद्यार्थियों को 7-7 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी अपने छात्र जीवन के संघर्ष साझा करते हुए मंत्री उइके ने बताया कि उन्हें रोज़ाना लगभग 8 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था।

संसाधनों की कमी के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और आगे चलकर राजनीति में कदम रखा सरपंच से लेकर मंत्री पद तक का उनका सफर विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया गया कार्यक्रम में दिव्यांग छात्रा द्रौपदी धुर्वे जिन्होंने पैरों से लिखकर परीक्षा उत्तीर्ण की विशेष सराहना की गई इस मौके पर कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने समारोह में अपने विद्यार्थी जीवन से लेकर प्रशासनिक सेवा तक की यात्रा साझा करते हुए विद्यार्थियों को संघर्ष, धैर्य और संकल्प का महत्व समझाया उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं में उन्होंने जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया था उस समय तत्कालीन कलेक्टर मलय श्रीवास्तव द्वारा स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया था लेकिन किसी कारणवश वे स्वयं उपस्थित नहीं हो सके और उन्होंने सहायक कलेक्टर आईएएस पी. नरहरि को भेजा उसी कार्यक्रम में पहली बार उनकी मुलाकात हुई। उन्होंने मुझसे पूछा क्या बनना है ? मैंने बिना झिझक कहा कलेक्टर उन्होंने पीठ थपथपाते हुए कहा बन जाओगे कलेक्टर श्री धोटे ने बताया कि उनकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति सामान्य थी, लेकिन माता-पिता ने कभी पढ़ाई में बाधा नहीं बनने दी उनकी माता ने टिफिन सेंटर और सिलाई सेंटर चलाकर परिवार को सहारा दिया माता-पिता ने उन्हें एक बात सिखाई संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता जिसे उन्होंने जीवन का मंत्र बना लिया लेकिन अंतिम सूची में नाम नहीं आया चौथे प्रयास में फिर प्री परीक्षा में असफलता मिली उन्होंने स्वीकार किया कि उस समय मन में कई बार हार मानने का विचार आया लगा कि अब वापस लौट जाना चाहिए लेकिन माता-पिता के विश्वास और प्रोत्साहन ने उन्हें टूटने नहीं दिया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, सचिन शर्मा, रानू राजपूत, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, सहायक संचालक सैयाम सहित शिक्षा विभाग का अमला अभिभावक और विद्यार्थी मौजूद थे विद्यार्थियों का स्वागत रेड कारपेट बिछाकर किया गया हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेश स्तरीय प्रावीण्य सूची में कु. याग्या उमरे, उमेश पड़वार, कु. अदिति विभा उसराठे, कु. कृतिका तिवारी, कु. पूजा धुर्वे, नमन जंघेला, संभव जैन तथा हायर सेकेंडरी की कु. कृति साहू को सम्मानित किया गया इसी प्रकार हाईस्कूल के जिला स्तरीय प्रावीण्य सूची की कु. अनन्या पटेल, साहिल बघेल, कु. राहिन खान, कु. आदया अग्रवाल, कु. एलिजा खान, कु. अनामिका झारिया, कु. याग्ना अहिरवार, कु. रिचा पटेल तथा हायरसेकेंडरी की कु. स्वाती श्रीवास, कु. मीना तिलगाम, कु. भूमिका मरकाम, कु. अनुष्का अग्रवाल, कु. शगुन पटेल, गौरव प्रसाद पटेल, कु. रिचा पटेल, हर्ष बन्देवार, कु. साक्षी साहू, कु. श्वेता केवट, कु. आस्था अग्रवाल, माखन भांवरे एवं कु. कीर्ति साहू को प्रशस्ति पत्र और पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया।

मोंटफोर्ट में मनाया अलंकरण समारोह

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मोंटफोर्ट विद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नवनियुक्त छात्र-नेताओं का अलंकरण समारोह बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त श्रीमती वंदना गुप्ता एवं खंड शिक्षा अधिकारी रंजीत गुप्ता रहे कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् से हुई इसके पश्चात मुख्य अतिथि संस्था प्राचार्य एवं समन्वयकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन ने मुख्य अतिथि का मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया वहीं कॉर्डिनेटर जिलीन कुशराम एवं मीना ज्योतिषी ने शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। प्रार्थना गीत के बाद मुख्य अतिथि द्वारा चयनित छात्र-प्रतिनिधियों को बैज पहनाए गए तथा उन्हें उनके हाउस के अनुसार ध्वज प्रदान किए गए इस वर्ष के छात्र प्रतिनिधि मंडल में सीनियर सेक्शन से शाला नायक अथर्व सोनी, शाला नायिका दिशा तलरेजा, उप शाला नायक विराट अग्रवाल एवं उप शाला नायिका पूर्वी जसवानी चुने गए। मिडिल सेक्शन से शाला नायक अनम्य गुप्ता एवं शाला नायिका शिक्षा मरकाम तथा प्राइमरी विंग से शाला नायक अर्थम कच्छवाहा एवं शाला नायिका चेष्ठा वैरागी चयनित हुए इसके अतिरिक्त अन्य प्रतिनिधि एवं हाउस लीडर्स भी नियुक्त किए गए इसके बाद मुख्य अतिथि ने सभी प्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई अपने संबोधन में उन्होंने सभी नव-निर्वाचित लीडर्स को बधाई देते हुए अनुशासन, सत्यनिष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा दी खंड शिक्षा अधिकारी रंजीत गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए लक्ष्य निर्धारित कर अध्ययन करने तथा मोबाइल और फास्ट फूड से दूरी बनाए रखने की सलाह दी कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रेरणादायक नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ इस सफल आयोजन में संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन, उप प्राचार्य ब्रदर मैथ्यूज, समन्वयक, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यालय प्रबंधन का सराहनीय योगदान रहा।

आंगनबाड़ी में लगे सकोरे

मण्डला(स्वतंत्रमत)। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्र मानिकसरा द्वारा सामाजिक सरोकार और जीव दया की दिशा में एक अनुकरणीय पहल की गई है। बढ़ते तापमान और ग्रीष्म ॠतु की तपिश को देखते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा परिसर में मूक पक्षियों के लिए दाना.पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सकोरे लगाए गए हैं।

आप का गांव अभियान प्रारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आम आदमी पार्टी ने आपके गांव अभियान शुरू किया गया है टीम गांव की समस्याओं को लेकर उस गांव का भ्रमण करती है। इसी क्रम में ब्लॉक मोहगांव के ग्राम सुडगांव भ्रमण किया गया जहां गांव की मुख्य समस्या अधूरी नहर होने के कारण बारिश में पानी का बहाव खेतों की मेढ़ को तोड़कर खेतों में लगी फसल को नुकसान पहुंचा देता था। इस समस्या को लेकर सिंचाई विभाग पहुंचे। जहां अधिकारियों द्वारा नहर की खुदाई कर उसे आगे नाले से जोड़ने का आश्वासन दिया गया। मांग है कि यह कार्य बरसात के पहले कर लिया जाए। ताकि आगामी समय में किसानों को नुकसान न हो। इस दौरान जिला अध्यक्ष पंकज सोनी, जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी, जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी मौजूद रहे।

कुलदीप को मिली शानदार सफलता

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

ग्राम पंचायत खटोला के होनहार छात्र कुलदीप सिंह यादव ने कक्षा दसवीं की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। कुलदीप सिंह यादव जो कि गणेश प्रसाद यादव के पुत्र एवं लालाराम यादव के नाती हैं ने 500 में से 468 अंक प्राप्त कर 93.6 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे गांव का नाम रोशन कर दिया है कुलदीप की इस सफलता से ग्राम पंचायत खटोला में खुशी का माहौल है ग्रामीणों ने इसे पूरे गांव के लिए गौरव का विषय बताया है। उनकी मेहनत लगन और अनुशासन का यह परिणाम अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

दुष्कर्म और अत्याचार की घटनाओं पर सरकार को घेरा

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

आदिवासी कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रा सरवटे के मंडला दौरे ने प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर आदिवासी मुद्दों और महिलाओं की सुरक्षा को केंद्र में ला दिया है। अपने दौरे के दौरान उन्होंने राज्य में महिलाओं और बच्चियों के साथ बढ़ते दुष्कर्म और अत्याचार की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की और सरकार पर तीखा हमला बोला। श्रीमति सरवटे ने कहा कि मध्यप्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि प्रदेश देश में महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन घटनाओं को रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है और केवल आंकड़ों की बाजीगरी कर वास्तविकता छिपाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब तक कानून व्यवस्था मजबूत नहीं होगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी तब तक महिलाओं में सुरक्षा की भावना नहीं आ सकती। अपने संबोधन में उन्होंने छतरपुर जिले के केन क्षेत्र का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वहां आदिवासी महिलाएं अपनी जमीन और जंगल बचाने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं लेकिन उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास परियोजनाओं के नाम पर आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है और उन्हें उचित मुआवजा तक नहीं दिया जा रहा है। यह न केवल अन्याय है बल्कि आदिवासी समुदाय के अस्तित्व पर भी खतरा है। केन-बेतवा परियोजना को लेकर भी उन्होंने सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के कारण हजारों आदिवासी परिवारों के विस्थापन का खतरा मंडरा रहा है लेकिन सरकार ने अब तक स्पष्ट नीति या पुनर्वास योजना सामने नहीं रखी है। सरवटे ने मांग की कि प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा पुनर्वास और रोजगार की गारंटी दी जाए अन्यथा आदिवासी कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर व्यापक आंदोलन करेगी।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरा उन्होंने कहा कि नारी वंदन जैसे अभियानों के नाम पर सरकार केवल दिखावा कर रही है जबकि जमीनी स्तर पर महिलाओं को न तो सुरक्षा मिल रही है और न ही समान अधिकार। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों और योजनाओं तक सीमित है वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। श्रीमति सरवटे ने यह भी कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने आदिवासियों की जमीन, जंगल और अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए तो आदिवासी कांग्रेस प्रदेशभर में आंदोलन को तेज करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करें और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करें। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ अशोक मर्सकोले सहित आदिवासी महिला मोर्चा की पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रही।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग पुनर्वास द्वारा शिविर का आयोजन

नैनपुर(स्वतंत्र मत)।

भारत सरकार की एडिप एवं वयोश्री योजना के अन्तरगत दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग परीक्षण शिविर का आयोजन 24 अप्रेल को जनपद पंचायत नैनपुर में किया गया। शिविर में जबलपुर एलीम्को टीम द्वारा सहायक उपकरण चिन्हांकन तथा मेडिकल बोर्ड द्वारा दिव्यांगता प्रमाण पत्र दिये गये। शिविर में कुल पंजीयन 52 हुए। दिव्यांगता प्रमाण पत्र 25, उपकरण के लिये चिन्हित 15, 8 दिव्यांगो को रेफर किया गया।

ग्राम जेवनारा में शराबियों का आतंक

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। इन दिनों विकास खंड नैनपुर के प्रत्येक ग्राम क्षेत्र में शराब की अनगिनत दुकानें संचालित हो रही है। जिससे नवयुवक शराब की लत में आ रहे है। आबकारी अधिकारी व क्षेत्र निरीक्षक मंडला में बैठे शराब बेचने बालों को सहयोग करते आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पंचायत जेवनारा में गत दिनों शराब बेचने पर रोक लगाने प्रस्ताव लिया गया था। कुछ दिनों तक शराब का विक्रय बन्द रहा परंतु अब जगह जगह शराब की दुकानें खुल गई है जिससे दिन-रात सड़कों पर शरावी नजर आ रहे हैं। राह चलते गाली-गलौज करने से ग्राम वासी महिलाएं बच्चे परेशान हैं।

परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस जिलाध्यक्ष राधेलाल नरेटी ने बताया कि जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अधिकारी शालिनी तिवारी एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी रोहित बड़कुल में विभागीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक में एजेंडावार चर्चा करते हुए कार्यपालन यंत्री मनोज भास्कर की अध्यक्षता में विभागीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि सभी अपने अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों के विभिन्न लंबित प्रकरणों के संबंध में निराकरण की जा चुकी है बैठक में कर्मचारियों के सातवें वेतनमान, के निर्धारण, समयमान वेतनमान, कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका एवं सेवा सत्यापन, कर्मचारियों के स्वत्त्व भुगतान,वरिष्ठता सूची, विभागीय भविष्य निधि पर्ची, पेंशन प्रकरण, अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण सहित अन्य विषयों पर कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ विमर्श किया गया।

इस अवसर पर गजराज मरावीं,सतीश चन्द्रौल, मिश्रीलाल यादव ,एन के शुक्ला,सतीश मिश्रा, राधेलाल नरेटी सहित संबंधित अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

वित्तीय प्रगति पर बनी कार्ययोजना

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत निवास में बैंकर्स की जिला स्तरीय समन्वय समिति (बीएलबीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार ने की। बैठक में जनपद क्षेत्र के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों एवं विभिन्न ऋण योजनाओं से जुड़े विभागों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई जिसमें जमा वृद्धि, ऋण वितरण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। सभी बैंकों एवं संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए समन्वित प्रयास करने, पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा वित्तीय समावेशन को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए। अध्यक्ष सुजय कुमार ने सभी सहभागी संस्थाओं से अपेक्षा की कि वे आपसी समन्वय और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से जिले के समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करें।

नैनपुर में ट्रक यूनियन की 3 दिवसीय हड़ताल शुरू

अवैध खनिज परिवहन के विरोध में ट्रक यूनियन का चक्काजाम

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर में ट्रक यूनियन ने खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूनियन द्वारा तीन दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी गई है। जिससे परिवहन व्यवस्था पर भी असर देखने को मिल रहा है।

ट्रक यूनियन का कहना है कि क्षेत्र में रेत, मुरम, गिट्टी और ईंट जैसे भवन निर्माण सामग्री का बड़े पैमाने पर बिना रॉयल्टी के अवैध परिवहन किया जा रहा है। यह काम छोटे वाहनों के जरिए खुलेआम हो रहा है, जिससे शासन को लाखों-करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

यूनियन पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि नियमों का पालन करने वाले ट्रक संचालकों को नुकसान हो रहा है, जबकि अवैध परिवहन करने वालों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से अवैध परिवहन पर रोक लगाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

हड़ताल के चलते कई स्थानों पर ट्रकों के पहिए थम गए हैं, जिससे खनिज परिवहन और निर्माण कार्य भी प्रभावित होने लगे हैं। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

संपादकीय

लुढ़कती अर्थव्यवस्था

भारत के लिए यह दुखद और बहुत बड़ी खबर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की अप्रैल 2026 की रपट के मुताबिक, अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि वह लुढ़क कर छठे स्थान पर आ गई है। जापान 4.38 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथी और ब्रिटेन 4.26 ट्रिलियन डॉलर के साथ 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हो गई हैं। भारत की जीडीपी 4.15–4.17 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। यह गिरावट डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 'रुपए' के अवमूल्यन के कारण है। करीब 95 रुपए की कीमत एक डॉलर के बराबर तक पहुंच गई है। अलबत्ता हमारी अर्थव्यवस्था आज भी विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है और जीडीपी की विकास–दर भी 6.5–7 फीसदी के बीच है। विकास–दर विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। ईरान युद्ध और उसके बाद तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास–दर बरकरार रही है। यदि 'रुपए' की स्थिति में सुधार होता है, तो हम 2027 में 5वें स्थान पर लौट सकते हैं, लेकिन 2030 से पहले हम चौथा स्थान दोबारा हासिल नहीं कर सकेंगे। हालांकि कुछ वैश्विक रेटिंग एजेंसियों और विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि डॉलर के मुकाबले 'रुपए' की कीमत मजबूत होती है, तो भारत 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। यही प्रधानमंत्री मोदी का 'स्वप्निल दावा' रहा है कि भारत बहुत जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है, लेकिन भारत आज भी दो स्तरों पर पिछड़ा हुआ है। एक, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में अब भी काफी पीछे है, लेकिन दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में शेष 1 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी बढ़ाना कोई 'टेढ़ी खीर' नहीं है। दूसरे, भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बजाय छठे स्थान तक खिसक गया है। हमारे पीछे फ्रांस भी चुनौती पेश कर रहा है। बहरहाल भारतीय रिजर्व बैंक का भी मानना है चूंकि अब आयातित वस्तुएं–कच्चा तेल, गैस, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रो केमिकल उत्पाद आदि–महंगी पड़ेंगी, नतीजतन देश में महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि मुद्रास्फीति 4.6 फीसदी, राजकोषीय घाटा 4–5 फीसदी का अनुमान लगाया जा रहा है। भारत पर कर्ज जीडीपी का करीब 55.6 फीसदी है। बहरहाल अर्थव्यवस्था में गिरावट के प्रभाव कई किस्म के होंगे। विदेशी और बड़े निवेशकों की धारणा पर अल्पकालिक असर जरूर होगा, लिहाजा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में अस्थिरता आ सकती है। अर्थव्यवस्था के 5 ट्रिलियन डॉलर के दावों पर सवाल उठ सकते हैं और घरेलू स्तर पर धारणा में नकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। भारत ईरान के होर्मुज के रास्ते करीब 90 फीसदी एलपीजी, 40 फीसदी कच्चा तेल और 50 फीसदी एलएनजी आयात करता है। इनके दाम पहले ही बढ़े हुए हैं, लेकिन अब हमारी अर्थव्यवस्था में गिरावट से भारत का आयात बिल काफी बढ़ जाएगा। उसका देश पर असर स्पष्ट दिखाई देगा। भारतीय मुद्रा 'रुपया' ही कई देशों में स्वीकार्य है और भारत उनसे 'रुपए' में ही कारोबार करता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की 2025 की रपट, जो 2026 में भी चर्चा में रही है, के मुताबिक भारत 193 देशों में 130वें स्थान पर है। हम 'मध्यम मानव विकास' श्रेणी में हैं। भारत का मानव विकास सूचकांक जो भी है, उससे साफ है कि 1990 के बाद स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रति व्यक्ति आय में सुधार आया है। साफ है कि भारत की मुद्रा और नीतियां कारगर भी हैं। भारत जापान, ब्रिटेन को पछाड़ कर चौथे स्थान पर पहुंचा था।

भारत नरक नहीं, स्वर्ग का अहसास है, मानवता का वैभव, सभ्यता का प्रकाश है!

कमलेश पांडे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए अब तक कई बार ऐसे तीखे या अपमानजनक बयान दिए हैं जिनके पश्चात उन्होंने या तो रुख बदल दिया या सॉफ्ट स्टेटमेंट जारी करके अपनी बात पर यू टर्न लेकर साफ साफ मुकर जैसा अंदाज दिखाया है। हाल ही में फिर उन्होंने नरक जैसा देश वाला बयान दिया और फिर यू टर्न ले लिया। उनका रवैया दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले सर्वाधिक विकसित और धनी देश अमेरिका के शालीन, सभ्य और सुसंस्कृत होने पर सवालिया निशान लगाने को काफी है। खासकर भारत के खिलाफ जिसका अंतर्राष्ट्रीय आचरण सदैव मर्यादित रहता आया है। भारत पैसे वालों की कद्र नहीं करता, क्योंकि यह तो देशी-विदेशी अपराधियों और वेश्याओं के पास भी खूब होता है, लेकिन सामाजिक प्रतिष्ठा बिल्कुल नहीं होती। ट्रंफ के नेतृत्व में अमेरिका इसी फूहड़ता से ग्रसित है, अभिशप्त है और अंतर्राष्ट्रीय गुंडई में इतना आगे निकल चुका है कि जिस सच्चे मित्र देश भी उसके साथ खड़े होने में परहेज कर रहे हैं और उसे यूज एंड थ्रो कर रहे हैं। ईरान-अमेरिका युद्ध ने अमेरिका की पूरी मिट्टी पलीद कर दी है और उसके डीप स्टेट की जो भद्द पिटी है, वैसा कोई उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। शायद इसी खीझ का नाता ट्रंफ के नारकीय विवाद से है।

आइए, जानते हैं कि सबसे हाल का विवाद 24 घंटे में ही कैसे दोनों ध्रुवों पर घूम गया, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट का हिस्सा शेयर किया, जिसमें भारत और चीन जैसे देशों को नरक जैसी जगह बताया गया। इस पोस्ट में भारतीयों के बारे में नस्लवादी टिप्पणी भी थी कि भारत-चीन जैसे देशों से लोग अमेरिका आते हैं बस यहाँ बच्चे पैदा करने के लिए ताकि उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिकता मिल जाए, जो भारतीय डिप्लोमैसी और जनता के लिए बेहद अपमानजनक माना गया।

फिर अगले ही नए बयान में ट्रंप ने रुख पूरा तरह बदल दिया, क्योंकि समझ में आ गया कि ये मोदी का भारत है, चुपचाप उल्टा लटका देगा। कोई काम नहीं आएगा, जब कूटनीतिक शतरंज की एक चाल चल देगा तो। लिहाजा, उन्होंने जनता के बीच और अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता के ज़रिए कहा कि भारत एक महान देश है, मजबूत और महान राष्ट्र है और भारत के शीर्ष नेता (प्रधानमंत्री मोदी) के साथ उनकी निजी दोस्ती है। काबिलेगौर है कि इस तरह 24 घंटे के अंदर वही शख्स जो भारत को hard to deal with या नरक जैसी जगह कह चुके थे, उसी देश की तारीफ़ में बोलने लगे, जिसे राजनीतिक यू टर्न और दबाव में बदला गया माना जा रहा है।

अब इनकी टैरिफ और टैरिफ किंग वाली पुरानी टिप्पणी को स्मरण करा देते हैं। इसके अलावा ट्रंप ने व्यापार के मसले पर भी दोहरा अपना बयान दिया है। अपने कई इंटरव्यू और भाषणों में उन्होंने भारत को टैरिफ किंग कहा है, और यह कहा है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है, जिससे अमेरिकी उत्पादों को नुकसान होता है। इसी क्रम में उन्होंने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी, लेकिन एक ही हवन में ही यह भी कहा कि भारत के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, यानी एक ही बयान में औपचारिक तारीफ़ और व्यावहारिक धमकी दोनों। निष्कर्ष के तौर पर पैटर्न यह दिखता है कि ट्रंप ने भारत के लिए एक बार नफरत भरी, नस्लवादी, नरक जैसा देश वाली भाषा इस्तेमाल की, और फिर तुरंत मिटाने के लिए भारत को महान देश और प्रधानमंत्री मोदी को अपना दोस्त कहकर मुकर जैसा कर दिया।

वहीं, व्यापार के मोर्चे पर भारत को टैरिफ किंग और हानिकारक बताने के साथ साथ राजनयिक रूप से अच्छे रिश्ते बताकर दोहरा रुख अपनाया है। इसी प्रकार ट्रंप भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी भी करार दे चुके हैं टैरिफ वार की खींझ में। उनके इस रवैये से भारत का अविश्वास अमेरिका और उनके प्रति बढ़ा है।

स्पष्ट है कि अमेरिका के सफल बिजनेसमैन और शातिर राजनेता से राष्ट्रपति बने डॉनल्ड ट्रंफ अपने सिरफिरे विचारों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जब से वो डीप स्टेट के हाथों का खिलौना बने, अपना अनाप-शनाप और अदूरदर्शिता भरे फैसलों से अंतरराष्ट्रीय जगत में अमेरिका की थू-थू करवा रखी है। पहले ट्रेड वार और अब सैन्य वार के बाद उसकी जो अंतर्राष्ट्रीय फजीहत हुई है, उसके जैसे सो कॉल्ड देश ताकतवर की कलई खुल गई। यूक्रेन से शुरू हुई कूटनीतिक दोगलागिरी ईरान पहुंचते-पहुंचते न केवल चारो खाने चित्त हो गई, बल्कि आज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ की बयानबाजी अब समझदार लोगों के लिए कोई मायने नहीं रखते। कभी वह भारत को डेड इकोनॉमी बताते हैं, तो कभी नरक जैसा देश! शायद इसलिए कि भारतीय नेतृत्व उनके इशारों पर नहीं थिरक रहा है, जिससे रूस-चीन भी उसे भाव देना बंद कर चुके हैं।

दुनिया का थानेदार अमेरिका को बेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के बाद जब कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने यह समझ लिया कि रूस–चीन भी उससे डरे हुए हैं। इसी उत्साह में अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर धावा बोल दिया और महज दो माह के भीतर ही परेशान हो उठा। इससे ईरान–रूस–चीन की संयुक्त ताकत का उसको एहसास हुआ। वहीं इसी मुद्दे पर नाटो में फूट भी पड़ गई और यूरोप तटस्थ बन गया। इसी बौखलाहट में ट्रंफ भारत और चीन को नरक जैसा बताने लगे।

बताते चलें कि भारत और चीन जैसी प्राचीन सभ्यताओं को नरक बताने का संदर्भ हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने जन्मसिद्ध नागरिकता के मुद्दे पर भारत–चीन को hellhole कहा। यह बयान ट्रंप की इमीग्रेशन पॉलिसी से प्रेरित है, जहां वे आरोप लगाते हैं कि इन देशों से प्रवासी अमेरिका की सुविधाओं का दुरुपयोग करते हैं। जबकि ऐतिहासिक वास्तविकता कुछ और है, जो कई मायने में गौरवशाली भी है। वास्तव में, भारत और चीन दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं, जिन्होंने ज्ञान, संस्कृति और व्यापार में दुनिया को प्रभावित किया–चीन भारत को कभी स्वर्ग से बढ़कर मानता था। जबकि अमेरिका की कोई प्राचीन सभ्यता नहीं है; यहां माया–इंका जैसी मूल निवासी सभ्यताएं 3000 ईसा पूर्व की हैं, लेकिन आधुनिक अमेरिका 15वीं शताब्दी के बाद यूरोपीय उपनिवेशवाद से उभरा है। अब तो यूरोप भी उससे दूर होते जा रहा है।

स्वाभाविक सवाल है कि आधुनिक अमेरिका स्वर्ग क्यों? तो जवाब होगा कि ट्रंप जैसे अधकपाली नेता अमेरिका को स्वर्ग के रूप में पेश करते हैं क्योंकि यह उच्च जीवन स्तर, आर्थिक अवसरों और कानून के शासन के लिए जाना जाता है, लेकिन यह धारणा चुनिंदा है–अमेरिका में भी गरीबी, असमानता और अपराध मौजूद हैं। भारत–चीन की आबादी और विकास चुनौतियां उन्हें नजरअंदाज कर नरक कहना राजनीतिक प्रचार है, जबकि ये देश तेजी से उभर रही महाशक्तियां हैं। ट्रंफ को यह समझ लेना चाहिए कि भारत नरक नहीं दुनिया का स्वर्ग है, सत्योंमुख मानवता का वैभव है! अहिंसा का पुजारी है। यहां शाकाहारी मिलते हैं, लेकिन ईसाईयत और इस्लाम की गुलामी के पश्चात यहां मांसाहारी बढ़े और निरीह पशु–पक्षियों की शामत आ गई। पहले धर्म आधारित युद्ध होते थे, लेकिन षड्यंत्र उतना नहीं जितनी कि पिछले 1000–14000 वर्षों में दिखी। कड़वा सच है कि प्राचीन भारत और चीन दुनिया की सबसे समृद्ध सभ्यताओं में से थे, जिनकी समृद्धि व्यापार, संस्कृति, विज्ञान और वास्तुकला के प्रमाणों से सिद्ध होती है।

सांस्कृतिक आदान–प्रदान के तहत भारत से बौद्ध धर्म चीन पहुंचा, जहां फाह्यान (402 ईस्वी) और ह्वेनसांग जैसे चीनी यात्रियों ने नालंदा–तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों में अध्ययन किया और ग्रंथ अनुवादित किए। चीन में भारतीय प्रभाव वाले स्थल जैसे युंगांग–लोंगमेन गुफाएं, बिग गूस पगोडा और शाओलिन मंदिर इसकी गवाही देते हैं। वहीं, व्यापारिक समृद्धि के नजरिए से रेशम मार्ग (दक्षिणी समुद्री रूट सहित) से भारत–चीन के बीच रेशम, मसाले, मोती, लोहे के बर्तन और हस्तशिल्प का आदान–प्रदान होता था; रामायण–महाभारत में भी चीन का उल्लेख सोने के भंडार के रूप में है। चोल साम्राज्य ने समुद्री मार्ग सुरक्षित कर व्यापार बढ़ाया। जहां तक वैज्ञानिक योगदान की बात है तो आर्यभट्ट की ज्या तालिका का 8वीं शताब्दी में चीनी अनुवाद हुआ; पाणिनि ने चीनी रेशम को %चीनांशुक% कहा। खोतान जैसे क्षेत्रों में भारतीय शासन, संस्कृत भाषा और विष्णु पूजा के पुरातात्विक प्रमाण मिले।

प्राचीन भारत और चीन की समृद्धि मिस्र व ग्रीस से व्यापक और निरंतर थी, जहां पूर्वी सभ्यताओं ने आध्यात्मिक–वैज्ञानिक योगदान दिए जबकि पश्चिमी ने स्थापत्य–दार्शनिक। कृषि व अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत–चीन की उपजाऊ गंगा–ह्वांगहो घाटियां मिस्र के नील नदी की तरह ही अतिरिक्त उत्पादन देती रहीं, लेकिन सिंधु घाटी की नियोजित शहर व्यवस्था और चीन के रेशम व्यापार ने वैश्विक नेटवर्क बनाया। ग्रीस में मिनोअन–माइसीन व्यापार सीमित था, मिस्र निर्यात–आधारित। सच कहा जाए तो भारत नरक नहीं, स्वर्ग है–यह मानवता का वैभव है, विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण है, जहाँ संस्कृति, करुणा और सहअस्तित्व की धारा अनवरत बहती है। काव्य शैली में लिखूं तो भारत नरक नहीं, स्वर्ग का अहसास है, मानवता का वैभव, सभ्यता का प्रकाश है। इस पंक्ति में एक गहरी सकारात्मकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास झलकता है।

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

बंगाल में 'महा-मतदान'

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत के लोकतन्त्र की सबसे बड़ी खूबी यह है कि जब राजनीतिज्ञ अपना रास्ता भटक जाते हैं तो इस देश की जनता आगे बढ़कर उन्हें सही रास्ता दिखा देती है। भारत के चुनावी इतिहास में ऐसी घटनाएं भरी पड़ी हैं जब स्वयं जनता ने ही लोगों की निगेहबानी की हो। फिलहाल प. बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं जबकि अन्तर्राष्ट्रीय मोर्चे पर ईरान व अमेरिका–इजराइल युद्ध की वजह से भारत की ऊर्जा सुरक्षा संकट में पड़ी हुई है और आम लोगों पर भी इसकी आंच आ रही है। इसके बावजूद भारत के इन दोनों राज्यों में राजनीतिक विमर्शों का तीखापन उफान पर है और लोगों पर अपनी मनपसन्द राज्य सरकारों के गठन का जुनून सवार है। इसका प्रमाण यह है कि दोनों ही राज्यों में मतदान जम कर हुआ है। फिर भी प. बंगाल के चुनाव की ज्यादा चर्चा देशभर में इस वजह से है कि इस बार केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पिछले 15 वर्षों से हुकूमत कर रही ममता दीदी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी को करारी शिकस्त देना चाहती है। मगर यह काम इतना आसान नहीं है क्योंकि ममता दीदी ने पिछले 30 वर्षों के दौरान राज्य में जिस प्रकार की जन–मूलक राजनीति की उसमें बंगाल के उप–राष्ट्रवाद के उभार के साथ ही बांग्ला संस्कृति की अस्मिता का भाव जनमानस में सिर चढ़कर बोला। यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी का हिन्दू राष्ट्रवाद का सिद्धान्त बंगाल में दूसरे पायदान पर नजर आता है। इसके कुछ ऐतिहासिक कारण हैं जिसके मूल में बंगाल का भाषाई राष्ट्रवाद प्रमुख है। यहां यह महत्वपूर्ण है कि 1971 में जो पूर्वी पाकिस्तान बदल कर बांग्लादेश बना उसकी जड़ में समूचे बंगाल का बांग्ला भाषाई राष्ट्रवाद ही था।

मगर भारत के प. बंगाल राज्य में आजादी के बाद से ही बांग्ला संस्कृति का प्रादुर्भाव इस प्रकार रहा है कि राज्य की हिन्दू–मुस्लिम जनता 'वन्दे मातरम्' को अपना राष्ट्रवादी मन्त्र मानती रही है। इसके साथ ही बंगाल के लोगों के खान–पान में भी हिन्दू–मुस्लिम का बहुत ज्यादा भेदभाव नहीं रहा है। राजनीति का इन सब चीजों से प्रत्यक्ष सम्बन्ध नहीं रहता है मगर परोक्ष रूप से ये चीजें राजनीतिक विमर्श को एक स्वरूप देने में निर्णायक भूमिका भी निभाती हैं। प. बंगाल के चुनावों का शोर हमें इसलिए भी ज्यादा सुनाई दे रहा है क्योंकि इन चुनावों में राज्य के लगभग 34 लाख मतदाताओं को मत देने के अधिकार से चुनाव आयोग ने वंचित कर दिया है। इस वजह से चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर भी पूरे देश में विवाद बना हुआ है और यह मामला देश के सर्वोच्च न्यायालय तक में कानूनी चर्चा का विषय बना हुआ है। सभी जानते हैं कि प. बंगाल में 1977 से लेकर 2011 तक वामपंथियों तक एक छत्र राज्य रहा। इस दौरान कम्युनिस्टों ने बंगाल की वह पहचान गायब कर दी जिसके लिए वह अंग्रेजों के शासन के दौर से लेकर विख्यात था। बंगाल की यह प्रसिद्धि इसके औद्योगीकरण को लेकर थी। वामपंथियों ने अपने 34 वर्ष के शासन के दौरान बंगाल को गरीब राज्यों की श्रृंखला में लाकर खड़ा कर दिया। इसका ब्यौरा कई बार राज्यसभा में पूर्व वित्तमन्त्री स्वर्गीय अरुण जेतली ने रखा था। इन 34 वर्षों में बंगाल से निजी पूंजी निवेश गायब होता चला गया और इस राज्य की बहुसंख्य जनता गरीबी की सीमा रेखा के निकट सरकती चली गई। 2011 में ममता दी ने लगभग 17 साल की कड़ी मेहनत के बाद वामपंथियों के शासन को समाप्त किया। हालांकि राज्य में आजादी के बाद से 1977 तक कमोबेश कांग्रेस पार्टी का राज रहा मगर यह पार्टी वामपंथियों की शासन पद्धति की कम्यून तकनीकों का तोड़ नहीं ढूंढ़ पाई। इसकी एक वजह यह थी कि वामपंथियों ने कृषि व गांव के मोर्चे पर खेतीहर जमीन का बंटवारा बहुत करीने से किया था। वामपंथी शासन में कृषि के मोर्चे पर बेशक सुधारात्मक काम हुए मगर औद्योगिक मोर्चे पर पहिया उल्टा घूमा। जिसकी वजह से बंगाल के मध्य वर्ग में भारी रोष पैदा हुआ और 2011 में ममता दी ने इस जनरोष को अपने पक्ष में भुनाने में अपार सफलता प्राप्त कर ली। चूंकि ममता दी 1996 में कांग्रेस से निकल कर ही अपनी अलग तृणमूल कांग्रेस पार्टी का गठन किया था अतः इस पार्टी के सभी सक्रिय तत्व उनके साथ जुड़ते चले गये। इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी के कुछ प्रभाव क्षेत्र राज्य में बने रहे जो 2024 के लोकसभा चुनावों में जाकर इसलिए खत्म हुए क्योंकि भाजपा ने चुनावों को सीधे दो कोणीय बना दिया था। इस सन्दर्भ में यह महत्वपूर्ण है कि वर्तमान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस राज्य की सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और वामपंथी पार्टियों ने भी 250 से अधिक स्थानों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। इससे कई अंचलों में चुनाव के त्रिकोणीय होने की संभावना बन गई है जिसका परोक्ष लाभ सत्ताधारी दल को हो सकता है। प. बंगाल में कुल 294 सीटें हैं जिनमें से 152 पर आज मतदान हुआ । मतदान का प्रतिशत 90 के आसपास रहना बताता है कि राज्य के लोगों में राजनीतिक जागरूकता अपने उच्चतम स्तर पर है जिसका अर्थ हर राजनीतिक दल अपने हिसाब से निकाल रहा है मगर यह उस गुस्से का प्रतीक भी है जो मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ है जिसमें 34 लाख लोग मतदान से वंचित कर दिये गये हैं। जबकि तमिलनाडु की सभी 234 सीटों के लिए आज ही मतदान हो गया है और यहां भी मतदान का प्रतिशत 80 के करीब है। इस राज्य में फिल्मी कलाकार विजय की पार्टी के लिए युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है जिसका अर्थ निकलता है कि राज्य में द्रमुक व अन्ना द्रमुक की राजनीति के बीच एक तीसरी शक्ति का उदय होने जा रहा है । परन्तु यह दीवानगी राज्य के ग्रामीण मतदाताओं में नहीं है अतः विपक्षी दल अन्ना द्रमुक व विजय की पार्टी के बीच दूसरे स्थान के लिए कांटे की लड़ाई हो सकती है। बंगाल में 29 अप्रैल को शेष सीटों के लिए चुनाव होने हैं और कहा जा सकता है कि उन सीटों पर भी बम्पर मतदान होगा। अतः बम्पर मतदान भारतीय लोकतन्त्र की जीवन्तता को बता रहा है और घोषणा कर रहा है कि जनता राजनीतिक धुंधलके को पूरी तरह छांटने की क्षमता रखती है।

लापरवाही को छिपाना

संतोष उत्सुक

लापरवाही के नुकसान ही माने जाते हैं। समझदार लोग भी ऐसा ही बताते हैं। बचपन के विशेषज्ञ भी अस्त व्यस्त अभिभावकों को, सलाह देते रहते हैं कि बच्चों की परवरिश में कोताही न बरतें और बच्चों को बताते रहें कि ज़िंदगी में किसी भी तरह की लापरवाही न करें। वह बात अलग है कि विशेषज्ञ और अभिभावक खुद भी कई मामलों में लापरवाही बरतते हैं और कहते रहते है कि जीवन में ऐसा हो जाता है।

हमारे यहां लापरवाही एक विकसित परम्परा है। कोई दुर्घटना, नुकसान होता है तो जांच शुरू होने से पहले लापरवाही छिपाने की कोशिश शुरू हो जाती है। इसे बहुत ज़रूरी कर्तव्य की तरह निभाया जाता है। चश्मदीद गवाहों को धमकाने और अपराधी बनाने की सुगबुगाहट के साथ ही लापरवाही छिपाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। उन्हें पूरी सजगता से धमकी देनी ज़रूरी होती है ताकि सच सामने न आ सके। अगर ऐसा न किया जाए तो आम आदमी तो क्या कोई भी संपन्न व्यक्ति फंस सकता है वह बात दीगर है कि सुरक्षा व्यवस्था द्वारा की गई लापरवाही उन्हें फंसने नहीं देती । आदमी किसी और की जान बचाने तक में लापरवाह हो सकता है लेकिन अपने मामले में गलती से भी हुई लापरवाही छिपाने की कोशिश करता है।

जांच के दौरान लापरवाही, चतुराई से छिपा देना एक कला है। इसे उचित तरीके से जांच करना भी कहते हैं। यह मेहनत भरा काम है। लापरवाही छिपी रहे सामने न आए, इस सम्बन्ध में एक पुराने गाने को चार सौ बीस बार आधार बनाया जाता है, परदे में रहने दो पर्दा न उठाओ, पर्दा जो उठ गया तो भेद खुल जाएगा और कईयों को फंसा देगा, जो सुलझे बैठे हैं उन्हें उलझा देगा। लापरवाही छिपाने के बहुत से फायदे हैं। लापरवाही छिपाते हुए हर बात उलझा सकते हैं। बयान और रिपोर्टों को अलग अलग कर सकते हैं। महत्त्वपूर्ण संकेत फाइलें बनाने से पहले ही दफ़न कर सकते हैं। रिपोर्ट्स को बार बार अधूरी बताकर फिर से लिखित जानकारियां बार बार मांग कर, उनकी लापरवाही पर शक बढ़ाया जा सकता है।

सीधे सवालों के, लापरवाही में लिपटे गोल मोल जवाब देने से, ज्यादा समय और पुख्ता मदद मिलती है ताकि बेचारा नतीजा दूर कहीं झुरमुट में फंसा रहे और गलत व्यक्ति को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास सफल हो जाए। यही लापरवाही की सजगता भरी सफलता मानी जाती है। इसका अनुभव बचाव व्यवस्था की बुनियादी खामियों के विशेषज्ञ व्यक्तियों को पहले से होता है। उन्हें लापरवाही से गढ़े आरोपों से निबटना खूब आता है तभी तो जांच एजेंसियों के बीच तालमेल नहीं हो पाता। उनमें लापरवाही संभालने का गहन चारित्रिक अनुभव होता है तभी तो लापरवाही छिपाने का महत्त्वपूर्ण काम उन्हें सौंपा जाता है।

अनुभवी लोगों को ऐसे फंसा भी नहीं सकते। उन्हें भविष्य में भी पूरी ज़िम्मेदारी के साथ कर्तव्य निभाते हुए, लापरवाही करने में सक्रिय भूमिका अदा करनी होती है। किसी भी स्तर पर प्रशिक्षण देने की ज़रूरत, उन्हें नहीं होती। लापरवाही छिपाने का सबसे व्यावहारिक फायदा यह रहता है कि जांच संपन्न हो जाती है लेकिन कार्रवाई नहीं हो पाती। इधर पूरी गोपनीय सतर्कता से लापरवाही छिपाई जा रही होती है और उधर सार्वजनिक रूप से कहा जा रहा होता है कि भविष्य में किसी भी किस्म की लापरवाही बिलकुल बर्दाशत नहीं की जाएगी।

हिंदी में उच्च व तकनीकी शिक्षा : समय की माँग

आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल'

अखबार टाइम्स आफ इंडिया में प्रकाशित समाचार के अनुसार मध्य प्रदेश में 50000 अभियांत्रिकी विद्यार्थियों में से केवल 281 ने हिंदी माध्यम का चुनाव किया है। स्मरणीय है कि पूरे भारत में मध्य प्रदेश एकमात्र प्रदेश है जहाँ अभियांत्रिकी और चिकित्सा / आयुर्विज्ञान की पढ़ाई हिंदी माध्यम से भी करने की सुविधा है। विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम होने के कारण यह सुविधा बंद किए जाने का खतरा है। जरूरी है कि इंस्टिट्यूशन आफ इंजीनियर्स, इंडियन जिओ टेक्निकल कांग्रेस, प्रैक्टिसिंग इंजीनियर एसोसिएशन, इंजीनियर्स फोरम, वेल्युर्स संगठन, इंडियन अर्थक्वेक कांग्रेस जैसी संस्थाएँ हिंदी के माध्यम से अभियांत्रिकी शिक्षा को प्रोत्साहित करें।

हिंदी आम लोगों की भाषा– यह जमीनी हकीकत है कि ग्रामीण कृषक, श्रमिक तथा आदिवासी परिवारों के बच्चे अंग्रेजी भाषा को समझ और बोल नहीं पाते। उनके लिए तकनीकी शिक्षा के दरवाजे बंद रहे आते हैं। आज भी इंजीनियरिंग और मेडिकल क्षेत्र में आबादी के अनुपात में इन वर्गों का प्रतिनिधित्व नगण्य है।

अंग्रेजी के प्रति अंध मोह– अत्यंत दुखद है कि इंजीनियरिंग तथा मेडिकल व्यवसायों से संबंधित संस्थानों में अंग्रेजी के प्रति अंध मोह है। इस कारण यह संस्थाएँ हिंदी भाषा को व्यवहार में लाने अथवा हिंदी भाषा में शिक्षक को प्रोत्साहित नहीं करती हैं। देखा जा सकता है कि इन संस्थानों में दैनिक कार्यकलाप में हिंदी का प्रयोग किए जाने के बाद भी बैनरों, आमंत्रण पत्रों, कार्यक्रम संचालन तथा व्याख्यान आदि में अधिक से अधिक अंग्रेजी का प्रयोग किया जाता है। हिंदी के प्रति उदासीनता और विरोध का आलम यहाँ तक है कि नगर में बंगालियों की प्रमुख संस्था सिद्धिबाला बोस लाइब्रेरी एसोसिएशन के आमंत्रण पत्र तथा स्मारिका आदि में अंग्रेजी को सर्वाधिक तथा उसके बाद बांग्ला को स्थान दिया जाता है जबकि हिंदी का प्रयोग नहीं किया जाता है। यह राष्ट्र का दुर्भाग्य है कि राष्ट्रीय भाषा के प्रति ऐसा परायापन व उपेक्षा का भाव व्याप्त है।

हिंदी में तकनीकी शिक्षा जरूरी– समय की माँग है कि लगभग 40 वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद प्रदेश में तकनीकी शिक्षा हिंदी में आरंभ किए जाने के प्रति समर्थन और व्यवहार में अधिकतम विद्यार्थियों द्वारा हिंदी चयन का वातावरण तैयार किया जाए।

हिंदी की रोजगार परकता– राष्ट्र भाषा हिंदी के विरोध का एक कारण यह बताया जाता है कि हिंदी माध्यम से तकनीकी शिक्षा लेने पर रोजगार विकास तथा उन्नति के अवसर नहीं होते। इस भ्रामक धारणा का खंडन तकनीकी प्रतिष्ठानों तथा संस्थानों की व्यावसायिक गतिविधियों से अनुमानित किया जा सकता है। एक डॉक्टर अपने मरीजों को इलाज देते समय उनसे बातचीत हिंदी में करता है, उनकी बीमारी को हिंदी में तकलीफ सुनकर अनुमानित करता है किंतु उसका इलाज अंग्रेजी में लिखता है जिसे मरीज समझ ही नहीं पाता। ऐसे अनेक प्रकरण हुए हैं जब अंग्रेजी में लिखे गए दवाई के परचों पर मेडिकल स्टोर के कर्मचारियों ने गलत दवाइयाँ दी तथा अनेक बार मरीज ने दवाइययों का नाम न पढ़ पाने के कारण गलत दवाइयाँ खाईं और उन्हें इसके दुष्परिणाम भोगना पड़े। विधि तथा न्याय के क्षेत्र में वकील मुवक्किल से प्रकरण की पूरी जानकारी हिंदी में लेता है लेकिन न्यायालय में जिरह करते समय दलील अंग्रेजी में देने की कोशिश करता है। इस कारण मुवक्किल समझ ही नहीं पाता कि वह जो बात न्यायाधीश के ध्यान में लाना चाहता है वह कही भी गई या नहीं? इसी तरह न्यायाधीश द्वारा दिया गया निर्णय भी मुवक्किल वकील समझ ही नहीं पाता तो उसका पालन किस तरह करे? अभियांत्रिकी के क्षेत्र में सरकारी तथा गैर सरकारी दोनों प्रकार की नौकरियों में रोजमर्रा के काम में हिंदी का ही प्रयोग किया जाता है। भ्रामक धारणा यह है कि रोजगार अंग्रेजी भाषा के माध्यम से मिला। एक अभियंता निजी काम करे या सरकारी वह संबंधित दफ्तरों में बाबूओं, चपरासियों से तथा कार्य क्षेत्र में ठेकेदारों, मिस्त्रियों, बढ़इयों, लोहारों, पलंबरों तथा अन्य तकनीकी कर्मियों से बातचीत केवल और केवल हिंदी में ही करता है। अतः वे सब तथा स्वयं अभियंता भी अपना पेट हिंदी भाषा के माध्यम से ही भरता है। इसलिए यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि हिंदी भाषी तथा अर्ध हिंदीभाषी क्षेत्रों (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली आदि में व्यवसाय रोजगार तथा उद्योग की भाषा हिंदी ही है, अंग्रेजी नहीं।

मानसिक दासता– दुर्भाग्य है कि भारत में मानसिक दासता स्वतंत्रता के लगभग 80 वर्ष होने पर भी दूर नहीं हुई है। विदेशी आकाओं की भाषा अंग्रेजी आज भी अंग्रेजी प्रेमियों को मालिक होने का एहसास कराती है, जबकि हिंदी बोलने पर लोगों को गुलामी की अनुभूति होती है। अंग्रेजी राज्य में शिक्षा नीति का निर्माण करनेवाले भविष्य दर्शी लार्ड मैकाले ने अपने आलोचकों को उत्तर देते समय यह भविष्यवाणी कर दी थी कि अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा के कारण एक दिन सभी ब्रिटिश पराधीनता भोग रहे देश में एक ऐसी पीढ़ी का जन्म हो जाएगा जो अपने देश की श्रेष्ठ मूल्यों को हीन और अंग्रेजों द्वारा थोपे गए मूल्यों को श्रेष्ठ समझेंगे। दुर्भाग्य से भारत में वर्तमान समय में ऐसी ही पीढ़ी का वर्चस्व है। प्रकृति का नियम है कि हर परिस्थिति एक चक्रीय क्रम के अनुसार बढ़ती–घटती है। भले ही आज अंग्रेजी लोभी अथवा अंग्रेजी के प्रति मोहग्रस्त लोगों का वर्चस्व हो लेकिन अब समय आ चुका है जब क्रमशः भारतीय भाषाओं का उत्थान होना है और अंग्रेजी के प्रति अंधमोह से ग्रस्त यह पीढ़ी तथा वातावरण क्रमशः विनष्ट होगा। यह शुभ कार्य जितनी जल्दी हो उतना ही अधिक अच्छा होगा।

मातृभाषा में समझना सरल – मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किसी भी विषय की जानकारी मानव मस्तिष्क अपनी मातृभाषा में सर्वाधिक सरलता व सहजता से समझ सकता है तथा सर्वाधिक समय तक स्मरण रख सकता है जबकि अन्य भाषाओं में दी गई जानकारी समझने, संग्रहित करने और याद रखने में कठिनाई अधिक होती है। इस मनोवैज्ञानिक सत्य के आधार पर भी हिंदी भाषा में तकनीकी और गैर तकनीकी सभी विषयों का शिक्षण ही एकमात्र विकल्प बचता है।

उन्नत देशों में शिक्षा माध्यम मातृभाषा– संयुक्त राष्ट्र संघ ने अपने एक अध्ययन के बाद दिए गए निष्कर्ष में कहा है कि विश्व में सर्वाधिक पिछड़े देश वे हैं जहाँ उच्च और तकनीकी शिक्षा का माध्यम मातृभाषाएँ न होकर कोई विदेशी भाषा है। ऐसे अधिकांश देश कभी ना कभी अंग्रेजों के गुलाम रहे हैं, जिनमें से एक भारत भी है। इसके सर्वथा विपरीत विश्व के सर्वोन्नत देश वे हैं जहाँ उच्च–तकनीकी शिक्षा का माध्यम उन देशों की मातृभाषाएँ हैं। इनमें रूस जहाँ रूसी में, चीन जहाँ मंडारिन में, जापान जहाँ जापानी में, जर्मन जहाँ जर्मनी में, ऑस्ट्रेलिया जहाँ ऑस्ट्रेलियन में उच्च व तकनीकी शिक्षा दी जाती है। इस रिपोर्ट के आधार पर भी हिंदी ही उच्च व तकनीकी शिक्षा का माध्यम हो सकती है।

भाषा से संस्कार– भाषा संस्कार की वाहिका होती है। देश में दिन–ब–दिन बढ़ते हुए अंग्रेजी भाषी अधकचरा शिक्षा संस्थानों के अनुपात में अपराधिक गतिविधियों की हो रही वृद्धि सहज ही देखी जा सकती है।

हिंदी से सुसंस्कार– हिंदी भारत की मूल भाषा है जिसका जन्म और विकास भारत में ही हुआ है हमारी सभी पर्वकथाएँ, लोकगीत, लोक कथाएँ आदि हिंदी में ही हैं। इस कारण हिंदी हमारे पारंपरिक संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्य को धारण करती है जबकि अंग्रेजी विदेशी भाषा होने के कारण उन देशों की सभ्यता सांस्कृतिक मूल्यों तथा परंपराओं को संप्रेषित करती है। हिंदी में शिशु निर्मलता बच्चा आबोधता, किशोर उत्सुकता, तरुण उत्साह, युवा परिवर्तन, प्रौढ़ अनुभव संपन्न तथा वृद्ध संतोष का प्रतीक है। अंग्रेजी में वयस्क या एडल्ट होने का अर्थ एडल्ट्री करना है। यह एडल्ट्री ही दुराचार की जननी है। हर बच्चा चाहता है कि वह जल्दी से जल्दी बड़ा या वयस्क हो। भारत शिशु बड़ा होने के लिए संयम तथा अनुशासन की सीढ़ियाँ चलता है जबकि अंग्रेजी भाषिक शिशु चिल्ड्रन से एडल्ट होने के लिए एडल्ट्री की राह पकड़ता है यह सामाजिक–भाषिक सत्य पाश्चात्य सरकारों के लिए सर दर्द का कारण बन गया है।

सीजफायर के बाद पहली बार तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव

हमले की आशंका के बीच हाई अलर्ट

नई दिल्ली। ईरान की राजधानी तेहरान में गुरुवार शाम एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया गया। यह कदम उस समय उठाया गया जब कुछ इलाकों में हवाई हमले जैसी गतिविधियों और धमाकों की रिपोर्ट सामने आई।

यह जानकारी ईरान की सरकारी मीडिया ने दी है। यह घटना उस समय की बताई जा रही है जब हाल ही में संघर्ष के बाद सीजफायर लागू हुआ था। इसलिए इसे हाल के समय की पहली ऐसी बड़ी घटना माना जा रहा है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि पश्चिमी तेहरान में एयर डिफेंस से फायरिंग की आवाजें सुनी गईं। इसके बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय कर दिया गया। इसी तरह मेहर समाचार एजेंसी ने भी रिपोर्ट दी कि राजधानी के कई हिस्सों में एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय किया गया ताकि संभावित हवाई खतरों का मुकाबला किया जा सके। हालांकि किसी विशेष लक्ष्य या हमले की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

कोलकाता, वार्ता। पीएम नरेन्द्र मोदी ने कोलकाता में हुगली नदी किनारे बिताया समय, नाविकों और आम लोगों से मिले

केरल में ब्रेन-ईटिंग अमीबा का खतरा: गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया अलर्ट

तिरुवनंतपुरम, (वार्ता)। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने गर्मी के मौसम के दौरान अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के मामलों में वृद्धि की संभावना को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया है। उन्होंने नागरिकों से जल स्रोतों का उपयोग करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने चेतावनी दी है कि दूषित पानी में नहाने या चेहरा धोने से कड़ाई से बचा जाना चाहिए, क्योंकि यह संक्रमण असुरक्षित,खराब रखरखाव वाले जलाशयों से जुड़ा है। सरकारी विभागों को सार्वजनिक स्थानों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी तेज करने और कुओं, भंडारण टैंकों तथा स्विमिंग पूल की नियमित सफाई और क्लोरीनीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह बीमारी नेगलेरिया फाउलेरी, जिसे अक्सर ब्रेन-ईटिंग अमीबा कहा जाता है, एकैंथअमीबा जैसे सूक्ष्म जीवों के कारण होती है। ये जीव गर्म और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं और नाक के जरिए मानव शरीर में प्रवेश कर सीधे मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने आगाह किया है कि अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, उल्टी, गर्दन में अकड़न और बेहोशी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह बीमारी तेजी से घातक रूप ले सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को संदिग्ध मामलों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। इस संक्रमण की वैश्विक मृत्यु दर 90 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन केरल ने शीघ्र पहचान और विशेष उपचार के माध्यम से इसे घटाकर लगभग 24 प्रतिशत करने में सफलता पाई है।

युद्धविराम टूटा तो होर्मुज जलडमरूमध्य में हमलों की तैयारी : अमेरिका

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिका के सैन्य अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि यदि मौजूदा संघर्षविराम समाप्त होता है तो ईरान की उपस्थिति को लक्ष्य बनाते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में हमलों की नयी योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रस्तावित योजनाएं पहले की रणनीति से अलग हैं, जिसमें हमले मुख्य रूप से ईरान के अंदरूनी क्षेत्रों तक सीमित थे। नई रणनीति में जलमार्गों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, विशेष रूप से तेज गति वाली नौकाओं, बारूदी सुरंग बिछाने वाले जहाजों और अन्य समुद्री संसाधनों को निशाना बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान द्वारा जलडमरूमध्य को बंद किए जाने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है और इससे अमेरिका की आर्थिक नीतियों पर भी दबाव बढ़ा है। सात अप्रैल से लागू युद्धविराम अभी औपचारिक रूप से कायम है। सूत्रों के अनुसार, केवल हवाई हमलों के जरिए जलमार्ग को शीघ्र खोल पाना कठिन हो सकता है, क्योंकि ईरान की तटीय रक्षा प्रणाली का बड़ा हिस्सा अब भी सक्रिय है और उसके पास पर्याप्त संख्या में छोटी नौकाएं मौजूद हैं। इसके साथ ही अमेरिकी योजनाकार ईरान के ऊर्जा ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हमलों की संभावना पर भी विचार कर रहे हैं, जिसे संभावित रूप से स्थिति को और गंभीर बना देने वाला कदम माना जा रहा है। एक अन्य विकल्प के तहत कुछ विशिष्ट सैन्य अधिकारियों को निशाना बनाने पर भी विचार किया जा रहा है, जिनमें अहमद वाहिदी का नाम शामिल बताया गया है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने हाल ही में स्वीकार किया था कि युद्धविराम के दौरान ईरान ने अपनी कुछ सैन्य क्षमताओं को पुनर्स्थापित किया है, जिन्हें समझौता विफल होने की स्थिति में निशाना बनाया जा सकता है।

अमेरिकी आकलनों के अनुसार, ईरान की लगभग आधी मिसाइल प्रक्षेपण क्षमता और बड़ी संख्या में हमलावर ड्रोन अभी भी सुरक्षित हैं। वर्तमान में क्षेत्र में अमेरिका के 19 नौसैनिक पोत तैनात हैं, जिनमें दो विमानवाहक पोत शामिल हैं, जबकि हिंद महासागर में सात अन्य पोत मौजूद हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 13 अप्रैल से अमेरिकी बल ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर रहे हैं और कई जहाजों को रोका या उनकी जांच की गई है।

विश्लेषकों का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के ईरान के कदम का आकलन पहले कम किया गया था, जबकि यह स्थिति क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा सकती है।

खोपड़ी, गायब अंगूठा और बीमारियां... 2300 साल पुरानी मिस्र की ममी की सीटी स्कैन रिपोर्ट ने चौंकाया

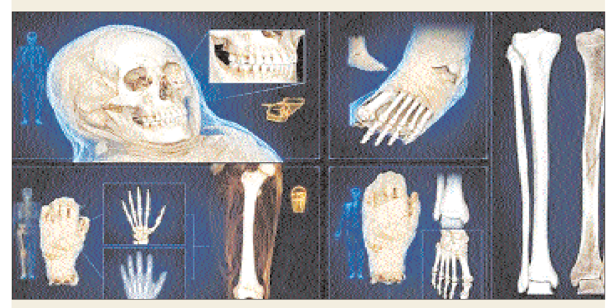

नई दिल्ली। प्राचीन मिस्र की ममी आज भी आधुनिक विज्ञान के लिए एक पहेली बनी हुई है। हाल ही में सेमेलवेइस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने उन्नत 3डी इमेजिंग और सीटी स्कैनिंग तकनीक के जरिए 2,300 साल से सीलबंद ममीकृत अंगों रिसर्च किया है। यह ममी 1916 में मिली थी, लेकिन अब तक इसका अध्ययन नहीं किया गया था। ये ममी 100 साल से ज्यादा समय तक काहिरा के इजिप्ट म्यूजियम के स्टोर रूम में यूं ही पड़ी रही। अब जब इस ममी का अध्ययन किया गया तो कई कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। दरअसल, 2,300 साल पुरानी मिस्र की ममी के अंदरुनी भाग का खुलासा आधुनिक सीटीस्कैन तकनीक के जरिए किया गया है। इस तकनीक ने बिना पट्टियां खोले हड्डियों की टूट-फूट, प्राचीन बीमारियों और ममीकरण की सूक्ष्म परतों को उजागर कर दिया है, जो दशकों से संग्रहालयों की फाइलों में दबे हुए थे। उन्नत सीटी और 3डी स्कैनिंग तकनीक का उपयोग करते हुए वैज्ञानिकों ने 2,300 वर्ष से अधिक पुराने अंगों, खोपड़ियों और एक पैर की जांच की है। बताया जाता है कि ये अवशेष 401 से 259 ईसा पूर्व के बीच के हैं और दशकों तक संग्रहालयों के संग्रह में संरक्षित रहे, लेकिन इनका इतने विस्तार से अध्ययन पहले कभी नहीं किया गया था। अब हड्डियों, पट्टियों और संरचनात्मक क्षति का स्पष्ट आंतरिक दृश्य सामने आया है, जो पहले छिपा हुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि हड्डियों के गायब हिस्सों और रोग के निशानों जैसी छोटी-छोटी विशेषताएं भी अब ममी को खोले या नुकसान पहुंचाए बिना दिखाई दे रही हैं। यह प्राचीन संरक्षण विधियों की एक दुर्लभ झलक है, जिन्हें आज भी पूरी तरह से समझा नहीं गया है। सीटी स्कैन में शरीर के कई अंगों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें दो खोपड़ियाँ, दो निचले अंग, एक हाथ और लिनन की पट्टियों में कसकर लिपटा हुआ एक पैर शामिल था। प्रत्येक अंग को उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग सिस्टम का उपयोग करके स्कैन किया गया। परिणाम पहले के प्रयासों की तुलना में अधिक स्पष्ट थे। शोधकर्ताओं का कहना है कि पहले की जांचों में कई आंतरिक विवरण छूट गए थे। सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से एक पैर है। इस पर अभी भी पट्टियां लिपटी हुई हैं। स्कैन के माध्यम से अंदर की हड्डियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। पैर के अंगूठे का एक हिस्सा गायब प्रतीत होता है। ऐसा लगता है कि यह क्षति शव को संरक्षित करने से पहले या बाद में हुई है। अभी तक कोई भी पूरी तरह से निश्चित नहीं है। एक समय ऐसा भी था जब यह माना जा रहा था कि वही पैर किसी पक्षी का है।

कश्मीर को राज्य का दर्जा न देना सजा के समान : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, (वार्ता)

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने में देरी कर रही है और इसे जनता के मतदान के लिए सजा के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री का यह बयान उस समय आया जब विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने अब्दुल्ला सरकार पर काम न करने, भ्रष्टाचार और गलत प्राथमिकताओं के आरोप लगाए थे। विपक्ष के नेता ने शुक्रवार को कहा, राज्य का दर्जा अपने समय पर मिलेगा, लेकिन इसे किसी एक नेता के मुख्यमंत्री बनने से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। इसके जवाब में श्री अब्दुल्ला ने कहा कि हाल में राजौरी जिले के नौशेरा क्षेत्र में हुए एक बड़े कार्यक्रम से भारतीय जनता पार्टी असहज हो गई है और अब वह खुलकर यह स्वीकार कर रही है कि राज्य का दर्जा इसलिए नहीं दिया जा रहा क्योंकि लोगों ने नेशनल कांफ्रेंस को वोट दिया। उन्होंने सामाजिक माध्यम पर कहा कि यह दर्शाता है कि जनता को उनके मतदान के लिए दंडित किया जा रहा है। श्री अब्दुल्ला ने विपक्ष के नेता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी अनुपस्थिति में विधानसभा अधिक शांत और उत्पादक ढंग से चली। इस बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक ने भी विपक्ष के नेता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराने वाले थे। विपक्ष के नेता श्री शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा किए गए वादे, जैसे मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर, 200 इकाई बिजली और युवाओं को रोजगार, अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शासन व्यवस्था कमजोर हो गयी है और मंत्री ज़मीनी स्तर पर सक्रिय नहीं हैं।

श्री शर्मा ने प्रशासन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि सामान्य कार्यों के लिए भी लोगों को रिश्वत देनी पड़ रही है।

मादुरो की गिरफ्तारी पर लगाया 4 लाख डॉलर का सट्टा, इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोप में अमेरिकी सैनिक गिरफ्तार

नई दिल्ली

अमेरिका के संघीय अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि, वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने गए स्पेशल फोर्सेज के एक सैनिक ने मिशन से जुड़ी जानकारी को लीक किया था। जानकारी के अनुसार, उस सैनिक ने मिशन से जुड़ी गोपनीय जानकारी का इस्तेमाल करके एक ऑनलाइन सट्टेबाजी बाजार में 400,000 डॉलर से ज्यादा की रकम जीती। न्यूयॉर्क में संघीय अभियोजक के कार्यालय ने बताया कि, गैनन केन वैन डाइक अभियान का हिस्सा था, और उसने गोपनीय जानकारी तक अपनी पहुंच का इस्तेमाल करके सट्टा खेला।

इस जानकारी के बाहर आते ही, न्याय विभाग ने उस पर निजी लाभ के लिए गोपनीय सरकारी जानकारी का गैर-कानूनी इस्तेमाल करने, गैर-सार्वजनिक सरकारी जानकारी की चोरी करने, कमोडिटी धोखाधड़ी, वायर धोखाधड़ी और गैर-कानूनी मौद्रिक लेन-देन करने का आरोप लगाया है। इस मामले में आरोप साबित होने पर उसे कई साल की जेल हो सकती है। संघीय अभियोजक के कार्यालय के अनुसार, 38 साल के वैन डाइक ने जान बूझकर जानकारी को लीक किया। इसके साथ ही, कई बार दांव लगाकर कमाई की। स्न्नक्ष्ठ के निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, इसमें एक अमेरिकी सैनिक शामिल था, जिसने कथित तौर पर अपनी स्थिति का फायदा उठाकर एक नेक सैन्य अभियान से मुनाफा कमाया ।उसने दुनिया के सबसे बड़े प्रेडिक्शन मार्केट में से एक, पॉलीमार्केट में दाव खेला था। मार्केट के लोगों का कहना है कि, उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति मिला जो गोपनीय सरकारी जानकारी पर ट्रेडिंग कर रहा था; उसने अमेरिकी न्याय विभाग को इसकी सूचना दी और उनकी जांच में सहयोग किया। कंपनी ने एक बयान में कहा, उनके यहां इनसाइडर ट्रेडिंग के लिए कोई जगह नहीं है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

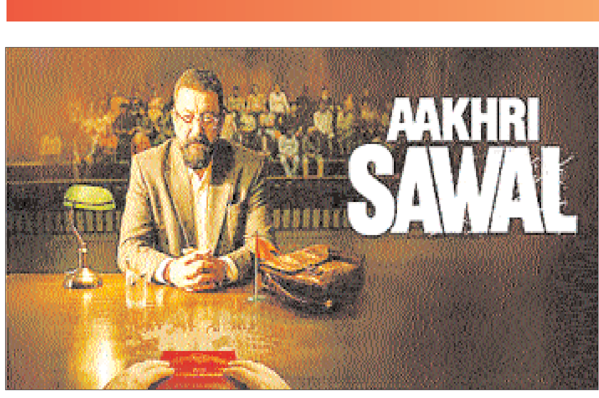

आखिरी सवाल का नया प्रोमो रिलीज

बॉलीवुड स्टार संजय दत्त की आने वाली फिल्म आखिरी सवाल का नया प्रोमो रिलीज हो गया है। फिल्म आखिरी सवाल साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है और लोग इसका बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही फिल्म को लेकर काफी चर्चा है। मेकर्स ने हनुमान जयंती के मौके पर फिल्म का टीजर रिलीज किया था, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाई गई ।अब इस माहौल को और भी गंभीर और दिलचस्प बनाते हुए, मेकर्स ने एक नया प्रोमो जारी किया है जो एक बड़ा और चुभता हुआ सवाल पूछता है, 06 दिसंबर 1992 को अयोध्या में आखिर क्या हुआ था? हालांकि देश में इस पर शायद ही कभी खुलकर चर्चा हुई है, लेकिन लगता है कि यह फिल्म 1992 की उन घटनाओं की बारीकी से पड़ताल करने वाली है। नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर अभिजीत मोहन वारंग के निर्देशन में बनी फिल्म आखिरी सवाल को निखिल नंदा ने प्रेजेंट किया है। इस फिल्म के प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं, जबकि को-प्रोड्यूसर पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 08 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

2026 ऐसा लग रहा है जैसे मैं एक साथ कई सपने जी रही हूं : श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री और फिल्मकार श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि वर्ष 2026 उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे वह एक साथ कई सपने जी रही हैं। श्वेता त्रिपाठी के लिए 2026 सिर्फ ज़्यादा

काम करने का साल नहीं है, बल्कि ऐसे काम करने का है जो उनके दिल के करीब हों और मायने रखते हों। जहां दर्शक मिर्ज़ापुर-द मूवी का इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं श्वेता एक नए सफर की शुरुआत कर रही हैं, एक ऐसा सपना जिसे वह लंबे समय से जीना चाहती थीं, अपनी कहानियां खुद बनाना। अभिनय के साथ-साथ अब वह अपने प्रोडक्शन हाउस पर भी ध्यान दे रही हैं और अपनी पहली फिल्म बतौर निर्माता मुझे जान ना कहो मेरी जान% पर काम कर रही हैं। यह एक खूबसूरत और संवेदनशील समलैंगिक प्रेम कहानी है, जिससे वह खुद को बहुत जुड़ा हुआ महसूस करती हैं ।साथ ही, थिएटर आज भी उनका सबसे मज़बूत सहारा है। वह न सिर्फ परफॉर्म कर रही हैं, बल्कि अपने प्ले कॉक को उसके आखिरी शो के लिए वापस मंच पर ला रही हैं। वह उसी जुनून और जिज्ञासा के साथ थिएटर में लौट रही हैं, जिसने उन्हें पहली बार एक्टिंग की दुनिया से जोड़ा था। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, 2026 ऐसा लग रहा है जैसे मैं एक साथ कई सपने जी रही हूं। मैं आज भी वही एक्टर हूं जिसे सेट पर काम करने का उतना ही उत्साह होता है, लेकिन अब मैं यह भी सीख रही हूं कि अपनी खुद की कहानी बनाना कैसा होता है। मुझे जान ना कहो मेरी जान के ज़रिए हम एक ऐसी कहानी बताने की कोशिश कर रहे हैं जो सच्ची हो, सभी को साथ लेकर चले और दिल से जुड़ी हो। और जब भी मैं थिएटर में लौटती हूं, मुझे याद आता है कि मेरी शुरुआत कहां से हुई थी। यह मुझे ज़मीन से जोड़े रखता है और हमेशा कुछ नया सीखने की चाह बनाए रखता है।

अंकुर भारद्वाज की एंट्री से सन नियो के सत्या साची शो में आएगा एक नया मोड़

सन नियो के शो सत्या साची में अभिनेता अंकुर भारद्वाज शो में शौर्य के किरदार में नजर आएँगे। अंकुर भारद्वाज ने कहा, मैं%सत्या साची का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूँ। यह एक बेहतरीन शो है, जिसकी कहानी बहुत मजबूत है और इतने टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात है। शौर्य का किरदार बहुत अलग-अलग पहलुओं वाला से गुजरा है और यही बात मुझे इसमें काम करने के लिए आकर्षित करती है। दर्शकों के बीच पहले से लोकप्रिय शो और किरदार का हिस्सा बनना एक जिम्मेदारी जरूर होती है, लेकिन मैं इसे एक अच्छे मौके के रूप में देखता हूँ। मैंने इस किरदार को अच्छे से समझने और इसे सच्चाई के साथ निभाने पर ध्यान दिया है। अंकुर भारद्वाज ने कहा, दर्शकों को शौर्य के कई रंग देखने को मिलेंगे। वह इमोशनल भी है, मजबूत भी है और उसके अंदर बहुत कुछ चल रहा है। उसकी कहानी में कई दिलचस्प मोड़ आएँगे, जो दर्शकों को जरूर पसंद आएँगे। मैंने उसके बैकग्राउंड और भावनाओं को समझने की कोशिश की है, जिससे मेरा अभिनय बहुत नैचुरल और वास्तविक लगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे भी उतना ही प्यार देंगे, जितना वे इस शो को देते आए हैं।

रज बड़जात्या को खूब भाता है 'प्रेम'

किसी खास नाम के प्रति फिल्मी दुनिया में निर्माता-निर्देशकों की आसक्ति रही है, उसी में एक नाम है 'प्रेम' जो निर्माता सूरज बड़जात्या का पसंदीदा नाम रहा है। सूरज बड़ाजात्या ने हाल ही में अपनी नई फिल्म ये प्रेम मोल लिया का एलान किया है। फिल्म ये प्रेम मोल लिया में आयुष्मान खुराना और शरवरी की मुख्य भूमिका है। राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स मिलकर इस फिल्म को बना रहे हैं ।इस फिल्म के साथ राजश्री का मशहूर किरदार प्रेम 11 साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रहा है। इस बार इस किरदार को पहली बार आयुष्मान खुराना निभा रहे हैं, जो अपने सादे और शरारती अंदाज़ से इसे खास बनाते हैं। निर्माता-निर्देशक सूरज बड़जात्या लगभग अपनी हर फिल्म में हीरो का नाम 'प्रेम' रखते आये है और यह नाम उनके लिये भाग्यशाली साबित होता आया है ।सूरज बड़जात्या ने सबसे पहले 1989 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म मैने प्यार किया के माध्यम से सलमान खान को पहली बार 'प्रेम' की भूमिका में दर्शको के सामने पेश किया था। युवा प्रेम कथा पर आधारित फिल्म मैने प्यार किया ने दर्शको के दिल में अपनी छाप छोड़ी ।इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता अर्जित की। इसके बाद सूरज बड़जात्या को 'प्रेम' नाम कुछ ऐसा जंचा कि उन्होंने यह निश्चय कर लिया कि यदि वे किसी फिल्म का निर्माण करेगें तो उसमे अभिनेता का नाम 'प्रेम' अवश्य रखेगें। सूरज बड़जात्या ने इसके बाद 1994 में प्रदर्शित ब्लॉकबस्टर फिल्म हम आपके हैं कौन में दूसरी बार सलमान खान को 'प्रेम' के किरदार निभाने का मौका दिया। मैने प्यार किया के 'प्रेम' की तुलना में हम आपके है कौन का 'प्रेम' दर्शको को कुछ ज्यादा हीं पसंद आया। अपनी पिछली फिल्म मैने प्यार किया और हम आपके है कौन की सफलता से उत्साहित सूरज बड़जात्या ने 'प्रेम' नाम को एक बार फिर से अपनी 1999 में प्रदर्शित फिल्म हम साथ साथ है में सलमान खान के किरदार के रूप में पेश किया ,लेकिन इस बार फिल्म ने अपेक्षित सफलता अर्जित नही की।

संभागीय प्रेक्षक डॉ. अशोक कुमार भार्गव (आईएएस) ने राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया

राज्य लोक सेवा आयोग के निर्देशों के तहत जिले में सम्पन्न होंगी परीक्षाएं

परीक्षार्थियों को केन्द्रों में 90 मिनिट पूर्व उपस्थित होना अनिवार्य होगा

नरसिंहपुर। (स्वतंत्र मत)

संभागीय प्रेक्षक डॉ. अशोक कुमार भार्गव (आईएएस) ने शुक्रवार को मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा का सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए नरसिंहपुर जिले में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। जिले में राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा के लिए शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला कॉलेज नरसिंहपुर, शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट उच्च. माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों के लिए वाहन पार्किंग स्थल, बैरीकेट्स, सुरक्षा व्यवस्था, बायोमेट्रिक, साफ-सफाई, फ्रिस्किंग, बीओआईपी व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, विद्युत एवं जनरेटर की व्यवस्था, पंखे, टायलेट की व्यवस्था, पुलिस कंट्रोल रूम, चिकित्सा सुविधा इत्यादि व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल 2026 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 तक और दोपहर 2:15 से सायं 4:15 तक दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। जिले में इस परीक्षा में 1824 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। संभागीय प्रेक्षक डॉ. भार्गव ने राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए परीक्षा में नियुक्त अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर परीक्षा प्रभारी अधिकारी श्रीमती देवंती परते, एसडीएम श्री मणिन्द्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानू चौधरी, सीएमओ नगर पालिका श्री नीलम चौहान सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

1824 परीक्षार्थी होंगे शामिल

निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में बनाए गए परीक्षा केन्द्र शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला कॉलेज नरसिंहपुर में 450, शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 500, शासकीय उत्कृष्ट उच्च. माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 500 और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में 374 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस प्रकार नरसिंहपुर के 4 परीक्षा केन्द्रों में कुल 1824 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

सीसीटीवी कैमरों से परीक्षा केन्द्रों में रहेगी निगरानी

संभागीय पर्यवेक्षक डॉ. अशोक भार्गव ने राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा को सुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए आयोग द्वारा जारी नवीन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करने को कहा। जिसके तहत परीक्षा केन्द्रों में सीसीटीवी सर्विलांस, बायोमेट्रिक फिक्सिंग एवं बीओआईपी की व्यवस्था लागू की गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत समस्त परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी को परीक्षा के 90 मिनिट पूर्व अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाना है। परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की त्रि-स्तरीय जांच की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश द्वार पर अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी चस्पा करना अनिवार्य होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से कराना सुनिश्चित करें। परीक्षा केन्द्रों में आने वाले परीक्षार्थियों की तलाशी ली जाएगी, जिससे परीक्षार्थी वर्जित वस्तुएं लेकर प्रवेश न कर सकें। परीक्षार्थियों की जांच दोनों सत्रों में नियमित रूप से की जाएगी। पुरूष परीक्षार्थियों की जांच पुरूष वीक्षकों और महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला वीक्षक द्वारा केबीन में की जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर परीक्षार्थियों के लिए विकल्प होगा कि वह अपनी फ्रिस्किंग पुरूष अथवा महिला कर्मचारी से करवाना चाहते हैं।

परीक्षा कक्ष में वर्जित वस्तुएं

राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थी के लिए स्टेशनरी संबंधी सामग्री जैसे पेंसिल, रबर (इरेजर), व्हाइटनर, स्केल, बैग्स, पठन सामग्री, आई.टी. गैजेट्स व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, पेनड्राइव, कैल्कुलेटर, ब्लूटूथ, हैंडफी, डिजिटल घड़ी, स्मार्ट घड़ी, एनालॉग घड़ी, कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या कोई ऐसा उपकरण जो संचार उपकरण के रूप में उपयोग किए जाते हैं, वर्जित रहेंगे। इसी तरह एसेसरीज जैसे- बालो को बांधने वाला क्लचर, वक्कल, हाथ के बैंड/ हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक बैंड/ चमड़े के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बैल्ट, कफलींक, धूप के अन्य कोई कीमती सामान साथ ही जूते-मोजे पहनकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित रहेगा।

परीक्षा के समय अनुमत वस्तुएं

राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षार्थी के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थी अपने साथ ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले बनाने के लिए निर्धारित स्याही का पेन, स्वयं का फोटो (यदि आवश्यक हो), पानी की पारदर्शी बॉटल, दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए 3 आवश्यक सामग्री और अन्य कोई सामग्री जो ई-प्रवेश पत्र में निर्दिष्ट हो, साथ में लेकर आ सकते हैं। हिजाब, पगड़ी, पल्ला, हाथ में बंधे धागे/बंधक (कलावा) व ताबीज तथा अन्य धार्मिक मान्यता की वस्तुओं का सूक्ष्मता से परीक्षण किया जाए।

जिले में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत पात्र सत्यापित किसानों से खरीदी के लिए 22 उपार्जन केन्द्र निर्धारित

अब तक करीब 3 हजार से अधिक किसानों के स्लॉट बुक

किसान उप संचालक कृषि कार्यालय व उपार्जन केन्द्र में स्लॉट की अवधि बढ़वा सकते हैं

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत।

रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) के लिए चना एवं मसूर का उपार्जन शुरू हो चुका है। यह उपार्जन 28 मई 2026 तक किया जाएगा। शासन द्वारा निर्धारित उपार्जन नीति निर्देशानुसार एफएक्यू के साथ बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद खरीदी होगी। उपार्जन नीति के मानकों के पालन के लिए समिति प्रबंधकों, ऑपरेटरों व सर्वेयरों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा चुका है।कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत पात्र सत्यापित किसानों से चना एवं मसूर की खरीदी के लिए 22 उपार्जन केन्द्र निर्धारित किए हैं। जारी उपार्जन नीति के अनुसार इस वर्ष औसत अच्छी गुणवत्ता के चना एवं मसूर का समर्थन मूल्य क्रमशः 5875 रुपये और 7 हजार रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में सेवा सहकारी संस्था करताज- सीडब्लूसी कठोतिया, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित मुर्गाखेड़ा- श्री मां वेयरहाउस लोलरी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बिलहेरा- हरसिद्धि वेयरहाउस बिल्हेरा, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बिलगुवा- अमलताश वेयरहाउस रमपुरा, सेवा सहकारी संस्था नांदनेर- एमपीडब्ल्यूएलसी कैम्?पस गाडरवारा, बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था गाडरवारा- गूजर वेयरहाउस जमाड़ा, बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था नरसिंहपुर- अंश वेयरहाउस नरसिंहपुर, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कोसमखेड़ा- चौकसे वेयरहाउस सिंहपुर, बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करेली- श्रीराधा कृष्?ण वेयरहाउस करेली, बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कल्यानपुर- कृष्?णा वेयर हाउस चिरहकला, सेवा सहकारी समिति मर्यादित बढ़ैयाखेड़ा- श्री कृष्?णा स्टोरेज रहली, बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करकबेल- श्री शक्ति कॉर्पो. वेयरहाउस गुंदरई, बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करपगांव- स्?वनिर्मित गोदाम तीन सी करेली, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सिवनीबंधा- स्?वनिर्मित गोदाम चार गोटेगांव, गाडरवारा अर्गोनिक फारमेर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड गाडरवारा- विनायक वेयरहाउस सालीचौका, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सूरना- पाली लाजिस्टिक वेयरहाउस बीतली, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित काचरकोना- श्री राधा वल्?लभ वेयर हाउस ऊमरपानी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित सर्रा- बालाजी वेयरहाउस गर्रा रोड गोटेगांव, शक्तिपूजा महिला फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी करेली- नायक देवी प्रभा वेयर हाउस लिंगा, सेवा सहकारी समिति बिल्?थारी- भूमि वेयरहाउस डोभी ईश्?वरपुर, सेवा सहकारी समिति मर्या. उमरिया- केजीएन वेयर हाउस उमरिया, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सिल्हेटी- गुरूकृपा वेयरहाउस बटेसरा में उपार्जन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपार्जन कार्य सप्ताह में पाँच दिवस सोमवार से शुक्रवार प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक किया जाएगा।

कृषक तौल पर्ची शाम 6 बजे तक जारी की जायेगी। यदि किसी कारणवश कृषकों की उपज की तौल सोमवार से शुक्रवार तक नहीं हो पाती, तो उनकी तौल शनिवार को की जायेगी। जिले में 23 अप्रैल तक 3321 किसानों के द्वारा स्?लॉट बुक किये गये है, जबकि 30 किसानों से 730 क्विंटल चना एवं 22 किसानों 374 क्विंटल मसूर का उपार्जन किया जा चुका है। साथ ही ऐसे कृषक जिनके द्वारा अपनी फसल चना और मसूर के उपार्जन के लिए पंजीयन कराया था और उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग की थी, लेकिन उपार्जन केंद्र चालू नहीं होने अथवा बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं होने से अथवा अन्य कारणों से किसानों के स्लॉट की अवधि समाप्त हो गई है।

किसानो के हित के दृष्टिगत उक्त कृषकों के स्लॉट की अवधि बढ़ाने का ऑप्शन पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी डीडीए लॉगिन पर एनआईसी के द्वारा उपलब्ध कराया गया है, किसान उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर/ उपार्जन केन्?द्र में आवेदन देकर स्लॉट की अवधि बढ़ावा सकते है।

कायस्थ समाज की वाहन रैली सम्पन्न

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत। पाप-पुण्य के लेखक भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राकट्योत्सव पर कायस्थ समाज द्वारा पूजन एवं वाहन रैली का आयोजन किया गया। जिसमें दोपहर 2 बजे यादव कॉलोनी स्थित देव चित्रगुप्त मंदिर में पूजन एवं सत्यनारायण भगवान की कथा हुई। इसके पश्चात सामाजिक गतिविधियों पर विमर्श हुआ। द्वितीय चरण में शाम 5 बजे वाहन रैली सम्पन्न हुई। मंदिर से प्रारंभ हुई रैली बाहरी रोड होते हुए स्टेशन गंज पहुंची, स्टेशन के पश्चात मुख्य मार्ग से होते हुए नरसिंह भगवान के मंदिर पहुंची यहां भोले मुंशी परिवार द्वारा रैली पर पुष्प वर्षा की गई। मंदिर प्रांगण में ही कायस्थ सभा के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव एवं महिला कायस्थ सभा की अध्यक्ष श्रीमती अनीता खरे का स्वागत अधिवक्ता भानु प्रकाश श्रीवास्तव, विष्णु श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव द्वारा किया गया। भगवान नरसिंह के दर्शन उपरांत रैली वापस चित्रगुप्त मंदिर लौटी जहां पर आरती एवं स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। नगर के विभिन्न स्थानों पर अनेक संगठनों ने रैली का अभिनंदन किया। समस्त कायस्थ बंधुओं ने रैली के माध्यम से एवं आपसी विचार विमर्श से राष्ट्रीय एकता को बल देने की बात की।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को वर्जित वस्तुओं को लेकर सख्त निर्देश जारी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मप्र लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन 26 अप्रैल 2026 को दो सत्रों में सम्पन्न होगा। पहला सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2:15 बजे से सायं 4:15 बजे तक होगी। आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार परीक्षा के समय वर्जित वस्तुएं का उल्लेख किया गया है। डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी नरसिंहपुर श्रीमती देवंती परते ने बताया कि सामान्यतः परीक्षाओं में ऐसा पाया गया है कि परीक्षार्थी अपने कपड़ों, कफलिंग, धूप का चश्मा, इलेक्ट्रॉनिक/सेंसर युक्त चश्में, चूते-मोजे, हाथ के बैंड इत्यादि में नाना प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग करते हैं। अतः परीक्षा में किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को रोकने के लिए परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षार्थी चप्पल व सेंडर पहनकर आ सकते हैं। चेहरे को ढककर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षा में पेंसिल, रबर (रेजर) व व्हाईटनर एवं एसेसरीज जैसे बालो को बांधने का क्लचर/ बकल, घड़ी, हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक/ चमड़े के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बेल्ट, धूप में पहने जाने वाले चश्मे, पर्स/ वॉलेट, टोपी वर्जित है। हिजाब, पगड़ी, पल्ला, हाथ में बंधे धागे/ बंधन व ताबीज का सम्मानपर्वक सूक्ष्मता से परीक्षण किया जाएगा। धार्मिक धागे व महिलाओं के आभूषण (ज्वेलरी) उतारे नहीं जाएंगे।

परीक्षा कक्ष में वर्जित वस्तुएं

डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी नरसिंहपुर श्रीमती परते ने बताया कि परीक्षा के समय स्टेशनरी संबंधी सामग्री जैसे पेंसिल, रबर (इरेजर), व्हाइटनर, स्केल, बैग्स, पठन सामग्री, आई.टी. गैजेट्स व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, पेनड्राइव, कैल्कुलेटर, ब्लूटूथ, हैंडफी, डिजिटल घड़ी, स्मार्ट घड़ी, एनालॉग घड़ी, कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या कोई ऐसा उपकरण जो संचार उपकरण के रूप में उपयोग किए जाते हैं, वर्जित रहेंगे। इसी तरह एसेसरीज जैसे- बालो को बांधने वाला क्लचर, वक्कल, हाथ के बैंड/ हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक बैंड/ चमड़े के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बैल्ट, कफलींक, धूप के चश्मा, पर्स/वॉलेट, टोपी और अन्य वस्तुएं जैसे चाबी, लाइटर्स/ माचिस बॉक्स, किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, शार्पनर, ब्लेड तथा अन्य कोई कीमती सामान साथ ही जूते-मोजे पहनकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित रहेगा।

परीक्षा के समय अनुमत वस्तुएं

उन्होंने बताया कि परीक्षा के समय परीक्षार्थी अपने साथ ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले बनाने के लिए निर्धारित स्याही का पेन, स्वयं का फोटो (यदि आवश्यक हो), पानी की पारदर्शी बॉटल, दिव्यांग परीक्षार्थियों के उनके लिए 3 आवश्यक सामग्री और अन्य कोई सामग्री जो ई-प्रवेश पत्र में निर्दिष्ट हो, साथ में लेकर आ सकते हैं।

हिजाब, पगड़ी, पल्ला, हाथ में बंधे धागे/बंधक (कलावा) व ताबीज तथा अन्य धार्मिक मान्यता की वस्तुओं का सूक्ष्मता से परीक्षण किया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में धार्मिक/सामाजिक प्रतीकों को काटने-फाड़ने या बलपूर्वक हटाने की अनुमति नहीं रहेगी।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैठक संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष , जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर अखिलेश शुक्ला के निर्देशन में एवं तहसील विधिक सेवा समिति गाडरवारा के अध्यक्ष श्रीमति संतोषी वासनिक, द्वितीय जिला न्यायाधीश के मार्गदर्शन में दिनांक 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में ए0डी0आर0 सेंटर, गाडरवारा में विद्युत अधिकारियों के साथ बैठक आर0पी0 अहिरवार, षष्ठम जिला एवं अपर सत्र विद्युत विभाग के न्यायाधीश गाडरवारा एवं विद्युत विभाग से आशुतोष ओझा डी0ई0, प्रतिभा पारधे, उमेश कुमार वाल्मिक जे0ई0, आशीष पटैल सहायक अभि0 शुभम मेहरा, मनीष कुमार बकोडे कनिष्ठ अभि0, मंगल सिंह विश्वकर्मा, गोविंद डेहरिया जे0ई0. पुरूषोत्तम धुर्वे, रोहित यादव जे0ई0 चीचली, राकेश सिंह जे0ई0 कोडिया, बसंत तपा अधिवक्ता की उपस्थिति मे आयोजित हुई । द्व उक्त बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों को अधिक से अधिक प्रकरण नेशनल लोक अदालत में रखे जाने एवं अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण समझौते के आधार पर करवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं साथ ही विद्युत विभाग द्वारा दी जा रही छूट के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने, अधिक से अधिक सूचना पत्र जारी किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

सांगई में पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने चित्र बनाकर दिया पृथ्वी बचाने का संदेश

गाडरवारा । विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर समीपी ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में विद्यार्थियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में सहभागिता करते हुए पृथ्वी के आकर्षक चित्र बनाये। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण एवं पृथ्वी बचाने का संकल्प लेकर नारे लगाये।

इस अवसर पर 8 वी की छात्रा रौशनी केवट एवं 7 वी के छात्र हंसराज केवट ने बताया कि पृथ्वी एवं पर्यावरण दोनों का संरक्षण बेहद जरुरी है। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक शिक्षक मधुसूदन पटैल ने छात्र छात्राओं को विश्व पृथ्वी दिवस मनाये जाने से

राजा ह्रदेश शाह जयंती पर निकलेगी शौर्य यात्रा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। आजादी की लड़ाई के महानायक एवं नर्मदा क्षेत्र के वीर शासक राजा ह्रदेश शाह की जयंती के अवसर पर 28 अप्रैल को भव्य शौर्य यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष यह कार्यक्रम राजधानी भोपाल के जंबूरी मैदान में संपन्न होगा, जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे इस आयोजन की तैयारियों को लेकर करेली की पुरानी गल्ला मंडी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने किया, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में शौर्य यात्रा की रूपरेखा, सहभागिता और व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।वक्ताओं ने कहा कि राजा ह्रदेश शाह का योगदान स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय रहा है। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर देशभक्ति और वीरता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

कांग्रेस ने हमारी बहनों के अधिकारों को बाधित करने का काम किया है : एड. प्रियंका दुबे

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक जी के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा जिला महामंत्री अभिषेक रघुवंशी मंडल अध्यक्ष शिवम श्रीवास्तव के सहयोग से महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष इंजीनियर निशा सोनी की अध्यक्षता में प्रदेश प्रवक्ता पैनलिस्ट श्रीमती प्रियंका दुबे जी के द्वारा महिला जन आक्रोश पत्रकार वार्ता की गई। उक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आरक्षण पर कांग्रेस एवं विपक्ष द्वारा नकारात्मकता के साथ महिला हितों पर प्रहार किया गया है।नारी शक्ति वंदन विधेयक को जिस तरह सदन में रोका गया, उससे स्पष्ट है कि वे नहीं चाहते कि देश की महिलाओं को उनका हक मिले। लेकिन अब हमारी बहनें चुप नहीं बैठेंगी वे अपने अधिकार और सम्मान के लिए डटकर खड़ी हैं। हम लोकतांत्रिक तरीके से, सड़क से लेकर संसद तक, मातृशक्ति के साथ खड़े होकर कांग्रेस का विरोध करेंगे। महिलाओं के सशक्तिकरण की थोथी बात करने वाली कांग्रेस का रिकॉर्ड एक अलग ही कहानी बताता है। बार - बार ऐसे मौके आए जब कांग्रेस ने महिलाओं के हितों को नजर अंदाज किया। महिला आरक्षण बिल पास होने के कई मौके होने के बावजदू दशकों तक टालते रहे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय शाह बानो केस में एक महिला के कानूनी अधिकारों को वोट बैंक की राजनीति के आगे रख दिया गया। पार्टी के अदंर सत्ता सरंचना आज भी ज्यादातर पुरुष प्रधान रही है। नेतृत्व के मौके अधिकतर राजनीतिक परिवारों की महिलाओं को मिले, जबकि जमीनी स्तर की महिलाएं पीछे रह गईं। कांग्रेस ने ट्रिपल तलाक खत्म करने का विरोध किया, जिससे मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों से ज्यादा वोट बैंक को प्राथमिकता दी गई। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संसद में पारित नहीं होने से पूरे देश की महिलाओं में एक आक्रोश है इसी संदर्भ में प्रदेश नेतृत्व की मंशानुसार अपने संबोधन में इस अधिनियम की संवैधानिक प्रक्रिया एवं परिसीमन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया साथ ही साथ पत्रकार बंधुओ के द्वारा किए गए प्रश्नों का सकारात्मक समाधान किया। निशा सोनी ने कहा कि अधिनियम के लागू होने से देश की महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बढोत्तरी से महिला की नीति निर्धारक की भूमिका सुदृढ होगी परंतु विपक्ष की महिला विरोधी सोच और नीति के कारण इस ऐतिहासिक अधिनियम को पास नहीं होने दिया गया।प्रेस वार्ता के पश्चात सुभाष पार्क में महिलाओं के द्वारा जन संवाद किया गया एवं आक्रोश रैली निकालकर विपक्ष एवं एनडीए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नारे लगाए गए पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बीना ओसवाल करेली नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता नेमा श्रीमती दीपिका आनंद पार्षद श्रीमती सुषमा तिवारी प्रसिद्ध लेखिका इंदूश्री, समाजसेविका नीरा बुधौलिया एल्डरमैन वर्दा धारे, स्वाति जायसवाल मंजूलता पटेल शालिनी दुबे शकुन नामदेव भारती दीक्षित सोनू सोनी माधुरी यादव ओमवती मालवीय सुषमा विश्वकर्मा एवं बड़ी मात्रा में महिलाएं उपस्थिति रही कार्यक्रम का संचालन महिला मोर्चा जिला सोशल मीडिया प्रभारी श्रीमती शर्वरी सिद्दीकी एवं आभार श्रीमती दपिका आनंद के द्वारा किया गया।

हाइवे पर हुए अंधे हत्याकांड का थाना स्लीमनाबाद पुलिस ने किया खुलासा

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन मे अति पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्ग दर्शन में थाना स्लीमनाबाद प्रभारी कार्य निरी सुदेश कुमार के नेतृत्त्व मे टीम गठित कर हत्या के फरार आरोपीगणों की पता तलाश कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया था। 10 –11 अप्रैल की दरम्यानी रात को थाना स्लीमनाबाद पुलिस को डायल– 112 में छपरा नेशनल हाइवे रोड पर वाहन क्रमांक एमपी 20 जीए 6242 मे एक अज्ञात व्यक्ति के खून से लथपत हालत मे मृत अवस्था मे पडे होने की सूचना प्राप्त हुयी। सूचना पर तत्काल डायल– 112 एवं उप निरी अनिल यादव मय फोर्स के मौके पर पहुंचे एवं उपरोक्त अज्ञात व्यक्ति को तत्काल डायल–112 से शासकीय अस्पताल स्लीमनाबाद कटनी ले जाकर दाखिल कराया गया जिसे डां. के द्वारा मृत घोषित कर दिया था। सूचना पर मर्ग कायम कर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 216/26 धारा 103 (1) बीएनएस का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना अज्ञात मृतक की पहचान ड्राइवर राकेश दाहिया पिता घासीराम दाहिया उम्र 42 वर्ष नि. लखराम मोहल्ला खितौला सिहोरा जबलपुर के रूप में हुयी। थाना स्लीमनाबाद पुलिस द्वारा मौके पर जाकर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया एवं टीम जबलपुर द्वारा घटना स्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए गए व मृतक के परिजनों एवं वाहन मालिक से पूछताछ की गई उपरांत तकनीकी साक्ष्यों एवं मृतक के आने जाने वाले स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की वीडियो फुटेजों का बारीकी से निरीक्षण किया जाकर अज्ञात संदेही/ आरोपियों की पहचान की गई जो 22 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर संदेही रोहित कोल पिता राम सुजान कोल उम्र 21 साल नि ग्राम बंधी थाना स्लीमनाबाद को अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ करने पर बताया कि आरोपी द्वारा अपने साथी अमन चौबे उर्फ पंकज चौबे उर्फ भूत पिता कमलेश चौबे उम्र 22 साल नि ग्राम बंधी थाना स्लीमनाबाद व मनोज के साथ मिलकर लिफ्ट लेकर मृतक के साथ शराब पीकर पैसे की माँग करने लगे, पैसे न देने की बात को लेकर तीनो के द्वारा हाथ मुक्कों व व्हील पाना से मारपीट कर हत्या करना बताया। प्रकरण मे आरोपीगण (1) रोहित कोल पिता राम सुजान कोल उम्र 21 साल नि ग्राम बंधी थाना स्लीमनाबाद कटनी (2) अमन चौबे उर्फ पंकज चौबे उर्फ भूत पिता कमलेश चौबे उम्र 22 साल नि ग्राम बंधी थाना स्लीमनाबाद कटनी से कड़ाई से पूछताछ करने पर जुर्म करना स्वीकार किये है। जिसे मेमोरेण्डम कथन लेख कर विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं घटना मे प्रयुक्त व्हील पाना व मृतक का मोबाइल फोन विधिवत जप्त किया गया। उपरोक्त दोनों आरोपियो को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाकर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया जिनसे इनके अन्य तीसरे साथी के संबंध मे पूछताछ की जा रही है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर जिला पंचायत में गरिमामयी बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागार में आयोजित गरिमामयी कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसके पश्चात अतिथियों ने अपने उद्बोधन में पंचायतों की भूमिका एवं ग्रामीण विकास को लेकर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति एवं जनहितैषी सोच से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने क्षेत्र की जमीनी समस्याओं को मजबूती के साथ उठाते हुए ग्रामीण विकास, सड़क, पेयजल, शिक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर गंभीरता से अपनी बात रखी। उनके द्वारा पंचायतों के विकास एवं आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु किए जा रहे निरंतर प्रयासों की उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता मेहरा, जिला पंचायत सीईओ हरमनप्रीत कौर, जिले भर के सरपंच, सचिव एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण विकास एवं पंचायत सशक्तिकरण की योजनाओं को गांव–गांव तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान क्षेत्रीय विकास एवं जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति देने की आवश्यकता पर बल दिया। उनके सक्रिय नेतृत्व एवं जनसेवा के प्रति समर्पण की कार्यक्रम में विशेष प्रशंसा की गई।

जाइंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना ने किया वृक्षारोपण

कटनी (स्वतंत्रमत)। वृक्ष है तो मानव जीवन का कल है इसी उद्देश्य को पूरा करते हुए जाइंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना कटनी कि समाज सेविकाओं ने हरियाली बढ़ाने और वातावरण को स्वच्छ एवं शीतल बनाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण का कार्य किया। एक पेड़ भविष्य के नाम इस स्लोगन के साथ आहना ग्रुप की समाज सेविकाओं में अमरूद, जामुन, बेल, बरगद, आंवला, आम और नीम जैसे फलदार और छायादार पेड़ लगाकर उनकी देखभाल करने का वचन लिया। आहना ग्रुप की समाज सेविकाओं का कहना है कि वृक्ष हमारे जीवन की मूलभूत आवश्यकता है यह न केवल वायुमंडल को स्वच्छ बनाते हैं बल्कि दैनिक जीवन के लिए कई जरूरी संसाधन भी उपलब्ध कराते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष जरुर लगाना चाहिए साथ ही उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से आहना ग्रुप की समाज सेविकाओं ने न सिर्फ हरियाली को बढ़ावा दिया बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा ही भविष्य की नींव है का एक सशक्त संदेश भी दिया। इस नेक कार्य में सहयोग करने के लिए जॉइंट्स फेडरेशन ग्रुप से दीपिका शर्मा, प्रिया श्रीवास्तव, सुषमा गोस्वामी, दीपाली गुप्ता आहना की अध्यक्ष, वाणी गट्टाणी निशा गुप्ता, कविता लालवानी, उपाध्यक्ष स्वाति नायक और वंदना गट्टानी उपसचिव उपासना बजाज, शालिनी बजाज, उपकोष अध्यक्ष रश्मि गट्टाणी, सिमरन महेश्वरी, भव्या जसूजा, स्मिता सोमानी, रेनुका गोयनका, प्रीति बिलिया, रश्मि राय और सोनिया चौरसिया शामिल रही।

श्री चित्रगुप्त मंदिर का भूमिपूजन, धूमधाम से निकाली गई शोभायात्रा

कायस्थ समाज ने अपने आराध्य देव श्रीचित्रगुप्त का प्राकट्य दिवस मनाया, की गई महाआरती

कटनी (स्वतंत्रमत)

कायस्थ समाज के आराध्य और इंसान के प्रत्येक कर्म का लेखा–जोखा रखने वाले देव श्रीचित्रगुप्त का प्राकट्य दिवस गुरुवार को पूरे उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दोपहर में जगन्नाथ चौक स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर प्रांगन में मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन संपन्न हुआ, वहीं शाम को भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

मंदिर प्रांगण में विधि–विधान से भूमिपूजन

गुरुवार दोपहर को शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि–विधान के साथ मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। इस गौरवमयी अवसर पर भोपाल के पूर्व सांसद आलोक संजर, कटनी के पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, कायस्थ समाज के संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता ओ.पी. निगम, सोहनलाल श्रीवास्तव अनिल खरे, अनादि निगम पंकज निगम, सचिव हेमंत श्रीवास्तव, अनिल खरे, शिशिर श्रीवास्तव, मनोज निगम, राकेश श्रीवास्तव, शैलेश श्रीवास्तव, अनूप बाला श्रीवास्तव, समीप श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, आशु वर्मा, प्रवीण श्रीवास्तव, दिनेश निगम, प्रदीप श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, रविंद्र बक्शी, आमोघ श्रीवास्तव, प्रवीण सक्सेना आदित्य राज निगम सहित समाज के वरिष्ठजनों ने सामूहिक रूप से पूजा–अर्चना की। अतिथियों ने इस अवसर पर कहा कि भगवान चित्रगुप्त का यह मंदिर आने वाले समय में सामाजिक एकता, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी शोभायात्रा

शाम के समय श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई श्रीचित्रगुप्त मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा का जगह–जगह स्वागत किया गया श्री चित्रगुप्त भगवान की आरती उतारी गई।

सामाजिक संस्थाओं ने किया स्वागत–शोभायात्रा के मार्ग पर वैश्य समाज, राम जानकी संस्थान यूथ कटनी, संस्कार भारती, बालाजी गिफ्ट सेंटर, आशा फुटवेयर, सुदर्शना लेडीज क्लब, रजनी वर्मा, अदिता वर्मा, यश खरे, खंडेलवाल समाज, सोनी समाज, ब्राह्मण समाज, जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट, मुस्कान ड्रीम फाऊंडेशन, पंजाबी समाज, शिव शक्ति महिला मिलन ग्रुप, अग्रवाल समाज कल्चुरी समाज, सर्वशक्ति वूमेन ग्रुप स्वदेशी जागरण मंच, उपभोक्ता संरक्षण जायंट सहेली ग्रुप, राजस्थान महिला मंडल, माहेश्वरी समाज का विशेष सहयोग रहा। सभी विशिष्ट समाज के सदस्यों द्वारा पुष्प वर्षा, स्वल्पाहार, फ्रूटी, क्रीम बिस्किट, शरबत शुद्ध पेयजल सेवा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान मनोज सक्सेना के संयोजन में कलाकारों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा के समापन पर मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस भव्य आयोजन में समाज के गणमान्य नागरिकों के साथ–साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी शामिल हुए। प्रमुख रूप से दीपक टंडन भाजपा जिलाध्यक्ष रवि श्रीवास्तव (उपाध्यक्ष) अमित शुक्ला (कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष, एडवोकेट) रजनी वर्मा (महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष) कौशलेश मिश्रा, सुनील उपाध्याय कायस्थ सभा के पदाधिकारीओ सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और युवा उपस्थित रहे।

पीएमयूएम संघ की विभिन्न मुद्दों को लेकर भोपाल में होगी वृहद बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)

प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ पीएमयूएम शिक्षक संघ, कर्मचारी कल्याण कोष द्वारा शिक्षक संवर्ग के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों के समाधान हेतु राजधानी भोपाल में 15 से 20 मई के मध्य एक बृहद बैठक का आयोजन किया जाएगा। संघ के प्रांतीय प्रवक्ता रमाशंकर राजू तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह बैठक संघ के प्रांताध्यक्ष मुरली मनोहर अरजरिया, संस्थापक प्रान्त प्रमुख सतीश खरे, सह–संस्थापक ब्रजेश असाठी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित होगी। बैठक में संघ के समस्त प्रांतीय पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, ब्लॉक अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रभारी संकुल जनशिक्षक प्रभारी उपस्थित रहेंगे।

भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की निकाली गई शोभायात्रा

कटनी (स्वतंत्रमत)। श्री चित्रगुप्त जी महाराज की जयंती पर कायस्थ समाज द्वारा निकाली गई शोभायात्रा सुदर्शना लेडीज क्लब द्वारा शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया व भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की आरती हमारे ग्रुप के द्वारा की गयी एवं शीतल पेय जल वितरित किया बिस्किट, फ्रूटी खादय सामग्री द्वारा सभी श्रद्धालुओ स्वागत किया गया। साथ ही साथ इस स्वागत कार्यक्रम में ग्रुप की सभी सदस्यो की सराहनीय उपस्थिति रही। सभी सम्माननीय बहनों का हार्दिक आभार करती हूं सभी पर भगवान की कृपा आशीर्वाद हमेशा बना रहे। स्वागत कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति मीरा भार्गव, माया तिवारी, शालिनी सोनी, गायत्री जैन, आशु सुहाने, रिचा गेलानी,आदि उपस्थित रहे।

पंचायत एवं नगरीय निकायों की मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

कटनी (स्वतंत्रमत)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत की फेटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एक जनवरी 2026 की संदर्भ तारीख के आधार पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण होगा। फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा। रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति और जिला स्तरीय प्रशिक्षण 27 अप्रैल तक किया जाएगा। फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 15 मई 2026 को किया जाएगा।

पेट्रोल डीजल की किल्लत दूर करने कलेक्टर को पत्र

कटनी (स्वतंत्रमत)। पिछले कई दिनों से कटनी जिले के अनेकों पेट्रोल पंपों में डीजल पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता ना होने का का मुद्दा युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव दिव्यांशु मिश्रा अंशु ने कलेक्टर कटनी का ध्यान आकृष्ठ करते हुए पत्र के माध्यम से जल्द आपूर्ति किए जाने की मांग उठाई है। जानकारी देते हुए अंशु मिश्रा ने बताया कि जिले भर के अनेकों पम्पों में डीजल पेट्रोल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है एवं कई पम्प ड्राई हो चुके है। मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार जल्द पेट्रोल डीजल के दाम में भारी उछाल की ख़बरों को देखते हुए डिपो द्वारा कालाबाजारी किए जाने की खबर है, इस कारण प्रयाप्त मात्रा में डीजल पेट्रोल की उपलब्धता नहीं हो पा रही है। सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल डीजल घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है परंतु वास्तविकता दावों से कुछ अलग है कई पेट्रोल पम्प ड्राई पड़े हुए है। मिश्रा ने कलेक्टर कटनी को जनहित में त्वरित कार्यवाही करते हुए अविलंब से डीजल पेट्रोल की उपलब्धता व काला बाज़ारी रोकने हेतु टीम गठित कर जनता को पर्याप्त मात्रा में डीजल पेट्रोल उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।

जिले में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

कटनी पुलिस की व्यापक रात्रि कांबिंग गश्त

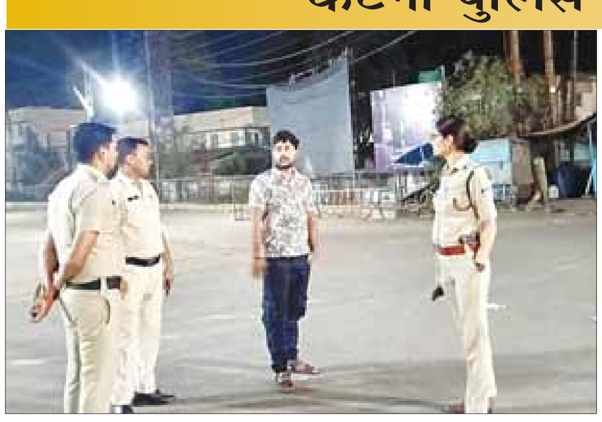

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में अपराध नियंत्रण एवं कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से कटनी पुलिस द्वारा 23 एवं 24 अप्रैल की दरम्यानी रात एक विशेष रात्रिकालीन कांबिंग गस्त अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के दौरान जिले भर में फरार, वांछित एवं संदिग्ध अपराधियों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में सीएसपी कटनी नेहा पच्चीसिया, एसडीओपी विजयराघवगढ़ धीरेन्द्र धार्वे, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा सहित जिले के 15 थाना प्रभारियों ने 175 से अधिक पुलिस बल के साथ स्वयं फील्ड में उपस्थित रहकर कार्रवाई की। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा अपने–अपने थाना क्षेत्रों में 79 स्थाई/ गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार किया एवं 98 से अधिक निगरानी बदमाशों एवं सूचीबद्ध गुण्डों की सघन चेकिंग कर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई तथा आवश्यकतानुसार सख्त चेतावनी दी गई।

कांबिंग गस्त के दौरान की गई प्रमुख कार्यवाही

गिरफ्तारी वारंटी– विभिन्न न्यायालयों द्वारा जारी प्रकरणों में कुल 59 गिरफ्तारी वारंटी तामील कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। स्थाई वारंटी– विभिन्न प्रकरणों में जारी 20 स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी की गई। गुंडा चेकिंग– कुल 49 गुण्डों के निवास स्थानों पर जाकर चेकिंग की गई। निगरानी बदमाश– 49 निगरानी बदमाशों के घरों पर अचानक दबिश देकर सत्यापन किया गया। कटनी मुख्य रेलवे स्टेशन एवं मुड़वारा स्टेशन, बस स्टैंड पर सतत निगाहें रख कर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। अवैध शराब परिवहन/ विक्रय– अवैध शराब परिवहन, विक्रय एवं सार्वजनिक स्थान पर सेवन के विरुद्ध 10 आबकारी प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। संमंस एवं जमानती वारंट– अभियान के दौरान 51 जमानती वारंट एवं 80 संमंस तामील किए गए। मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई– रात्रि वाहन चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 04 चालकों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की गई। धारा 170 बीएनएसएस– शांति भंग की आशंका पर 08 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। धारा 126, 135 बीएनएसएस– शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु 70 प्रकरणों में 75 व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई। धारा 129 बीएनएसएस– 12 व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 61 आदतन अपराधियों को चेक कर सख्त हिदायत दी गई। 36 अपराधियों के डोजियर भरे गए। 08 एटीएम चेक किये गये। यातायात नियमों के उल्लंघन करने पर मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं में 08 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में संपूर्ण जिले में सख्त कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने हेतु कटनी पुलिस द्वारा कांबिंग गस्त की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

भू–अर्जन के मुआवजे को लेकर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद द्वारा किसान हित में लिया निर्णय ऐतिहासिक : संदीप जायसवाल

कटनी (स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद द्वारा किसानों के लिए गए ऐतिहासिक निर्णय एक सकारात्मक और किसान हितैषी निर्णय है, प्रदेश सरकार ने कृषि भूमि के भू–अर्जन के मुआवजे को लेकर एक अभूतपूर्व फैसला लिया है, जिसके तहत अब किसानों को बाजार दर का 4 गुना मुआवजा मिलेगा, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए किसान हित के निर्णय पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं, यह बात भारतीय जनता पार्टी प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक संदीप जायसवाल ने कही। प्रदेश प्रवक्ता संदीप जायसवाल ने कहा इस फैसले से न केवल किसानों को आर्थिक रूप से सशक्तिकरण मिलेगा, बल्कि प्रदेश में विकास की रफ्तार भी तेज होगी और हर वर्ग के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। यह सिर्फ मुआवजा नहीं, बल्कि भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसानों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा हमारा प्रदेश विकसित मध्यप्रदेश की ओर निरंतर बढ़ रहा है, जिसके लिए समय–समय पर भू–अर्जन आवश्यक रहता है। पिछले तीन वर्षों में 55 हजार से अधिक किसानों को 16 हजार करोड़ मुआवजा दिया गया है, जिसे बढ़ाकर अब हर साल करीब 20 हजार करोड़ किया जाएगा। कृषि भूमि के भू–अर्जन से मिलने वाले बढ़े हुए मुआवजे से सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों, पुलों, रेलवे और अन्य विकास कार्यों को गति मिलेगी, जिससे प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। विधायक जायसवाल ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा सिंचाई, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य अधोसंरचना के लिए 33,985 करोड़ रुपये की स्वीकृति से प्रदेश की बुनियादी सुविधाओं में सुधार होगा और किसानों को सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों का लाभ मिलेगा। विधायक जायसवाल ने कहा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। यह निर्णय किसानों की समृद्धि और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा, यह निर्णय किसानों के लिए स्वागत योग्य है, जो उनकी मेहनत को उचित सम्मान देता है, उनके अधिकारों की रक्षा करता है और विकास कार्यों में उनकी भूमिका को मान्यता प्रदान करता है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से अपील है कि वे सरकार के इन प्रयासों को समझें और अधिक से अधिक लाभ उठाएं। अंत में एक बार फिर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के किसानों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए धन्यवाद देते हैं।

राजस्थान के गढ़ में सेंध लगाने उतरेंगे सनराइजर्स हैदराबाद

जयपुर (वार्ता)

जयपुर में हैदराबाद की रन मशीन का मुकाबला राजस्थान की आखिरी उम्मीद से होगा, जब इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 36वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में एक हाई-स्कोरिंग मुकाबला होने की पूरी संभावना है। इस मुकाबले में टूर्नामेंट की सबसे विस्फोटक बल्लेबाजी यूनिट का सामना एक ऐसी घरेलू टीम से होगा, जो अपने तेज़ी से आगे बढ़ रहे विरोधी को रोकना चाहती है और अपने अभियान पर फिर से पूरी तरह से नियंत्रण पाना चाहती है। दोनों टीमों में मैच जिताने वाले खिलाड़ियों की भरमार है, इसलिए इस मुकाबले में इस सीजन के सबसे ज़्यादा चर्चित मैचों में से एक बनने की पूरी क्षमता है।

हैदराबाद लगातार तीन मैच जीतकर जयपुर पहुंची है; धीमी शुरुआत के बाद उन्होंने अपनी लय वापस पा ली है। उनकी वापसी का श्रेय उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जाता है, जिसने हाल के मैचों में विरोधी टीमों की गेंदबाजी को पूरी तरह से पस्त कर दिया है। अभिषेक शर्मा सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं; उन्होंने 200 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 323 रन बनाए हैं, जिसमें पिछले मैच में बनाया गया एक तूफानी शतक भी शामिल है। उन्हें हेनरिक क्लासेन का भी भरपूर साथ मिला है, जिनकी निरंतरता और ज़ोरदार हिटिंग ने उन्हें इस सीजन के सबसे खतरनाक मध्यक्रम के बल्लेबाजों में से एक बना दिया है।

कप्तान ईशान किशन ने आगे बढ़कर टीम की अगुवाई की है और तेज गति से रन बनाते हुए टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ट्रैविस हेड, भले ही अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में न हों, लेकिन वे शीर्ष क्रम में एक बड़ा खतरा बने हुए हैं; वहीं, अनिकेत वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ी टीम की मज़बूत बल्लेबाजी लाइन-अप को और भी ज़्यादा गहराई प्रदान करते हैं। दूसरी ओर, राजस्थान का यह सीज़न कुल मिलाकर काफी अच्छा रहा है, लेकिन हाल के कुछ मैचों में उनकी फॉर्म में थोड़ी-बहुत अस्थिरता देखने को मिली है। इसके बावजूद, वे एक संतुलित टीम हैं और किसी भी विरोधी टीम को कड़ी चुनौती देने में सक्षम हैं, खासकर अपने घरेलू मैदान की जानी-पहचानी परिस्थितियों में।

उनकी बल्लेबाजी मुख्य रूप से वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की विस्फोटक सलामी जोड़ी के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। युवा सूर्यवंशी इस सीजन की सबसे बड़ी खोजों में से एक साबित हुए हैं और उन्होंने बेहद शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं वहीं, दूसरी छोर पर यशस्वी जायसवाल ने टीम को स्थिरता और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन दिया है। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ध्रुव जुरेल ने साझेदारियां बनाने में अहम भूमिका निभाई है; हालांकि, कप्तान रियान पराग भी बल्ले से अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह से बेताब होंगे। मिडिल ऑर्डर में शिमरॉन हेटमायर और रवींद्र जडेजा जैसे मंझे हुए फिनिशर हैं, साथ ही डोनोवन फरेरा भी हैं, जो राजस्थान को हैदराबाद की स्कोरिंग रेट की बराबरी करने की ताकत देते हैं।

गेंदबाजी के मोर्चे पर, राजस्थान के पास तेज और स्पिन गेंदबाजी का एक दमदार मिश्रण है। जोफ्रा आर्चर ने अपनी गति और सटीकता से आक्रमण की अगुवाई की है, जिसे स्पिन विभाग में रवि बिश्नोई का प्रभावी साथ मिला है। नांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा ने अहम विकेट लेकर योगदान दिया है, जबकि जडेजा टीम को और भी संतुलन प्रदान करते हैं। हैदराबाद की गेंदबाजी इकाई, जिसे टूर्नामेंट की शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा था, ने अब काफी सुधार दिखाया है। ईशान मलिंगा एक अहम खिलाड़ी के तौर पर उभरे हैं, जिन्होंने लगातार मैचों में प्रभावशाली स्पेल डाले हैं। उन्हें हर्ष दुबे, साकिब हुसैन और शिवांग कुमार का साथ मिला है, जबकि पैट कमिंस की संभावित वापसी से उनकी गेंदबाजी और भी मजबूत हो सकती है और उन्हें नेतृत्व भी मिल सकता है। इस मुकाबले का नतीजा तय करने में मैदान की भूमिका भी अहम रहने की उम्मीद है। सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच पारंपरिक रूप से संतुलित रही है, हालांकि ऐतिहासिक रूप से यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों को स्पष्ट बढ़त मिली है। पहली पारी का औसत स्कोर 160 के मध्य में रहने और रात में रोशनी के नीचे बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए, टॉस जीतने वाली टीम के पहले गेंदबाजी करने की संभावना अधिक है।

दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबलों (हेड-टू-हेड) का रिकॉर्ड भी थोड़ा हैदराबाद के पक्ष में झुका हुआ है, जिससे इस मुकाबले का रोमांच और भी बढ़ जाता है। इस मुकाबले में उनका हालिया दबदबा और उनकी मौजूदा फॉर्म, उन्हें जीत का थोड़ा अधिक दावेदार बनाती है। हालांकि, राजस्थान का अपने घरेलू मैदान पर जुझारू प्रदर्शन और दबाव में भी मैच जिताने की क्षमता यह सुनिश्चित करती है कि यह मुकाबला बेहद रोमांचक और बराबरी का बना रहेगा। दोनों टीमों के पास विस्फोटक बल्लेबाज और लगातार बेहतर होती गेंदबाजी इकाइयां हैं, ऐसे में यह मैच एक तरफ बेरोकटोक आगे बढ़ती गति और दूसरी तरफ दृढ़ प्रतिरोध के बीच एक जबरदस्त जंग साबित होने की उम्मीद है। जहां एक ओर हैदराबाद अपनी जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगा, वहीं दूसरी ओर राजस्थान अपने घरेलू किले को बचाने की पूरी कोशिश करेगा; ऐसे में सभी संकेत एक बेहद रोमांचक और बड़े स्कोर वाले मुकाबले की ओर इशारा कर रहे हैं, जिसका लीग की अंक तालिका पर गहरा असर पड़ सकता है।

वंशिका और सीजल ने जूनियर महिला एयर पिस्टल में स्वर्ण-रजत जीता

काहिरा, (वार्ता)

भारत ने दिन का दूसरा और प्रतियोगिता का तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जब वंशिका चौधरी और सीजल कांबले ने जूनियर महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में क्रमश: पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। काहिरा में चल रहे आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में यह भारतीय दल का तीसरा डबल पोडियम फिनिश रहा। वंशिका ने फाइनल में 241.3 का स्कोर कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि सीजल ने 24 शॉट्स के फाइनल के बाद 239.6 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। चाइनीज ताइपे की लियाओ के रोंग ने 22 शॉट्स के बाद 218.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में अपनी शीर्ष स्थिति मजबूत कर ली है, जहां अब उसके पास तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक हो गए हैं। इससे पहले क्वालिफिकेशन में वंशिका, सीजल और कनक ने क्रमश: 579, 577 और 576 के स्कोर के साथ शीर्ष तीन स्थान हासिल करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल की शुरुआत में भारतीय खिलाड़ियों की गति थोड़ी धीमी रही, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने नियंत्रण स्थापित किया। हालांकि कनक पदक से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं, जबकि कांस्य पदक लियाओ के नाम रहा। वंशिका, जिन्होंने इस वर्ष घरेलू एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था, ने अपना पहला जूनियर वर्ल्ड कप स्वर्ण हासिल किया। वहीं सीजल का यह प्रतियोगिता में दूसरा रजत पदक है, इससे पहले उन्होंने महिला 25 मीटर पिस्टल में भी दूसरा स्थान प्राप्त किया था।

कम्बोज का पर्पल कैप पर फिर कब्जा, ऑरेंज कैप दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंचे सैमसन

मुम्बई (वार्ता)। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 101 रनों की नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर पहुंच गये है। वहीं उसके साथी अंशुल कम्बोज ने एक बार फिर से पर्पल कैप पर कब्जा कर लिया है। संजू सैमसन ने इस सीज़न लगे चार में से दो शतक लगाए हैं और उनके नाम 293 रन हो चुके हैं। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की जोड़ी अभिषेक शर्मा (323 रन) और हाइनरिक क्लासन (320 रन) अब भी शीर्ष दो में हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू और गुजरात टाइटंस के बीच शुक्रवार की रात होने वाले मैच के बाद ऑरेंज कैप तालिका में बदलाव हो सकता है। 265 रनों के साथ शुभमन गिल चौथे स्थान पर हैं। 247 रनों के साथ विराट कोहली छठे और 230 रनों के साथ रजत पाटीदार नौवें स्थान पर हैं। पर्पल कैप के मामले में सैमसन के साथी खिलाड़ी अंशुल कम्बोज ने एक बार फिर पर्पल कैप वापस हासिल कर ली है। लखनऊ सुपर जॉयंट्स के प्रिंस यादव 13 विकेटों के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। कम्बोज के नाम अब तक 14 विकेट हो चुके हैं। एसआरएच के ईशान मलिंगा और जीटी के प्रसिद्ध कृष्णा दोनों के नाम 12 विकेट हैं।

पंजाब किंग्स का विजय रथ रोकने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली (वार्ता)

यह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का वह मुकाबला है जिसका सबको इंतज़ार रहता है - एक अजेय टीम का सामना एक ऐसी टीम से हो रहा है जो टूर्नामेंट में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है, और यह हाई-स्कोरिंग मुकाबला यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

पंजाब किंग्स इस दिन के मुकाबले में अब तक टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीम के तौर पर उतर रही है - वह अजेय है और आत्मविश्वास से लबरेज है। अब वह जो भी मैच खेलेगी, उस पर उम्मीदों का भारी दबाव होगा - न सिर्फ़ मैच जीतने का, बल्कि उस जीत की लय को बनाए रखने का, जिसने पूरे लीग में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दूसरी ओर, दिल्ली कैपिटल्स लगातार अच्छा प्रदर्शन न कर पाने की समस्या से जूझ रही है; उन्हें पता है कि अगर उन्हें एक और हार का सामना करना पड़ा, तो वे प्लेऑफ़ की दौड़ से और भी ज़्यादा दूर हो जाएँगे। यहीं पर जीत की लय और हताशा का आमना-सामना होता है। दिल्ली का अब तक का सफ़र लगातार अच्छे प्रदर्शन के बजाय बीच-बीच में की गई अच्छी पारियों से ही पहचाना गया है। पारी की शुरुआत में, पथुम निसंका और केएल राहुल से एक मज़बूत शुरुआत की उम्मीद होगी - कुछ ऐसा जिसकी इस टीम को अहम मौकों पर हमेशा कमी खली है। समीर रिजवी और नीतीश राणा ने पारी की गति बढ़ाने की अपनी क्षमता दिखाई है, जबकि मध्यक्रम में ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर की मौजूदगी दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुँचने की ताक़त देती है - बशर्ते टीम की नींव मजबूत रखी गई हो।

टीम का संतुलन काफ़ी हद तक कप्तान अक्षर पटेल पर निर्भर करता है; उनका हरफ़नमौला प्रदर्शन इस मैच में बेहद अहम साबित होगा - खासकर पंजाब की उस बल्लेबाज़ी इकाई के सामने, जिसने इस सीजन में गेंदबाज़ों पर पूरी तरह से अपना दबदबा बनाए रखा है। कुलदीप यादव की स्पिन गेंदबाज़ी और मुकेश कुमार, टी नटराजन व लुंगी एनगिडी की तेज गेंदबाज़ी तिकड़ी को पिछले कुछ मैचों के मुक़ाबले इस बार कहीं ज़्यादा सटीक और नियंत्रित गेंदबाज़ी करनी होगी। करुण नायर, दुश्मंथा चमीरा और आशुतोष शर्मा जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी टीम को और भी ज़्यादा गहराई देती है, लेकिन मैच के दिन उनका प्रदर्शन ही यह तय करेगा कि वे टीम पर कितना असर डाल पाते हैं। इसके विपरीत, पंजाब की टीम एक ऐसी इकाई की तरह नजर आ रही है, जिसके सभी खिलाड़ी एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाकर खेल रहे हैं। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य ने टीम को हमेशा एक धमाकेदार शुरुआत दी है, और अक्सर पहली ही गेंद से गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया है।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल का प्रस्ताव

कैलिफ़ोर्निया (वार्ता)

कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कार्यकारी वेंकी मैसूर का कहना है कि लॉस एंजेलिस 2028 के लिए बनने वाला ओलंपिक क्रिकेट स्टेडियम भविष्य में अपने वैश्विक विस्तार योजनाओं के तहत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीमों की मेज़बानी कर सकता है।

गेम्स में क्रिकेट की वापसी की तैयारी के तौर पर, दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के पोमोना शहर में फेयरग्राउंड्स (जिसे आधिकारिक तौर पर फेयरप्लेक्स के नाम से जाना जाता है) में अब निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह स्टेडियम केकेआर की यूएस फ्रेंचाइजी, लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान बन जाएगा और इस जुलाई में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के मैचों की मेज़बानी करेगा। यह तीन चरणों में बनाया जाने वाला एक मॉड्यूलर स्टेडियम होगा, जिसकी क्षमता इस साल 5,000 प्रशंसकों की होगी, जो 2027 में बढ़कर 8,500 हो जाएगी, और फिर लॉस एंजेलिस 2028 के लिए छह-टीमों वाले टी20 टूर्नामेंट के लिए 15,000 तक पहुँच जाएगी। मैसूर को यह भी उम्मीद है कि यह मैदान अंतत: आईपीएल के प्रदर्शनी मैचों की मेज़बानी कर सकता है, क्योंकि यह प्रतियोगिता संयुक्त राज्य अमेरिका में विस्तार करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, क्या यह शानदार नहीं होगा चुनौती हमेशा खिलाड़ियों की उपलब्धता होती है। एक बार जब आईपीएल सीजन खत्म हो जाता है, तो सभी का कैलेंडर भरा होता है और वे अलग-अलग दिशाओं में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन बीसीसीआई ने क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए कुछ टीमों को बाहर भेजकर प्रदर्शनी मैच खेलने के बारे में बात की है... इसलिए यह हमेशा एजेंडे में रहता है। अमेरिका को व्यापक रूप से दुनिया का सबसे बड़ा खेल बाज़ार माना जाता है और क्रिकेट के लिए एक प्रमुख विकास क्षेत्र के रूप में देखा जाता है। मैसूर ने कहा कि अतीत में यूएस और कनाडा दोनों से आईपीएल टीमों की मेज़बानी के लिए ठोस प्रस्ताव आए थे, हालाँकि उनमें से कोई भी सफल नहीं हो पाया।

चावल, दालों के भाव बढ़े, गेहूं नरम

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ दालों में भी तेजी देखी गयी। गेहूं में नरमी का रुख रहा जबकि खाद्य तेलों के दामों में घट-बढ़ रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 83 रुपये बढ़कर 3,851 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं पांच रुपये सस्ता हुआ और 2,773 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 12 रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में मजबूती रही। उड़द दाल 64 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। मसूर दाल की कीमत 53 रुपये और तुअर दाल की 51 रुपये बढ़ गयी। मूंग दाल 41 रुपये और चना दाल 21 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 16 रिंगिट चढ़कर 4,595 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.08 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 208 रुपये और मूंगफली तेल की 124 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल 119 रुपये और वनस्पति 77 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल में 35 रुपये की बढ़त रही। वहीं, सोया तेल 12 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 39 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। वहीं, चीनी गत दिवस के स्तर पर पड़ी रही।दाल चना 7688.88 रुपये, मसूर काली 8092.42 रुपये, मूंग दाल 10180.18 रुपये, उड़द दाल 10821.07 रुपये, तुअर दाल 11249.21 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2773.49 रुपये और चावल 3851.19 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3258.66 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4303.14 रुपये और गुड़ 5013.91 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17871.30 रुपये, मूंगफली तेल 18850.24 रुपये, सूरजमुखी तेल 17485.95 रुपये, सोया तेल 14894.72 रुपये, पाम ऑयल 13470.32 रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.362 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई, (वार्ता)

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.362 अरब डॉलर बढ़कर पांच सप्ताह के उच्चतम स्तर 703.308 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा का देश का भंडार लगातार तीसरे सप्ताह बढ़ा है। गत 10 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 3.825 अरब डॉलर बढ़कर 700.946 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 17 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 1.481 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और यह 557.463 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसमें अमेरिका डॉलर के साथ जापानी येन, ब्रितानी पाउंड और यूरो भी शामिल हैं जिनके मूल्य का निर्धारण उनकी संदर्भ दर से होता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 79 करोड़ डॉलर बढ़कर 122.133 अरब डॉलर हो गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.87 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार 7.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.841 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा भंडार में यह वृद्धि वर्तमान भू-राजनैतिक परिस्थितियों में देश को अतिरिक्त राहत प्रदान करने वाला है।

वैकल्पिक ईंधन को अपनाने में तेजी की जरूरत: गडकरी

नयी दिल्ली (वार्ता)

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर वैकल्पिक ईंधन को अपनाने पर जोर देते हुए हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताया। श्री गडकरी ने यहां एक निजी होटल में आयोजित दूसरे लॉजिस्टिक्स शक्ति सम्मेलन 2026 में को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया ने हाल में आपूर्ति श्रृंखला में जैसी बाधा देखी है उसके मद्देनजर आने वाले समय में वैकल्पिक ईंधनों और जैव ईंधनों पर विचार करना होगा। हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत अभी ऊर्जा आयातक देश है लेकिन हाइड्रोजन को अपनाने के बाद हम ऊर्जा के शुद्ध निर्यातक बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सोच देश को वैश्विक लॉजिस्टिक्स का केंद्र बनाने की है। ऐसे केंद्र विकसित किये जा रहे हैं जहां राजमार्ग, रेल परिवहन, बंदरगाह और जलमार्ग सब एक ही जगह हों। श्री गडकरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य लॉजिस्टिक्स खर्च को घटाकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नौ प्रतिशत तक लाने का है। वर्तमान में यह 14-16 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि इसे हासिल करने के लिए सरकार मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स अवसंरचना पर एक लाख करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स की लागत कम होने से निर्यात बढ़ेगा, लोगों की आमदनी बढ़ेगी, उनकी क्रय शक्ति बढ़ेगी, कृषि का विकास होगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सम्मेलन में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान संगठन के बढ़ते प्रभाव और वैश्विक व्यापार में उभरती अर्थव्यवस्थाओं की बढ़ती भूमिका पर भी विचार किया गया।

शांति वार्ता अटकने से लुढ़के शेयर बाजार

आईटी कंपनियों में बिकवाली

मुंबई (वार्ता)। आईटी सेक्टर के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को बिकवाली देखी गयी और प्रमुख सूचकांक एक फीसदी से ज्यादा टूट गये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 999.79 अंक (1.29 प्रतिशत) की गिरावट में 76,664.21 अंक पर बंद हुआ जो 09 अप्रैल के बाद का निचला स्तर है। यह सुबह 180 अंक नीचे खुला था और एक समय 1,260 अंक गिर गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 275.10 अंक यानी 1.14 प्रतिशत नीचे 23,897.95 अंक पर बंद हुआ। यह 13 अप्रैल के बाद का इसका निचला स्तर है। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयर लाल निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाली चारों कंपनियां आईटी सेक्टर से हैं। इंफोसिस का शेयर 7.09 प्रतिशत लुढ़क गया। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 5.79 फीसदी, टीसीएस में 4.97 फीसदी और टेक महिंद्रा में 4.25 फीसदी गिरावट रही। आईटी कंपनियों में गिरावट की मुख्य वजह निकट भविष्य के परिदृश्य को लेकर है। इंफोसिस के वित्तीय परिणामों में बताया गया है कि मौजूदा वित्त वर्ष में उसकी राजस्व वृद्धि दर बेहद धीमी रह सकती है। हालांकि पिछली तिमाही का उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.15 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.87 प्रतिशत टूट गया। आईटी सेक्टर का सूचकांक 5.29 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। मीडिया, फार्मा, रियलटी और स्वास्थ्य सेक्टरों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक फिसल गये। बैंकिंग, वित्त, एफएमसीजी, तेल एवं गैस और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों पर भी काफी दबाव रहा। एनएसई में जिन 3,395 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,428 के शेयर लाल निशान में और 863 के हरे निशान में बंद हुए। अन्य 104 कंपनियों के शेयर अंतत: अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स में आईटी कंपनियों के अलावा सनफार्मा का शेयर 3.57 फीसदी गिर गया। आईसीआईसीआई बैंक में 1.59 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.55, एशियन पेंट्स में 1.51, भारती एयरटेल में 1.41, आईटीसी में 1.24, इटरनल में 1.21, बजाज फिनसर्व में 1.20, बीईएल में 1.19, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.15, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.13, अडानी पोर्ट्स तथा टाइटन दोनों में 1.12, और एलएंडटी में 0.99 प्रतिशत की गिरावट रही। पावरग्रिड, मारुति सुजुकी, इंडिगो और टाटा स्टील के शेयर भी नीचे रहे। ट्रेंट का शेयर 1.24 प्रतिशत चढ़ गया। भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस में भी तेजी रही। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.97 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.24 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.33 फीसदी टूट गया। यूरोपीय बाजारों में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.43 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.03 प्रतिशत नीचे था।

प्रदेश में सहकार से हो रहा है डेयरी गतिविधियों का विस्तार : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दुग्ध उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां किसानों की आय बढ़ाने में प्रभावी रूप से सहायक है। किसानों की आय दोगुना करने के लिए किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार डेयरी गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रही है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा प्रदेश के दुग्ध संघों को दिए जा रहे सहयोग से दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है और किसानों को भी दूध के बेहतर दाम मिल रहे हैं। सहकार के भाव से डेयरी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। दुग्ध समितियों में महिला सदस्यता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डेयरी सहकारी कवरेज के विस्तार और सुदृढ़ीकरण, नई डेयरी प्रसंस्करण, उत्पाद निर्माण और पशु चारा संयंत्र के आधुनिकीकरण, डेयरी वैल्यू चैन के डिजिट्लाइजेशन, पारदर्शिता और दुग्ध उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ये निर्देश मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की राज्य स्तरीय संचालन समिति की द्वितीय बैठक में दिए। मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में हुई बैठक में सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल, वरिष्ठ विधायक तथा वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अध्यक्ष नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड मीनेष शाह उपस्थित थे।

किसानों को नवाचार करने के लिए प्रेरित किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के दुग्ध क्षेत्र में अनुभव का लाभ राजधानी से लेकर ग्राम स्तर तक सुनिश्चित किया जाए। दूध और दुग्ध उत्पादों के बिक्री में सुधार के लिए ब्राण्ड सुदृढ़ीकरण और नई पैकेजिंग डिजाइन कर उत्पादों की पहुंच का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुग्ध उत्पादन में वद्धि और विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण के लिए किसानों को नवाचार करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों तथा प्रदेश के युवाओं को डेयरी टेक्नोलॉजी की नई तकनीकों से परिचित कराने की भी आवश्यकता है।

1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और दुग्ध संघों का कार्यअनुबंध करने के बाद वर्ष 2025-26 में 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया तथा 701 निष्क्रिय दुग्ध समितियों को क्रियाशील किया गया। प्रदेश में प्रतिदिन 9 लाख 67 हजार कि.ग्रा. दुग्ध संकलन किया जा रहा है, साथ ही 153 नवीन बल्क मिल्क कूलर की स्थापना की गई है।

दूध और दूध उत्पादों का क्रेडिट पर विक्रय बन्द कर दिया गया है। प्रदेश में दुग्ध संकलन मोबाइल ऐप से प्रारंभ किया जा रहा है, जिसके माध्यम से दुग्ध प्रदायकों को दूध की मात्रा, गुणवत्ता और मूल्य की जानकारी तत्काल प्राप्त हो सकेगी। क्षेत्र संचालन तथा विपणन कार्य में लगे मैदानी अमले की मॉनीटरिंग के लिए फील्ड फोर्स मॉनीटरिंग ऐप आरंभ किया गया है।

प्रदेश में दूध की गुणवत्ता में सुधार

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में दूध की गुणवत्ता में सुधार, उत्पादन में हानि को कम करने और एक समान उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है। इंदौर में स्थापित 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र आरंभ किया जा चुका है। शिवपुरी में 20 हजार लीटर क्षमता के डेयरी संयंत्र और ग्वालियर डेयरी संयंत्र के सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। पशु आहार संयंत्रों की क्षमता का अधिकतम उपयोग करने के लिए विशेष व्यवस्था लागू की गई है।

पीपीपी मोड पर भी प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास उमाकांत उमराव, प्रमुख सचिव सहकारिता डी. पी. आहूजा, सहित राज्य सरकार और एनडीडीबी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

19.8 लाख महिला संग्राहकों को 344.5 करोड़ पारिश्रमिक का भुगतान

महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों के सशक्ति करण के लिये प्रदेश में संवेदनशील और दूरदर्शी नीतियां: मुख्यमंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विशेष रूप से महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों के जीवन में ठोस बदलाव लाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार नारी शक्ति के उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी संकल्प को मूर्त रूप देते हुए मध्यप्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहक महिलाओं के हित में निर्णय लिये गये हैं। इन निर्णयों से 'नारी शक्ति वंदन' की भावना धरातल पर साकार हो रही है। राज्य सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण की दर को 3,000 से बढ़ाकर 4,000 प्रति मानक बोरा कर दिया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप प्रदेश में लगभग 708.8 करोड़ रुपये पारिश्रमिकका भुगतान किया गया है। इससे महिलाओं को लगभग 344.5 करोड़ रुपये का सीधा लाभ हुआ है। यह वृद्धि केवल आय बढ़ाने का उपाय नहीं, बल्कि ग्रामीण और वनवासी महिलाओं को सम्मानजनक आर्थिक पहचान देने का प्रयास है। संग्राहकों को कुल 132.42 करोड़ का बोनस वितरित किया गया है। इसमें महिला संग्राहकों का हिस्सा लगभग 64.36 करोड़ है। तेंदूपत्ता संग्रहण जैसे पारंपरिक कार्य को आधुनिकता से जोड़कर सरकार ने यह सिद्ध किया है कि नारी शक्ति संवेदनशील और दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से समाज के हर स्तर पर परिवर्तन ला सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह पहल न केवल महिलाओं की आय बढ़ा रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास, सम्मान और सामाजिक स्थिति को भी नई ऊंचाई दे रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में कुल 40.8 लाख संग्राहकों में लगभग 19.8 लाख महिलाएं हैं। इस तरह महिलाओं की भागीदारी लगभग 48.6प्रतिशत है। स्पष्ट है कि यह केवल वन आधारित आजीविका नहीं, बल्कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का भी एक बड़ा माध्यम है।

'नारी शक्ति वंदन' मध्यप्रदेश में एक जीवंत अभियान बन चुका है, जहां महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की सहभागी हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए सरकार ने बहुआयामी योजनाएं लागू की हैं। इनमें 'चरण पादुका' योजना, सामाजिक सुरक्षा लाभ और वन समितियों के माध्यम से सामुदायिक सशक्तिकरण के साथ ही ग्राम विकास एवं वन संरक्षण के लिए 35.31 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

प्रदेश में 6 लाख घरों पर लगेंगे सौर ऊर्जा संयंत्र : शुक्ला

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में होगा डिजिटल एग्रीमेंट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया है कि मध्यप्रदेश में 6 लाख घरों पर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सौर ऊर्जा संयंत्र लगाये जायेंगे। इसके लिये वेंडर्स से डिजिटल एग्रीमेंट भी किया जायेगा। इससे सौर संयंत्र की स्थापना लागत में कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये सरकार कृत-संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

मंत्री श्री शुक्ला ने बताया कि हितग्राही एवं वेंडर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा विभिन्न शुल्कों में कमी लाने के लिये डिजिटल एग्रीमेंट किये जाने संबंधी याचिका मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग में लगाई थी। रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क, मीटर जांच शुल्क और इंस्टॉलेशन/कमीशनिंग शुल्क एवं अलग-अलग भौतिक अनुबंधों के स्थान पर डिजिटल एग्रीमेन्ट लागू करने के संबंध में मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने याचिका की सुनवाई के बाद डिजिटल एग्रीमेंट के लिये आदेश पारित कर दिया है।

आज गर्भवती महिलाओं के लिए लगेंगे विशेष उपचार क्लीनिक

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके अठया के निर्देशन में विस्तारित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ स्वास्थ्य देखभाल के लिए आज विशेष स्वास्थ्य जांच उपचार क्लीनिक आयोजित किये गये है। इस संबंध में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने बताया कि 25 अप्रेल को सिविल अस्पताल हटा सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं समुदाय के निकट संचालित आयुष्मान आरोग्यम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रए उप स्वास्थ्य केन्द्र में विशेष स्वास्थ्य जांच उपचार क्लीनिक लगाए जाएगे।

80 करोड़ बहाए फिर भी बूंद-बूंद पानी को तरसा हटा

नलों से आ रहा बदबूदार पानी, लोगों का फूटा गुस्सा

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा नगर में इन दिनों पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। घर-घर नल से जल योजना पर 80 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने के बावजूद हालात ऐसे हैं कि कई वार्डों में लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। गौरीशंकर वार्ड, संजय वार्ड और रामगोपाल जी वार्ड में हाल यह है कि 4-5 दिन के अंतराल में महज 20-30 मिनट ही जल प्रदाय हो रहा है और जो पानी आता है वह इतना गंदा और बदबूदार होता है कि निस्तार में भी उपयोग के लायक नहीं रहता। स्थानीय रहवासी पुष्पेंद्र पांडेय, सब्बि चौरसिया और मुन्ना सोनी ने नलों से आ रहे गंदे पानी को बर्तनों में भरकर सार्वजनिक किया। सोशल मीडिया पर जैसे ही ये तस्वीरें वायरल हुईं। नगर पालिका की जल व्यवस्था पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। यूजर्स ने तीखे कमेंट करते हुए सवाल उठाए, जब नगर में पार्षद, अध्यक्ष और सीएमओ मौजूद हैं तो आखिर समस्या का समाधान क्यों नहीं। संजय वार्ड के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि अशोक पराशर ने आरोप लगाया कि कई दिनों से पीला और बदबूदार पानी सप्लाई हो रहा है लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। वहीं पूर्व पार्षद प्रतिनिधि हरेंद्र दुबे ने पूरे मामले में जल ऑडिट कराने की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि अगर 80 करोड़ रुपये पूरी योजना पर खर्च करने के बजाय प्रत्येक वार्ड में 5-6 करोड़ रुपये व्यवस्थित तरीके से खर्च किए जाते तो हर वार्ड में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सकता था। सबसे विडंबना यह है कि सुनार नदी के किनारे बसे हटा नगर के लोग ही पानी के लिए तरस रहे हैं। अब नगरवासियों की एक ही मांग है या तो नल से जल योजना को सही तरीके से लागू किया जाएए या फिर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो। फिलहाल हालात यह हैं कि हटा में पानी नहीं बल्कि समस्या ही बह रही है।

हटा में रफ्तार का कहर

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के रनेह मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। अनियंत्रित कार क्रमांक एमपी15सीए6091 बिजली के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिजली पोल टूटकर गिर गया और पास स्थित एक मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि हादसे में कार सवार बाल-बाल बच गया। घटना बीती रात करीब 3:35 बजे की बताई जा रही है। हादसे में मुकेश चक्रवर्ती के मकान का एक हिस्सा, सीढ़ियां और पिलर क्षतिग्रस्त हो गए। पीड़ित के अनुसार कार की टक्कर से घर के बाहर लगे दो सीसीटीवी कैमरे और केबल भी टूट गए। घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें साफ देखा जा सकता है कि तेज गति से आ रही कार मकान के बाहर लगे बिजली पोल से टकराती है जिससे पोल टूटकर गिर जाता है और मकान को भी नुकसान पहुंचता है। धमाके की तेज आवाज सुनकर घर के लोग बाहर निकल आए।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव 2 मई को

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत लाड़ली लक्ष्मी दिवस को 2 मई को पूरे प्रदेश में उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगाए जिसका सीधा प्रसारण वेबकॉस्ट के माध्यम से किया जाएगा। जिला, नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के प्रतिभागी वेबकॉस्ट के जरिए इस राज्य स्तरीय आयोजन से जुड़ेंगे। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने बताया कि सभी स्तरों पर लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम में लाड़ली बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जहां वे संचालन से लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम में स्कूल एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत लाड़ली बालिकाएं अपने विचार रखेंगी। अपराजिता पहल के अंतर्गत मार्शल आर्ट का प्रदर्शन भी किया जाएगा, जिससे बालिकाओं के आत्मरक्षा कौशल को बढ़ावा मिलेगा। उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली पंचायतों को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। लाड़ली बालिकाओं को आश्वासन प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। लाड़ली लक्ष्मी क्लब की अध्यक्ष एवं सदस्य अपने अनुभव साझा करेंगे तथा क्लब की गतिविधियों की जानकारी देंगेए संगीत, नृत्य और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से लाड़ली बालिकाएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण होगा। हर स्तर पर लाड़ली वाटिका में जनप्रतिनिधियों और बालिकाओं द्वारा एक-एक पौधा रोपित किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जाएगा।

लू से बचाव हेतु सावधानियां अपनाएं

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके अठया ने दमोह जिले के समस्त नागरिकों से आग्रह किया है कि बढ़ती गर्मी एवं लू के प्रभाव को गंभीरता से लें तथा आवश्यक सावधानी अपना कर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखें। डॉ. अठया ने बताया कि लू एक गंभीर स्वास्थ्य स्थिति है जिसमें अत्याधिक गर्मी के कारण शरीर का तापमान 40 अंश सेल्सियस या 104 फेरेनहाइट या उससे अधिक हो जाता है। और इस दौरान उसके मन में भ्रम, चक्कर या बेहोशी जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। यदि समय पर उपचार न मिले तो यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बंद कर सकती है।

नरवाई जलाना खेत और सेहत दोनों के लिए हानिकारक : कंषाना

कृषि चौपाल के माध्यम से प्रदेशभर में किसान जागरूकता अभियान

भोपाल (स्वतंत्र मत)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि प्रदेश में नरवाई जलाने के नुकसान और नहीं जलाने के फायदों को लेकर कृषि विभाग द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप 'कृषि चौपाल' के माध्यम से हर विकासखंड के गांवों में किसानों को नरवाई प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी दी जा रही है। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि रबी कटाई के बाद अप्रैल-मई में यह अभियान तेज कर दिया गया है। वर्तमान में मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड, महाकौशल, चंबल और विंध्य क्षेत्र के सभी 313 विकासखंडों में 'कृषि चौपाल' आयोजित की जा रही हैं। बड़े स्तर पर नरवाई प्रबंधन पर चर्चा हो रही है। कृषि विज्ञान केंद्र, आत्मा परियोजना और कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से लाइव प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं।

मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि नरवाई जलाने के कई दुष्परिणाम हैं। इसे जलाने से मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है। लगभग 1 टन नरवाई जलाने से 5.5 किलो नाइट्रोजन, 2.3 किलो फॉस्फोरस, 25 किलो पोटाश व 400 किलो कार्बनिक पदार्थ जल जाते हैं, जिससे मित्र कीट मर जाते हैं। पर्यावरण व स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। धुएं से जहरीली गैसें बढ़ती हैं, जिससे सांस व आंखों के रोग होते हैं। दृश्यता घटने से सड़क हादसे बढ़ते हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देश पर नरवाई जलाना दंडनीय अपराध है और जुर्माने का प्रावधान है। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि नरवाई नहीं जलाने के फायदे हैं। इसे खेतों में मिलाने से भूमि की सेहत सुधरती है। हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, मल्चर से नरवाई खेत में मिलाने पर जैविक कार्बन बढ़ता है, पानी रोकने की क्षमता 30 प्रतिशत बढ़ती है। किसानों को अतिरिक्त आय भी होती है। स्ट्रॉ बेलर से गट्ठर बनाकर गोशाला, पेपर मिल, बायो-सीएनजी प्लांट को बेचा जा सकता है।

पराली को खेत में मिलाने से अगली फसल में 20 प्रतिशत यूरिया कम लगती है। प्रदेश में नरवाई प्रबंधन यंत्रों पर 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने अपील की है कि किसान 'कृषि चौपाल' में अवश्य भाग लें और 'ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल' से मशीनों के लिए आवेदन करें। उन्होंने कहा कि नरवाई खेत का सोना है, इसे जलाएं नहीं, अपनाएं। अधिक जानकारी के लिए किसान कॉल सेंटर या 'एमपी किसान ऐप' पर संपर्क कर सकते हैं।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक LIG 94 श्रीमती कनक मंजरी पति श्री सतीश चंद्र अवस्थी के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 06.02.2010 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती कनक मंजरी पति श्री सतीश चंद्र अवस्थी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 26.02.2026 के माध्यम से श्री अतुल मिश्रा पिता श्री शिव कुमार मिश्रा को विक्रय किया है। अतः श्री अतुल मिश्रा पिता श्री शिव कुमार मिश्रा द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक MIG - 15 श्रीमती विनीता साहू पति श्री विजय कुमार साहू के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 24.04.2017 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती विनीता साहू पति श्री विजय कुमार साहू ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 15.10.2025 के माध्यम से श्रीमती अंशु तिवारी पति श्री राकेश तिवारी को विक्रय किया है। अतः श्रीमती अंशु तिवारी पति श्री राकेश तिवारी द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 24/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कमलेश कुमार मरावी पिता श्री पंचू लाल ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 41 मंगलेश्वरी रियल इस्टेट संपत्ति के पिन क्रमांक 90000087421 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1375 व.फु. पर जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती प्रियंका सिंह परिहार पिता/पति अभयजीत सिंह परिहार का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 24/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अलका नायक पति श्री हरिशंकर नायक ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक जेएम हाईटस पचपेढ़ी फ्लेट नं. 401 संपत्ति के पिन क्रमांक 1000363953 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल पर जिस पर निर्मित चतुर्थ तल 1164 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्री मनोज जेठानी पिता श्री अर्जुनदास जेठानी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 24/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पूजा बावरिया पति श्री प्रकाश चंद बावरिया ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक सामुदायिक भवन के बाजू से रेवा नगर जिडास कालेज संपत्ति के पिन क्रमांक 1003051742 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 600 व.फु. पर जिस पर निर्मित भूतल 300 व.फु. पर निम्न दस्तावेज अनु. विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्री तरूण कुमार अठया पिता श्री कृष्ण कुमार अठया का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 24/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अरविंद मिंज पिता श्री रिमिस मिंज ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 40 मंगलेश्वरी संपत्ति के पिन क्रमांक 9000087423 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1375 व.फु. पर जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती प्रियंका सिंह परिहार पति श्री अभयजीत सिंह परिहार का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 24/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुरजीत सिंह साहनी पिता श्री ज्ञानेन्द्र सिंह साहनी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 62 स्विस विलास फेस-1 संपत्ति के पिन क्रमांक 1004522611 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2248 व.फु. पर जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्री अक्षय संजय बहादुर पिता श्री संजय बहादुर (2) श्रीमती साक्षी अजय बहादुर पिता श्री अक्षय बहादुर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

> डुमना एयरपोर्ट पर एरोड्रम कमेटी की बैठक संपन्न

आपदा से निपटने रखें तैयारीः कलेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। डुमना एयरपोर्ट पर शुक्रवार को सुरक्षा और आपातकालीन प्रबंधन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने की। एरोड्रम कमेटी की इस उच्च स्तरीय बैठक में एयरपोर्ट डायरेक्टर सहित समिति के सभी सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में होने वाले किसी भी प्रकार के अवैधानिक हस्तक्षेप को रोकना और सुरक्षा व्यवस्थाओं को अभेद्य बनाना रहा। इस दौरान एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़े विभिन्न उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।

> मंत्री प्रतिमा बागरी के कास्ट सर्टिफिकेट की जांच कराएगी सरकार

मप्र हाईकोर्ट में हुई मामले की अहम सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर शुक्रवार को मप्र हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई। जिसमें कोर्ट के सामने राज्य सरकार ने वादा किया है कि प्रतिमा बागरी के कास्ट सार्टिफिकेट की जांच करवाई जाएगी। इसके लिए उच्च स्तरीय छानबीन समिति गठित की जाएगी। यह कमेटी जांच रिपोर्ट तैयार कर सरकार के समक्ष पेश करेगी। सरकार की ओर से यह भी कहा है कि मंत्री प्रतिमा बागरी को तलब कर इस पूरे मामले की पूछताछ के साथ-साथ जांच भी होगी। इस मामले में हाईकोर्ट को बताया है कि 60 दिनों के भीतर जांच को कम्पलीट कर लिया जाएगा।

भव्यता के साथ मनाया हितकारिणी महिला महाविद्यालय का 93वां वार्षिक उत्सव

स्वर्ण पदकों का हुआ वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समा

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में 93वां वार्षिक उत्सव एवं स्वर्ण पदक वितरण समारोह अत्यंत गरिमामय, भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राजेश वर्मा (कुलगुरु, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुननेना पटेरिया (सभापति, हितकारिणी सभा) एवं पं. नित्य निरंजन खंपरिया की विशिष्ट उपस्थिति रही।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कार्यक्रम की अध्यक्षता हर्ष जैन (अध्यक्ष, हितकारिणी महिला महाविद्यालय) ने की। मंच पर डॉ. रंजना मिश्रा (विशेष कर्तव्य अधिकारी, उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग) एवं एड श्याम विश्वकर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि उन्होंने अपने पिताजी एवं पत्नी की स्मृति में स्वर्ण पदक प्रारंभ कर एक प्रेरणादायी पहल की।

पूर्व छात्राओं को किया सम्मानित

कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. सुनीता बजाज द्वारा स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात प्राचार्य डॉ. नीलेश पाण्डेय ने वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समारोह में मेधावी छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही स्वरोजगार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही छात्राओं एवं महाविद्यालय की पूर्व छात्राओं को भी सम्मानित किया गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।

फैशन शो का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में विशेष आकर्षण के रूप में आयोजित फैशन शो ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया, जिसका सफल संचालन मेघा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब की सदस्याओं की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर नितिन अग्रवाल (अध्यक्ष, हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज), एड जयेश राठौर (मंत्री, हितकारिणी सभा विद्या परिषद) एवं संजय बघेल सहित जनभागीदारी समिति के सदस्य मंचासीन रहे। साथ ही शहर के विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एड प्रशांत मिश्रा, राजेश सोनकर, रत्नेश मिश्रा, डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव एवं डॉ. रोहित मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह का सफल संचालन डॉ. अंशुल मिश्रा द्वारा किया गया, जबकि उपप्राचार्य डॉ. पूर्णिमा तिवारी ने आभार प्रदर्शन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की सफलता में महाविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्षों एवं स्टाफ का विशेष योगदान रहा, जिनमें डॉ. आशीष मालपानी, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. चित्रा मिश्रा, अधिकारी दिनेश सिंह ठाकुर, प्रो. पूजा मिश्रा, सुब्रसेन, ज्योति नागल, नंदिता वर्मा, छाया दुबे, प्रीति दीवान एवं लेखा अधिकारी पवन विद्या की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में प्राचार्य डॉ. नीलेश पाण्डेय एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुनीता बजाज ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन शिक्षा, संस्कार एवं प्रतिभा के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

लैब टेस्ट में फेल हुआ बच्चों को बुखार में दिए जाने वाला पैरासिटामॉल सिरप का बैच

क्लंपिंग मिलने पर दिए वापसी के आदेश

उपयोग पर लगाई रोक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में दवा भंडारण और वितरण प्रणाली की गुणवत्ता निगरानी के दौरान पैरासिटामॉल सिरप का एक बैच अमानक पाया गया है। मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन कोठरी ने बताया कि यह खामी दवा की भौतिक गुणवत्ता (फिजिकल अपीयरेंस) से संबंधित है, न कि उसके रासायनिक घटक या प्रभाव से। शासन द्वारा प्रतिमाह दवाओं के रैंडम सैंपल लेकर उन्हें एनएबीएल प्रमाणित प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेजा जाता है। दवाओं की आपूर्ति से पहले भी उनकी रिपोर्ट के आधार पर ही उपयोग सुनिश्चित किया जाता है। इसके बावजूद, स्टोर में उपलब्ध दवाओं की निरंतर निगरानी जारी रहती है। इस दौरान अमानक पाए गए बैच में क्लंप्स (क्रिस्टल का जमाव) मिले हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, पैरासिटामॉल सिरप में कभी-कभी चाशनी जैसे घोल में क्रिस्टल जमा हो जाते हैं, जिसे क्लंपिंग कहा जाता है। इसी कारण इस बैच को अमानक घोषित किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि दवा के ड्रग कंटेंट या उसकी शक्ति में कोई कमी नहीं पाई गई है। समस्या केवल उसकी भौतिक गुणवत्ता (दिखावट) से संबंधित है। संबंधित बैच को जिन स्थानों पर भी वितरित किया गया था, वहां से उसे वापस मंगाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

दोबारा हो सकती है जांच

निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, इस बैच का उपयोग पूरी तरह रोक दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर इसकी दोबारा एनएबीएल जांच कराई जा सकती है। अन्यथा, अगस्त 2026 में इसकी एक्सपायरी तिथि के बाद नियमानुसार इसका विनष्टीकरण किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि यह पूरी कार्यवाही मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है और दवाओं की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जा रही है।

साइकिल सवार का मोबाइल लूट ले गये बाइक सवार बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिहोरा क्षेत्र में बाईक सवार तीन बदमाश एक साइकिल सवार युवक का मोबाईल झपट्टा मारकर ले उड़े। पुलिस ने बताया कि मोहसाम निवासी 25 वर्षीय सचिन पटेल मनसकरा पेट्रोल पंप में काम करता है। बीती रात करीब सवा दस बजे वह साइकिल से अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह मिश्रा पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा तो बदमाशों ने अपनी बाईक उसकी साइकिल के सामने अड़ाकर उसे रोक लिया और झपट्टा मारकर उसका मोबाईल ले भागे। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

860 प्रगणकों का प्रशिक्षण शुरू

जबलपुर। नगर निगम के 16 संभागों में आगामी जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में 23 अप्रैल से आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) मढोताल में 860 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के सीधे मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए आई.टी.आई. के 20 अलग-अलग कक्षों में आधुनिक सुविधाओं के साथ व्यवस्था की गई है। जनगणना निदेशालय के विशेषज्ञों सहित मास्टर ट्रेनर प्रो. चंद्रशेखर राजहंस और मनोज नथानी की टीम कर्मियों को डेटा संकलन की बारीकियों से अवगत करा रही है। कार्य की संवेदनशीलता को देखते हुए नगर जनगणना अधिकारी मनोज श्रीवास्तव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरंतर औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

जन मुद्दों को प्राथमिकता से हल करें

संभागायुक्त ने कलेक्टर्स की बैठक में दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संभागायुक्त धनंजय सिंह ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टरों से शासन के कार्यक्रमों एवं प्राथमिकता अभियानों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्हों ने निर्माण कार्यों से संबंधित विभागों की विस्तार से समीक्षा की स लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, भवन विकास निगम, सेतु निर्माण, मप्र पुलिस आवास एवं अधोसंरना विकास निगम, जल संसाधन विभाग तथा मप्र सड़क विकास निगम द्वारा संभाग के सभी जिलों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। सभी जिलों में चल रहे प्रगतिरत, पूर्ण, अपूर्ण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर अप्रारंभ कार्यों के कारणों के बारे में जानकारी ली। संभागायुक्तत श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्तो के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। वीडियों कॉन्फ्रेंस में राजस्व, एवं सामान्य प्रशासन से जुड़े मामलों, जिसमें राजस्वप न्यायालयों के लंबित प्रकरण, राजस्व, वसूली, सीएम हेल्पपलाईन आदि से प्राप्त शिकायतोंए लंबित विभागीय जांचों, अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन प्रकरणों पर समीक्षा कर इन्हें समय सीमा में निराकरण करने के साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पूर्व में निर्मित अमृत सरोवरों को राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन पर भी विस्तार से चर्चा कर प्रगति का जायजा लिया। समीक्षा के दौरान जिले के कलेक्टर्स एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी वर्चुअली रूप से सम्मलित रहे।

महिला का रुपये, सोने की चेन व पर्स ले भागा आरोपी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लार्डगंज पुलिस ने बताया कि सीएमएस कम्पाउंड निवासी 61 वर्षीय जूली रोजलिन झा रिटायर्ड नर्स है। जो कि विगत दिनों निवाडंज स्थित स्वाभिमान ट्रेडर्स में झाड़ू खरीद रहीं थी। उसी दौरान एक लड़का पहुंचा और उससे झाड़ू को लेकर बाते करने लगा। जैसे ही उसने अपनी गाड़ी की डिक्की से पर्स निकालकर दुकानदार को देने लगी तो आरोपी युवक उसका पर्स छीनकर भाग गया। जिसमें 25 हजार रुपये की नगदी व एक सोने की चेन, आधार कार्ड और पेन कार्ड रखा था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

जिला अस्पताल पहुंचे कलेक्टर ने स्वास्थ्य सुविधाओं को जांचा

मरीजों से किया संवाद, सुनी उनकी समस्याएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने शुक्रवार को सेठ गोविंददास विक्टोरिया जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर संबंधित चिकित्सकों से उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली और उपचाराधीन मरीजों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। विशेष रूप से कलेक्टर सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे टाइप-1 डायबिटीज समर्पित साप्ताहिक फॉलोअप क्लीनिक का अवलोकन किया। उन्होंने पाया कि प्रत्येक शुक्रवार को ओपीडी नंबर 9 में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक संचालित होने वाला यह क्लीनिक जिले के गंभीर मधुमेह रोगियों के लिए जीवन रक्षक सिद्ध हो रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि एक ही छत के नीचे विशेषज्ञ परामर्श, गहन उपचार और मधुमेह शिक्षा उपलब्ध होने से मरीजों को काफी राहत मिल रही है। इस व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी मरीजों को पूरे महीने के लिए निशुल्क इंसुलिन, सीरिंज, ग्लूकोमीटर और 100 स्ट्रिप्स की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ पूरी तरह समाप्त हो गया है।

30 हजार नर्सिंग छात्रों को झटका, बिना मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की अनुमति के नहीं होंगी परीक्षाएं

28 अप्रैल से आयोजित थी परीक्षाएं, हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र के नर्सिंग कॉलेज मान्यता फर्जीवाड़े मामले में शुक्रवार को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस अविनेंद्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने कहा कि बिना हाईकोर्ट की अनुमति के परीक्षाएं नहीं होगी। आगामी परीक्षाओं के लिए नर्सिंग काउंसिल को अनुमति लेनी होगी। साथ ही अपात्र कॉलेजों के छात्रों को पात्र कॉलेजों में ट्रांसफर किए जाए। बता दें कि आगामी 28 अप्रैल से परीक्षाएं आयोजित की गई थी। इससे पहले हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने जांच की तो पाया कि 800 में से 600 कॉलेज अपात्र थे। कोर्ट का यह फैसला प्रदेश के 30 हजार से ज्यादा नर्सिंग छात्रों के लिए झटका है। दरअसल लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन की जनहित याचिका में मध्य प्रदेश में 2020-21 में खुले सैकड़ों फर्जी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी। जिसमें बताया गया कि हाईकोर्ट की सख्ती के बाद हुई सीबीआई जांच में लगभग 800 नर्सिंग कॉलेजों में से करीब 600 कॉलेज अनुपयुक्त या कमियों से भरे पाए गए थे।

कागजों में चल रहे थे कई कॉलेज

इन संस्थानों में भवन, लैब, लाइब्रेरी, अनुभवी शिक्षक और 100 बिस्तरों वाले अस्पताल जैसी अनिवार्य सुविधाओं की भारी कमी पाई गई थी। कई कॉलेज केवल कागजों पर चल रहे थे और कई प्रिंसिपल और शिक्षक 15-15 कॉलेजों में एक साथ कार्यरत दर्शाए गए थे। मामले में याचिकाकर्ता एसोसिएशन ने आवेदन पेश कर आरोप लगाया था कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले कागजी /अमानक कालेजों में जीएनएम कोर्स संचालित करने वाले जो 117 नर्सिंग कॉलेज सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए थे। अब एमपी नर्सिंग काउंसिल उनके छात्रों को सूटेबल कॉलेजों में ट्रांसफर करने के स्थान पर उन कॉलेजों की अंतिम वर्ष की परीक्षाएं ले रहा है, जो 28 अप्रैल से प्रस्तावित है।

28 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

मप्र हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के बाद एमपीएनआरसी की अंडरटेकिंग रिकार्ड पर लेकर आदेश दिए हैं कि हाईकोर्ट की अनुमति के बगैर कोई भी परीक्षाओं का आयोजन नहीं होगा, मामले की सुनवाई पुनः 28 अप्रैल को चीफ जस्टिस की अगुआई वाली युगलपीठ में होगी, अब नर्सिंग कॉलेजों की प्रस्तावित परीक्षाओं के लिए एमपी नर्सिंग काउंसिल को आवेदन पेश कर हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होगी, इसी आधार नर्सिंग कॉलेजों की परिक्षाओं पर निर्णय होगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**